राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, रविवार 27 सितम्बर 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 132 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

पलामू समाहरणालय के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गयी

संक्षिप्त समाचार

लापता बच्चे को खोजने के लिए एसआइटी गठित

रांची(नबिटा ब्यूरो)। रांची रेलवे स्टेशन से लापता चार साल का बच्चा अब पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। 24 सितंबर को स्टेशन परिसर से लापता हुए विवान कुमार की तलाश में पुलिस ने कई स्तरों पर जांच शुरू कर दी है। लापता बच्चे को खोजने के लिए एसआईटी गठित की गई है और शहर के अलग-अलग थानों की टीमों को लगाया गया है। बच्चों की तलाश में लगे पुलिस अफसरों में से एक ने बताया कि पुलिस अब तक स्टेशन और उसके आसपास लगे 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देख चुकी है जिसमें एक युवक बच्चे को अपने साथ ले जाते हुए दिखाई पड़ा है।

ज्वेलरी दुकान संचालक के घर और दुकान में लूट

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। चौपारण थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात हथियारबंद अपराधियों ने बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया। जीटी रोड स्थित सिंघरावां मोड़ से करीब 200 मीटर दूर लराही रोड स्थित ज्वेलरी दुकान संचालक राजेश कुमार के घर में पांच नकाबपोश अपराधी हथियार के बल पर घुसे। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बनाकर लगभग 15 लाख रुपए की नकदी और जेवरात लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

नदी में उतरे दो युवक तेज बहाव में बहे

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। सिदगोड़ा के जिला स्कूल घाट पर शुक्रवार देर रात दो युवक ट्यूब के सहारे नदी में उतरे और तेज बहाव में लापता हो गए। लापता युवकों की पहचान अमित सिंह और अमित उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। नदी के तेज बहाव में बहने की खबर मिलते ही स्थानीय लोग घाट पर जमा हो गए। सिदगोड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस और बचाव दल नदी में खोज अभियान चला रहे हैं, पर अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला।

बाइक से टक्कर में अधेड़ की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बिरनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 51 वर्षीय छोटेलाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कोडरमा-कोवाड़ मुख्य मार्ग पर गरागुरो के पास हुआ। बताया गया कि छोटेलाल सड़क पर थे, तभी बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए गिरिडीह ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक चालक अपनी अपाचे बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। शनिवार सुबह छोटेलाल यादव की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो और शव को सड़क पर रखकर कोडरमा-कोवाड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

जाति और धर्म से नहीं बनेगा विकसित भारत : वित्त मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पलामू में एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा की राजनीति और उसके नारों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि केवल जाति और धर्म के आधार पर राजनीति करने से देश विकसित नहीं होगा। भारत को मजबूत बनाने के लिए आर्थिक विकास के साथ सामाजिक समानता भी जरूरी है। राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वह 12 साल तक एक खास पार्टी और नेता के साथ रहे। उन्होंने कहा कि जब उनका टिकट काटा गया तब उन्हें पार्टी की राजनीति को समझने का मौका मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में बड़े पूंजीपतियों का प्रभाव बढ़ गया है और आम लोगों के मुद्दे पीछे छूट गए हैं। छतरपुर विधानसभा सीट के सामान्य होने की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तब अलग-अलग जातियों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि उस समय यह भी देखने को मिलेगा कि अलग-अलग समाज के लोग अपने जाति के उम्मीदवार को कितना समर्थन देते हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने 'मोदी फैक्टर' पर भी सवाल उठाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा विकसित भारत की बात करती है लेकिन सिर्फ लोगों की जेब में पैसा डालने से देश विकसित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जब तक जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव खत्म नहीं होगा तब तक देश पूरी तरह मजबूत नहीं बन सकता। आर्थिक और सामाजिक समानता दोनों जरूरी हैं। राधाकृष्ण किशोर ने भाजपा नेताओं की ओर से कांग्रेस पर लगाए जाने वाले आरोपों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले कांग्रेस के साथ थे, उनमें से कई अब भाजपा के साथ हैं। ऐसे में कांग्रेस के पुराने वोटरों को चोर कहना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बार वह चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन जनता के बीच जागरूकता पैदा करने का काम करेंगे। उन्होंने छतरपुर-पाकी क्षेत्र के लोगों से स्थानीय नेताओं और स्थानीय मुद्दों पर भी ध्यान देने की अपील की। राधाकृष्ण किशोर ने धरती पुत्र समाज से एकजुट होने और अच्छे लोगों को आगे लाने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल ऐसे उम्मीदवारों को ज्यादा पसंद करते हैं जो शीर्ष नेतृत्व के अनुसार काम करें। जो अपनी बात रखते हैं या नेतृत्व की हर बात नहीं मानते, उन्हें पसंद नहीं किया जाता।

जमशेदपुर के एक मॉल में फायरिंग, तीन युवकों को लगी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर के सोनारी थाना क्षेत्र में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मरीन ड्राइव स्थित बिंदल मॉल के पास अचानक गोलियां चलने लगीं। सोनारी थाना क्षेत्र के बिंदल मॉल स्थित उडुपी रेस्टोरेंट में शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मॉल के एक रेस्टोरेंट में बैठे युवकों पर हमलावरों ने निशाना साधते हुए लगातार फायरिंग की। इस घटना में तीन युवक गोली लगने से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फायरिंग में दिलशाद, डोमिनिक सैमसन, रिजवान और कृष्णा चौधरी घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि घायल तीनों व्यक्ति मानगो, टेल्को और आदित्यपुर इलाके के रहने वाले हैं। गोली लगने के बाद चारों को आनन-फानन में इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) ले जाया गया जहां सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही देर में करीब 10 से 15 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। अचानक हुई फायरिंग से मॉल और आसपास के इलाके में मौजूद लोगों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। वारदात के बाद बाइक सवार हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में पुलिस की गतिविधियां बढ़ गई हैं। सूचना मिलने पर सोनारी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ हमलावरों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग किसने की और हमलावर किस दिशा से आए थे। फिलहाल गोलीबारी की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस हमलावरों की पहचान और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

इलाज के दौरान सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की मौत

हिरासत में लिए गए कई लोग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। गुमला जिले की रहने वाली 13 वर्षीय छात्रा की रिम्स में इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। छात्रा के साथ गुमला में दुष्कर्म की घटना हुई थी। घटना के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर गुमला पुलिस ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स में भर्ती कराया था। रिम्स में इलाज के दौरान उसकी स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई थी। शनिवार को इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छात्रा के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराने का निर्णय लिया है। गुमला एसपी हरिश बिन जमा ने बताया कि मेडिकल बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम के लिए आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की जा रही है। मेडिकल बोर्ड की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा ताकि मौत के कारणों से संबंधित चिकित्सकीय तथ्यों की विस्तृत जांच हो सके। पुलिस के अनुसार मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। घटना के संबंध में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात में कौन-कौन लोग शामिल थे और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की क्या स्थिति है। एसपी ने कहा कि मामले की जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी संबंधित पहलुओं की जांच कर रही है।

झारखंड में अपग्रेड होंगे 100 सीएचसी

600 डॉक्टर-स्वास्थ्यकर्मियों की होगी नियुक्ति, मजबूत होगी इलाज व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सरकार राज्य के करीब 100 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करेगी। इन केंद्रों पर चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ करीब 600 डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रखंड स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी जिलों के सिविल सर्जनों से इस संबंध में प्रस्ताव मांगा है। अधिकारियों को अपने-अपने जिले में अस्पतालों की मौजूदा स्थिति, उपलब्ध पदों, मरीजों की संख्या और स्वास्थ्य सुविधाओं की वास्तविक जरूरत का आकलन कर 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर जरूरत के अनुसार नए पद सृजित करने और स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। रांची जिले में बुंडू, नामकुम, सिल्ली, रातू, कांके और मांडर समेत कई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करने के लिए चयनित किए जाने की जानकारी सामने आई है। इन केंद्रों पर चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ डॉक्टर, विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल कर्मी और अन्य जरूरी मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। विभाग ने उन क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा है जहां नए अस्पताल भवन बनकर तैयार हो चुके हैं। ऐसे अस्पतालों में भवन और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप नए पदों के सृजन का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा केवल सीएचसी तक सीमित नहीं है। बैठक में प्रस्तावित 30 और 50 बेड वाले मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्रों तथा 100 बेड वाले जिला अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों के पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। सीएचसी को मजबूत करने से ग्रामीण मरीजों को छोटी-बड़ी स्वास्थ्य जरूरतों के लिए जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज जाने की जरूरत कम हो सकती है। इससे रेफरल अस्पतालों पर दबाव घटेगा और गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। राज्य में प्रखंड स्तर के अस्पतालों को फर्स्ट रेफरल यूनिट के रूप में विकसित करने की दिशा में भी यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने की तैयारी शुरू

रांची(नबिटा ब्यूरो)। बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन का असर झारखंड में साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। 24 सितंबर से शुरू हुआ बारिश का दौर 25 और 26 सितंबर को भी जारी रहा। रांची समेत झारखंड के कई इलाकों में इन तीन दिनों के दौरान जमकर बारिश हुई है। लगातार हो रही बारिश की वजह से अब खेतों में लगी फसलों को नुकसान की आशंका बढ़ गई है। रांची में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने की तैयारी शुरू कर दी है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बारिश की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं। उपायुक्त ने अपर समाहर्ता और सभी अंचल अधिकारियों से कहा है कि वे अपने-अपने इलाकों में बारिश से हुए नुकसान की जानकारी जुटाएं।

राज्य के 2526 शिक्षकों और अफसरों को शोकॉज नोटिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे हाउसहोल्ड सर्वे की प्रगति पर सवाल खड़े हो गए हैं। राज्य के 14 जिलों में 1322 स्कूल ऐसे मिले हैं जहां सर्वे का काम निर्धारित समय में पूरा नहीं हो सका। इनमें 870 स्कूलों में सर्वे की शुरुआत तक नहीं हुई जबकि 452 स्कूलों में प्रक्रिया बीच में ही रुक गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों की जवाबदेही तय की है। कुल 2470 शिक्षकों और 56 अधिकारियों को शोकॉज जारी किया गया है। अधिकारियों में संबंधित जिलों के जिला शिक्षा अधीक्षक, एसीपी, आउट ऑफ स्कूल प्रभाग के प्रभारी और एसएमसी प्रभाग के प्रभारी शामिल हैं। सभी से 28 सितंबर तक अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। तय समय सीमा में जवाब नहीं मिलने पर वेतन रोकने की कार्रवाई की जाएगी। शशि रंजन ने स्पष्ट किया है कि सर्वे जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही को केवल प्रगति की कमी के तौर पर नहीं देखा जा सकता। स्कूल से बाहर बच्चों की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए घर-घर सर्वे जरूरी है। इसलिए संबंधित स्तर पर जिम्मेदारी तय करते हुए काम को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। सर्वे की स्थिति देखें तो दुमका सबसे पीछे है। यहां 535 स्कूलों में काम पूरा नहीं हुआ है। पलामू के 379 और पाकुड़ के 140 स्कूल भी निर्धारित लक्ष्य से पीछे हैं। देवघर में 57, गोड्डा में 51, गिरिडीह में 45 और लोहरदगा में 34 स्कूलों में सर्वे अधूरा है। इसके अलावा साहिबगंज के 30, पश्चिमी सिंहभूम के 27, गुमला के नौ, खूंटी के सात, लातेहार के चार, धनबाद और गढ़वा के दो-दो स्कूलों में भी काम पूरा नहीं हुआ। राज्य स्तर पर 2470 शिक्षक सर्वे पूरा नहीं कर पाए हैं। इनमें 1930 शिक्षकों ने सर्वे शुरू नहीं किया जबकि 540 ने काम शुरू करने के बाद उसे पूरा नहीं किया। दुमका में सबसे ज्यादा 1027 शिक्षक इस सूची में हैं। पलामू में 722 और पाकुड़ में 278 शिक्षक सर्वे पूरा नहीं कर सके। राज्य कार्यालय ने 27 अगस्त को भी सर्वे की धीमी प्रगति को लेकर जिलों से स्पष्टीकरण मांगा था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार रांची को छोड़कर किसी अन्य जिले के जिला शिक्षा अधीक्षक ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद विभाग ने दोबारा जवाबदेही तय करते हुए संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को शोकॉज किया है। सर्वे के बाद चिह्नित बच्चों को दोबारा स्कूल से जोड़ने की जिम्मेदारी एसएमसी और पीटीएम स्तर पर भी तय की गई है। इसके बावजूद बैठकों में ड्रॉप बॉक्स में दर्ज ड्रॉपआउट बच्चों और पहले से चिह्नित स्कूल से बाहर बच्चों की सूची पर अपेक्षित चर्चा नहीं हुई। बैठकों का आयोजन होने के बावजूद अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों का दोबारा नामांकन कराने की प्रक्रिया भी आगे नहीं बढ़ सकी।

जमशेदपुर बैंक डकैती में शामिल डकैतों की जानकारी देने पर मिलेगा इनाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। शहर के गोलमुरी थाना इलाके में केनरा बैंक डकैती मामले में पुलिस को अभी तक कोई खास कामयाबी नहीं मिली है। पुलिस पांचों डकैतों की तलाश कर रही है लेकिन अब तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिली है। इसलिए पुलिस ने इन डकैतों के बारे में जानकारी देने वाले के लिए इनाम की घोषणा की है। पुलिस मुख्यालय ने पांचों डकैतों के बारे में जानकारी देने वालों के लिए 2-2 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया है। गौरतलब है कि 24 सितंबर को पांच लुटेरों ने गोलमुरी मस्जिद रोड स्थित केनरा बैंक में दिनदहाड़े बड़ी डकैती को अंजाम दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद पांचों लुटेरे कंधे पर बैग टांगकर आराम से अलग-अलग रास्तों से फरार हो गए। किसी भी लुटेरे ने मास्क नहीं पहना था। गोलमुरी की इस घटना को झारखंड में अब तक की सबसे बड़ी बैंक डकैती माना जा रहा है। इलाके की अलग-अलग गलियों में लगे कैमरों में उनके चेहरे साफ दिख रहे हैं। खास बात यह है कि बैंक के अंदर डकैती करते समय उनमें से किसी ने भी मास्क नहीं पहना था, ना ही किसी तरह से अपना चेहरा ढक रखा था। पुलिस ने अब लुटेरों को पकड़ने के लिए जाल बिछाना शुरू कर दिया है। इसी कोशिश के तहत उन्होंने उनके बारे में जानकारी देने वाले के लिए इनाम की घोषणा की है। पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी डॉ।.एहतेशाम वकारिब ने बताया कि बैंक डकैती की पुलिस जांच चल रही है। कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने घोषणा की कि लुटेरों के बारे में सही जानकारी देने वाले को 2-2 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। एसएसपी ने भरोसा दिलाया कि जानकारी देने वाले की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी।

स्टेट बैंक की ओर से देवघर को मिली स्वास्थ्य, शिक्षा और जनसुविधाओं की सौगात

चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने समर्पित किए चार ई-कार्ट वाहन, एक एंबुलेंस और 20 स्कूलों को आरओ सिस्टम, सैनिटरी पैड डिस्पेंसर व इंसिनरेटर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत देवघर में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। शनिवार को एसबीआई के चेयरमैन सी.एस शेट्टी ने चार ई-कार्ट वाहन, एक एंबुलेंस तथा देवघर के 20 विद्यालयों के लिए आरओ सिस्टम, सैनिटरी पैड डिस्पेंसर मशीन और इंसिनरेटर प्रदान किए। इस अवसर पर बाबाधाम शाखा का भी लोकार्पण किया गया। एसबीआई पटना मंडल एवं देवघर अंचल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किए गए ई-कार्ट का उद्देश्य वैसे मरीजों और उनके परिजनों को सुविधा उपलब्ध कराना है, जो देवघर एम्स इलाज के लिए आते हैं और चलने-फिरने में असमर्थ होते हैं। वहीं, एंबुलेंस का उपयोग झारखंड आर्म्ड पुलिस के माध्यम से मरीजों की सहायता के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान एसबीआई चेयरमैन सी.एस शेट्टी ने ई-कार्ट एवं एंबुलेंस की सांकेतिक चाबी एम्स के उप निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल अभिक दास तथा जाप कमांडेंट अंजनी अंजन को सौंपी। वहीं, जिला शिक्षा पदाधिकारी बिनोद कुमार को विद्यालयों के लिए आरओ सिस्टम, सैनिटरी पैड डिस्पेंसर मशीन एवं इंसिनरेटर प्रदान किए गए। विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए आरओ सिस्टम से विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। वहीं, सैनिटरी पैड डिस्पेंसर मशीन और इंसिनरेटर से छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस पहल से विद्यालयों में स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता और छात्राओं की सुविधा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस मौके पर एसबीआई चेयरमैन सी.एस शेट्टी ने बैंक की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए एसबीआई की सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बैंक की ओर से जनकल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम के दौरान श्री शेट्टी के द्वारा बाबाधाम शाखा का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर एसबीआई पटना मंडल के मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी, महाप्रबंधक (झारखंड नेटवर्क) बेनुधर पाढी एवं उप महाप्रबंधक एस. सत्यनारायण राव सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों ने सीएसआर के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

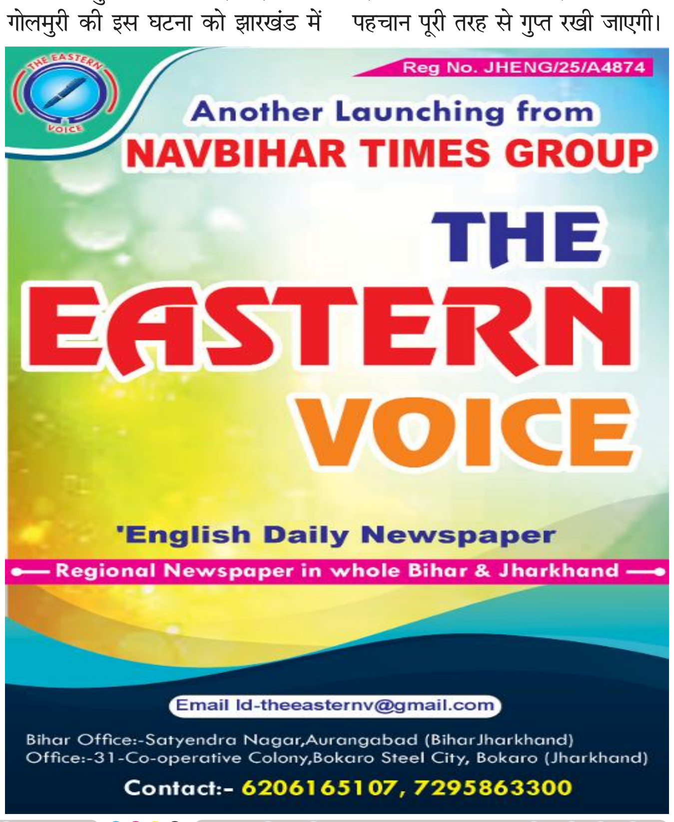

CMYK

अवैध खनन पर प्रशासन सख्त, रात में भी होगी निगरानी

खनिजों के अवैध परिवहन व भंडारण पर संयुक्त छापेमारी के निर्देश, बिना चालान वाहन जब्त होंगे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन और भंडारण पर जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ाने का निर्णय लिया है। शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में अवैध गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई और लगातार निगरानी का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने कहा कि अवैध उत्खनन और खनिजों के अनधिकृत परिवहन व भंडारण के मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने खनन, पुलिस और वन विभाग को आपसी समन्वय से नियमित जांच एवं छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। संवेदनशील खनन क्षेत्रों और खनिज परिवहन मार्गों पर विशेष निगरानी रखने, चेक पोस्ट व पिकेट पर वाहनों की सघन जांच करने तथा बिना वैध दस्तावेज या चालान के खनिज परिवहन, ओवरलोडिंग और अन्य अनियमितता मिलने पर वाहनों को नियमानुसार जब्त कर कार्रवाई करने को कहा गया। रात में गश्ती और औचक जांच पर जोर उपायुक्त ने रात्रिकालीन गश्ती और औचक निरीक्षण को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे लगातार जारी रखा जाए। सभी एसडीओ, एसडीपीओ और अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी अंकित कुमार, अपर समाहर्ता वैभव कुमार सिंह, आईएएस प्रशिक्षु यश कुमार, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और जिला खनन पदाधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

डुमरी में खड़े ट्रक से टकराया हाइवा चालक केबिन में फंसा, धनबाद रेफर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डुमरी (गिरिडीह)। एनएच-19 पर हैठ टोला के समीप शुक्रवार देर रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित हाइवा सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराया। हादसे में हाइवा का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक केबिन में फंस गया। बताया गया कि कोलकाता से पटना जा रहा ट्रक खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे हाइवा ने अनियंत्रित होकर ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए और अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों और पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद हाइवा के केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला। उसे तत्काल स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया।

दुर्गा पूजा, दीपावली व छठ को लेकर प्रशासन अलर्ट, पंडाल-घाटों का होगा निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक हुई। इसमें स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात, पानी और संवेदनशील घाटों को चिन्हित कर सुरक्षा के उपाय करने का भी निर्देश दिया गया। नगर निगम को पूजा स्थलों, बाजारों, पंडालों और प्रमुख मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाने तथा कचरे का नियमित उठाव सुनिश्चित करने को कहा गया। जलजमाव वाले स्थानों पर जल

प्रकाश, विधि-व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को सभी प्रमुख पूजा पंडालों, पूजा स्थलों और छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर समय पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होगी, इसलिए सुरक्षित, स्वच्छ और सुगम वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। छठ घाटों पर सफाई, समतलीकरण, पहुंच पथ, बैरिकेडिंग, प्रकाश, पेयजल और चेंजिंग रूम की व्यवस्था समय से पूरी करने को कहा गया। गहरे निकासी की व्यवस्था और खराब स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए गए। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने पूजा पंडालों, बाजारों और छठ घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए रूट प्लान तैयार करने को कहा। वहीं महापौर प्रमिला मेहरा ने नगर क्षेत्र में सफाई, प्रकाश और नागरिक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में अधिकारियों को स्थानीय पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

याद किए गए योगी मनु साव

खूंटी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मुरहू प्रखंड के मनु साव आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। एक साधारण परिवार से आने वाले मनु ने अपने कर्म, सेवा भाव और दान से समाज में योगी जैसी प्रतिष्ठा हासिल की है। स्नेही डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी के अनुसार, स्वर्गीय मनु साव बचपन से ही परिश्रमी और दूसरों की मदद करने वाले रहे हैं। उन्होंने कभी बड़े पद या नाम की चाह नहीं की, बल्कि अपने छोटे-छोटे कामों से लोगों का दिल जीता। कभी अकेले चाय तक नहीं पी, हमेशा परहित का भाव रखते थे। धर्मस्थलों पर लोगों को खुद गरीब रहने के बावजूद निशुल्क ले जाना, धार्मिक जगहों का जीर्णोद्धार, पूजा पाठ कराना, गरीबों-ब्राह्मणों को दान देना,उनकी दिनचर्या रही। खूंटी के अधिवक्ता राखोहरि चौधरी, अधिवक्ता प्रफुल्ल भगत,काशीनाथ महतो, जिप उपाध्यक्ष मंजु देवी, प्रियांक भगत, महावीर राम, मुकेश जायसवाल आदि इनके व्यवहार से परिचित थे। मनु साव सात बहनों में एक भाई थे। अभी दो बहनें जिवित हैं। मुरहू में सबसे अधिक जर्जर भवन, असफल व्यवसाय और स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहे मनु को पैतृक संपत्ति के चलते भी परेशानी थी।।दो पुत्र और एक विवाहिता पुत्री है। पत्नी भी अस्वस्थ रहती हैं,किसी तरह अपने जीवन को चला रही हैं। जिला प्रशासन इनके परिजनों को खासकर भुमि के विवाद , गृह निर्माण और आर्थिक स्थिति के सुधार हेतु ईमानदारी से हल कर दें। और भविष्य के लिए सरकार और समाज को भी इस परमार्थी योगी मनु साव का ध्यान रखना चाहिए। मनु साव ने यह साबित कर दिया है कि योगी बनने के लिए जंगल जाने की जरूरत नहीं, सच्चे कर्म और निस्वार्थ दान से भी व्यक्ति महान बन सकता है।

नए ट्रांसफार्मर लगने से ग्रामीणों को राहत

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पीरटांड़ प्रखंड के कुमाहरलालो पंचायत अंतर्गत कबरिया बेड़ा और कठवारा रजवार टोला में लंबे समय से खराब पड़े ट्रांसफार्मरों को बदलकर नए ट्रांसफार्मर लगाए गए। कबरिया बेड़ा में दो माह से 100 केवीए तथा कठवारा रजवार टोला में एक माह से 25 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब था। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों के साथ छात्र-छात्राओं को भी परेशानी हो रही थी। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनय कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने भाजपा मंडल उपाध्यक्ष भोला वर्मा, पूर्व मंडल महामंत्री अरविंद बरनवाल और मुखिया प्रतिनिधि सुभाष बरनवाल के माध्यम से समस्या की जानकारी दी थी। इसके बाद अधीक्षण अभियंता एवं मुख्य प्रबंधक से संपर्क कर दोनों स्थानों पर नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए गए। ग्रामीणों के आग्रह पर विनय कुमार सिंह ने दोनों स्थानों पर नए ट्रांसफार्मरों का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों से संवाद भी किया गया। ग्रामीणों ने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन, गैस कनेक्शन और शौचालय जैसी योजनाओं का लाभ मिलने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान कुमाहरलालो पंचायत भवन परिसर में एक पेड़ मोदी के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरविंद चंद्र राय, अरविंद बरनवाल, भोला वर्मा, सुभाष बरनवाल सहित दर्जनों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे।

विश्व फामेर्सी दिवस पर सलूजा गोल्ड कॉलेज में कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक से दिया स्वास्थ्य संदेश

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विश्व फामेर्सी दिवस के अवसर पर सलूजा गोल्ड कॉलेज ऑफ फामेर्सी, गिरिडीह मे को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष की थीम एमपीओवेरिंग फार्मासिस्टस फोर हेअल्थीर फ्यूचर्स ह्व रही। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्ट की भूमिका, दवाओं के सुरक्षित एवं सही उपयोग तथा स्वस्थ भविष्य के निर्माण में फामेर्सी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। नाटक के माध्यम से फामेर्सी के महत्व, फार्मासिस्ट की जिम्मेदारियों और स्वास्थ्य सेवा में उनके योगदान को प्रभावी एवं मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य ने कहा कि इस वर्ष की थीम सशक्त और ज्ञानवान फार्मासिस्ट की भूमिका को रेखांकित करती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ समाज और मरीजों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। वहीं कॉलेज के एचओडी ने विद्यार्थियों के नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अनधिकृत अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर होगी सख्त कार्रवाई, छापेमारी के निर्देश

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पीसी पीएनडीटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त रामनिवास यादव ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों, पंजीकृत संस्थानों, नए केंद्रों के आवेदनों और पंजीकरण नवीनीकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बिना वैध लाइसेंस अथवा अनधिकृत रूप से संचालित क्लीनिक व अल्ट्रासाउंड केंद्रों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने छापेमारी दल गठित कर गहन जांच सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने नए अल्ट्रासाउंड केंद्रों के आवेदनों का निर्धारित मानकों के अनुरूप सत्यापन कराने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि लिंग चयन और भ्रूण लिंग जांच जैसी अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना प्रशासन की प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों और व्यक्तियों पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नियमित निरीक्षण, अभिलेखों के संधारण और पीसी पीएन डीटी एक्ट के प्रति आमजनों में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी चर्चा हुई।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर सख्त डीसी, अवैध खनन-डंपिंग पर कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पर्यावरण संरक्षण को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने सख्त रुख अपनाते हुए जिले में प्रदूषण और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई का निर्देश दिया है। शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला पर्यावरण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने वायु एवं जल प्रदूषण नियंत्रण तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों में पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन की समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और मानकों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को अवैध बालू खनन, अवैध डंपिंग, स्टोन माइंस एवं स्टोन क्रशरों की नियमित जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। औद्योगिक प्रतिष्ठानों में ईटीपी /एसटीपी , रेन वाटर हार्वेस्टिंग और औद्योगिक कचरे के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि दूषित जल को उपचार के बाद ही जल स्रोतों में प्रवाहित किया जाए। डीसी ने प्रदूषण प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सर्वेक्षण कराने तथा अस्पतालों और नर्सिंग होम समेत अन्य संस्थानों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्धारित मानकों और आवश्यक सीटीओ का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी के जरिए जिले में स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एसपी, पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, एसडीओ, सीओ, नगर निगम, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सीसीएल समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

लगातार बारिश को लेकर गिरिडीह में अलर्ट उपायुक्त की लोगों से सतर्क रहने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में लगातार हो रही बारिश और कई इलाकों में जलजमाव को देखते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव ने लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण नदी, नाले, डैम, तालाब और अन्य जलस्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। उपायुक्त ने लोगों से नदी नालों, जलप्रपात, डैम और तेज जल प्रवाह वाले स्थानों से दूर रहने तथा अनावश्यक जोखिम नहीं लेने की अपील की। बच्चों और बुजुर्गों को ऐसे स्थानों से विशेष रूप से दूर रखने को कहा गया है। जलजमाव वाले क्षेत्रों में आवागमन के दौरान भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्होंने बारिश के दौरान विद्युत पोल, तार और अन्य विद्युत उपकरणों के आसपास पानी जमा होने पर दूरी बनाए रखने तथा विद्युत संबंधी समस्या होने पर स्वयं समाधान करने के बजाय संबंधित विभाग को सूचना देने को कहा। उपायुक्त ने अधिकारियों को संवेदनशील और निचले इलाकों में जलजमाव की लगातार निगरानी तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने आम लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को देने की अपील की।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़ । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आलोक में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने शनिवार को रामगढ़ स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का जायजा लिया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस परिसर में स्थापित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने नियंत्रण कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरों, उनके कवरेज क्षेत्र तथा रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की जांच की। साथ ही कैमरों की बैकअप रिकॉर्डिंग व्यवस्था को भी देखा गया, ताकि वेयरहाउस की सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा उपायुक्त ने वेयरहाउस में आग जैसी किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए लगाए गए अग्निशमन उपकरणों की स्थिति एवं क्रियाशीलता का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सुरक्षा उपकरणों के नियमित रख-रखाव और उनकी उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उपायुक्त ने अधिकारियों एवं सुरक्षा बलों को निर्देश दिया कि ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर शिथिलता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी बनाए रखने, सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करने तथा तकनीकी एवं अग्निशमन व्यवस्थाओं को हमेशा दुरुस्त रखने पर जोर दिया। गौरतलब है कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं ईवीएम-वीवीपैट की सुरक्षित निगरानी को लेकर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत वेयरहाउस का नियमित निरीक्षण किया जाता है। इसी क्रम में शनिवार को अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में त्रैमासिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

गिरिडीह कॉलेज में 9 दिन बाद अभाविप की भूख हड़ताल खत्म, प्राचार्य हटे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह कॉलेज में विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) का पिछले 12 दिनों से चल रहा आंदोलन शुक्रवार को एक अहम पड़ाव पर पहुंचा। पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे अभाविप कार्यकर्ता नीरज चौधरी और अनीश राय ने शुक्रवार को भूख हड़ताल समाप्त कर दी। हालांकि, अभाविप ने स्पष्ट किया है कि जब तक दोषी पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। अभाविप के अनुसार, 25 सितंबर को गिरिडीह कॉलेज के प्राचार्य को पद से हटा दिया गया है। वहीं, महामहिम राज्यपाल से हुई टेलिफोनिक वार्ता में सात दिनों के भीतर मामले की जांच कर दोषी पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। कुलपति ने भी निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले पदाधिकारियों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की बात कही है। अभाविप प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू ने कहा कि राज्यपाल और कुलपति की ओर से जांच व कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद दोनों कार्यकताओं की भूख हड़ताल समाप्त की गई है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है। दोषियों पर कार्रवाई होने तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। भूख हड़ताल समाप्त कराने के दौरान गिरिडीह कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य के.एन. शर्मा, एसपी सिन्हा और मुकेश रंजन सिंह ने संयुक्त रूप से नीरज चौधरी और अनीश राय को जूस व मिठाई खिलाकर अनशन समाप्त कराया। मौके पर मिथुन चंद्रवंशी, अनूप यादव, नितेश तिवारी, बिट्टू, मोदी, अभिजीत सिन्हा, सदानंद राय, संदीप वर्मा, अभिनव जीत समेत अभाविप के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त के निर्देश पर चलाया गया वाहन जांच अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निर्देशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी, खूंटी के नेतृत्व में जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्रमुख मार्गों पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाते हुए सुरक्षित स्थान पर लगवाया गया। जांच के क्रम में विभिन्न वाहनों के टैक्स, इंश्योरेंस, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक कागजातों की जांच की गई। मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 81,000 रुपये का चालान किया गया। वहीं, मोटर यान निरीक्षक, खूंटी एवं सहयोगी कर्मियों द्वारा भी वाहन जांच अभियान चलाया गया। सड़क पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 37,650 रुपये का ई-चालान किया गया तथा वाहनों को सड़क से हटवाकर सुरक्षित स्थान पर लगवाया गया।

सेवा संकल्प अभियान में जनसैलाब, सिहोडीह में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सेवा संकल्प अभियान के तहत शहर के वार्ड नंबर 11 सिहोडीह स्थित केदार वर्मा के मार्केट कॉम्प्लेक्स में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर उपस्थित लोगों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई। चिकित्सकों ने मरीजों की जांच के साथ उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. शशि भूषण वर्मा, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. मनीष कुमार एवं डॉ. अरविंद कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य इंजीनियर विनय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष महादेव दुबे, जिला महामंत्री संदीप दांगी, जिला उपाध्यक्ष नवीन सिंह, जिला मंत्री सुरेश मंडल, दीपक यादव, मध्य भाग मंडल अध्यक्ष खिरोधर दास, गंगाधर दास एवं इनोद साव समेत कई लोग मौजूद रहे। निवर्तमान महापौर सुनील पासवान की भी कार्यक्रम में उपस्थिति रही। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय कार्यकताओं की अहम भूमिका स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था एवं आयोजन की देखरेख में केदार वर्मा, शिबू राम, संतोष कुशवाहा, चुनमुन, सुभाष राम, वासुदेव राम सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं और जनसेवा से जुड़ी सुविधाएं पहुंचाना है। शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया।

व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला अधिवक्ता संघ भवन का शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को जिला अधिवक्ता संघ, रामगढ़ के प्रस्तावित जी+3 बहुमंजिला भवन का भव्य शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सह रामगढ़ जिले के जोनल जज दीपक रोशन ने विधिवत शिलापट्ट का अनावरण कर भवन की आधारशिला रखी। समारोह में न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन न्याय केवल अधिकार नहीं, एक उत्तरदायित्व भी है और सशक्त अधिवक्ता, सशक्त न्याय, सशक्त समाज जैसे संदेशों के साथ किया गया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति दीपक रोशन एवं उनकी धर्मपत्नी सारिका भूषण समेत अन्य अतिथियों का पौधे भेंटकर स्वागत किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने कहा कि सशक्त न्याय प्रणाली में अधिवक्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। आम लोगों को सुगम, त्वरित, पारदर्शी एवं न्यायसंगत राहत दिलाने में अधिवक्ताओं का योगदान अहम है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य वातावरण और आधुनिक सुविधाओं से युक्त आधारभूत संरचना उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। प्रस्तावित जी+3 भवन से अधिवक्ताओं को बैठने, अध्ययन करने तथा न्यायिक कार्यों के सुचारू संचालन में सुविधा मिलेगी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मो. तौफीकुल हसन ने कहा कि न्याय प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए पीठ और बार के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। न्यायिक पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं के आपसी सामंजस्य से आम लोगों को त्वरित एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने भवन के शिलान्यास पर जिला अधिवक्ता संघ के सदस्यों को बधाई दी। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिला प्रशासन न्यायपालिका के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिवक्ता समाज और न्यायालय के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। नए भवन के निर्माण से स्थानीय अधिवक्ताओं के साथ दूर-दराज से आने वाले अधिवक्ताओं एवं फरियादियों को भी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने भवन के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय राजीव आनंद, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशाल श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत, न्यायिक पदाधिकारी, जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

दिशा की बैठक में पलामू सांसद ने की जिले में संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा

लंबित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने एवं योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों तक पहुंचाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक शनिवार को समाहरणालय सभागार में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान कुछ योजनाओं की धीमी प्रगति पर सांसद ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित पदाधिकारियों से जानकारी ली तथा पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं उनके अनुपालन की भी समीक्षा की गई। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, समेकित बाल विकास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं में आ रही समस्याओं एवं कमियों से समिति के अध्यक्ष को अवगत कराया। इस पर सांसद ने लक्ष्य आधारित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा योजनाओं का वास्तविक लाभ आम लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। सांसद ने विभिन्न वित्तीय वर्षों के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्ष्य एवं उपलब्धि की जानकारी लेते हुए कहा कि अभी भी कुछ योग्य लाभुक ऐसे हैं, जिन्हें किसी भी आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने ऐसे सभी योग्य लाभुकों को आवास योजना से आच्छादित करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि बिना उचित कारण किसी भी लाभुक की किस्त लंबित नहीं रहनी चाहिए। इस दौरान विभिन्न विधायकों ने भी योग्य लाभुकों के आवास योजना से वंचित रहने की समस्या को उठाया। चतरा सांसद प्रतिनिधि ने भी इस विषय को प्रमुखता से समिति के समक्ष रखा। जी-राम जी के तह मानव दिवस सृजन की समीक्षा के दौरान सांसद ने कहा कि जिले में योजना के बंद होने को लेकर अफवाह फैल रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आम लोगों के बीच वस्तुस्थिति स्पष्ट करने तथा अनावश्यक भ्रम की स्थिति समाप्त करने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कई प्रखंड प्रमुखों ने बच्चों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की कमी तथा कुछ विद्यालयों में पेयजल की समस्या से समिति को अवगत कराया। सांसद ने संबंधित पदाधिकारियों को समस्याओं के निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद ने लोगों के घरों तक सुचारु रूप से पेयजल नहीं पहुंचने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्यपालक अभियंता को एमवीएस एवं एसवीएस की सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह यादव ने पेयजल विभाग के निर्माण कार्यों के दौरान सड़कों एवं विद्युत उपकरणों को होने वाले नुकसान का मामला उठाते हुए उसकी क्षतिपूर्ति पेयजल विभाग से कराने की बात कही। इस दौरान वित्त मंत्री सह छतरपुर विधायक राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि विकास योजनाओं का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब उनका लाभ समय पर आम लोगों तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की गुणवत्ता के साथ-साथ उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की भी समीक्षा की गई। वहीं एनएचएआई से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान सांसद ने दशहरा पर्व के मद्देनजर बारिश से सड़कों पर बने गड्ढों (पैथहोल्स) को मोटरेबल कराने का निर्देश दिया, ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। इसके अलावा कल्याण, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण, आपूर्ति सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की भी समीक्षा की गयी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, वित्त मंत्री सह छतरपुर विधायक राधाकृष्ण किशोर, विश्रामपुर विधायक नरेश प्रसाद सिंह, हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह यादव, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, चतरा सांसद प्रतिनिधि, पांकी विधायक प्रतिनिधि, अपर समाहर्ता, सभी प्रखंड प्रमुखों सहित अन्य विधायक प्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

हत्या का खुलासा दो माह बाद, तालाब में डुबोकर मारने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। जयनगर थाना क्षेत्र के बांझेडीह स्थित डीवीसी के कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन (केटीपीएस) में मजदूरों के लिए खाना बनाने वाली महिला मसोमात बिंदु देवी की हत्या का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के हिली थाना क्षेत्र निवासी विपुल चंद्र बर्मन (31) को 25 सितंबर को कोडरमा रेलवे स्टेशन के बाहर एक चाय दुकान से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, बिंदु देवी 19 जुलाई को लापता हुई थीं। उनकी पुत्री स्वाति कुमारी की शिकायत के बाद खोजबीन शुरू की गई। 21 जुलाई को केटीपीएस परिसर स्थित तालाब के पास उनका शव बरामद हुआ। मामले में जयनगर थाना कांड संख्या 137/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में न कोई प्रत्यक्षदर्शी मिला और न ही कोई मजबूत तकनीकी साक्ष्य। एसपी कुमार शिवाशीष के निर्देश पर थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। सूचना तंत्र और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की तलाश की गई। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि 19 जुलाई की शाम तालाब के पास बिंदु देवी से उसका विवाद हुआ था। आरोप है कि उसने महिला को तालाब के पानी में खींचकर सिर डुबो दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद वह ट्रेन से मुंबई भाग गया और अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने बदलता रहा। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर गेट नंबर-2 के पास शुक्रवार रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बुजुर्ग राजकुमार प्रसाद की मौत हो गई। हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। इलाज के दौरान राजकुमार प्रसाद ने दम तोड़ दिया।

शनिवार को मौत से आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोगों ने शव के साथ सड़क पर प्रदर्शन किया और आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के कारण आवागमन प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बन गई। सूचना पर अरगोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी वाहन चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है।

चक्रवाती तूफान अर्णब का हजारीबाग में व्यापक असर, 36 घंटे से शहर-गांव में ब्लैकआउट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिला में चक्रवात तूफान अर्णब का असर देखने को मिल रहा है। पिछले तीन दिनों से लगातार हजारीबाग में बारिश हो रही है। जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। सबसे अधिक परेशानी लोगों को बिजली से हो रही है। तूफान के कारण जिले में लगभग 70 से 80 बड़े-बड़े पेड़ गिर चुके हैं। जिससे बिजली के तार जगह-जगह टूट गए हैं। इस कारण लगभग 48 घंटा से पूरा शहर ब्लैकआउट हो चुका है। लोग मोमबत्ती और लालटेन का सहारा ले रहे हैं। वहीं शहर के अधिकतर प्रतिष्ठा भी बंद है। सबसे अधिक परेशानी ग्रामीणों को हो रही है। हजारीबाग में चक्रवाती तूफान अर्णब का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। तेज हवाओं और लगातार हो रही बारिश के कारण शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। पिछले करीब 36 घंटे से हजारीबाग शहर के कई हिस्सों समेत ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लैकआउट की स्थिति बनी हुई है। बिजली विभाग के अनुसार, तेज हवा के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 70 से 80 पेड़ गिर गए, जिसकी चपेट में आने से बिजली के तार और पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। बिजली विभाग के डिप्टी जनरल मैनेजर अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि बिजली व्यवस्था बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम चल रहा है। विभाग की टीमें लगातार प्रभावित इलाकों में पहुंचकर टूटे तार और क्षतिग्रस्त बिजली संरचनाओं को दुरुस्त करने में जुटी हैं। इन्होंने उम्मीद जताई कि अगले एक घंटे के भीतर हजारीबाग शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सामान्य करने की स्थिति में विभाग पहुंच जाएगा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी शनिवार शाम तक बिजली आपूर्ति शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। इन्होंने कहा कि यदि मौसम या किसी अन्य कारण से कोई नया व्यवधान उत्पन्न नहीं हुआ तो बिजली व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह बहाल कर दिया जाएगा। अशोक कुमार उपाध्याय ने बिजली उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी के लिए खेद जताते हुए माफी मांगी। इन्होंने कहा कि चक्रवाती तूफान के कारण उत्पन्न परिस्थितियों से बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है। विभाग लगातार इसे सामान्य करने में जुटा है। उन्होंने बताया कि बड़कागांव, इचाक और कटकमदाग प्रखंड के करीब आधे हिस्से में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है।अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी मरम्मत कार्य जारी है। हजारीबाग के स्थानीय बताते हैं पिछले दो-तीन दिनों से हजारीबाग में तुफान का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। 36 घंटा से अधिक समय से बिजली गुल है, पूरा शहर ब्लैक आउट है, जगह जगह पर जल जमाव है, लोग खासे परेशान हैं। शहर का अधिकतर दुकान बंद है। बिजली के कारण लोग परेशान है। तूफान अर्णब के प्रभाव से हजारीबाग में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए और आपूर्ति बाधित हो गई। बता दें कि तूफान अर्णब के प्रभाव से हजारीबाग में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए और आपूर्ति बाधित हो गई।

मेरा युवा भारत और आदर्श यूथ क्लब ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर मेरा युवा भारत औरंगाबाद के तत्वावधान में आदर्श यूथ क्लब द्वारा एक निजी कोचिंग संस्थान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों एवं युवाओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि जिला युवा अधिकारी अनिकेत कुमार राव ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से व्यक्तिगत विकास के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और अवसर पहुंचाने की भावना के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार आज भी प्रासंगिक है। युवाओं को उनके विचारों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के माध्यम से जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने एकात्म मानववाद, अंत्योदय, स्वदेशी, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र सेवा से जुड़े विचारों पर प्रकाश डाला। मौके पर सैलेश सर, सौरभ कुमार, भाजपा युवा मोर्चा के मंत्री सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं युवा उपस्थित रहे। अंत में युवाओं ने सामाजिक सेवा एवं राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

रांची रजिस्ट्री कार्यालय की सीलिंग भरभरा कर गिरी, कर्मचारियों में मची अफरा-तफरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में हो रही मूसलधार बारिश के बीच कचहरी चौक स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में अचानक सीलिंग भरभरा कर गिर गई। हादसे के वक्त कार्यालय में कर्मचारी अपने-अपने कंप्यूटर पर काम कर रहे थे। इसी दौरान कमरे की छत का सीलिंग अचानक टूटकर कर्मचारियों के ऊपर जा गिरी, हलांकि इस हादसे में कर्मचारियों को मामूली चोटे आई हैं। रजिस्ट्री कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों के अनुसार, दोपहर के समय वे रोज की तरह अपने काम में जुटे थे। अचानक ऊपर से सीलिंग का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। सीलिंग गिरने से कुछ कर्मचारियों को चोट लगी, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। कर्मचारियों ने तत्काल कमरे से बाहर निकल गए। घटना के बाद कार्यालय में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सीलिंग ध्वस्त होने के बाद कार्यालय की छत से बारिश का पानी कमरे के अंदर आने लगा। इससे वहां रखे कंप्यूटर, दस्तावेज और अन्य सामान के क्षतिग्रस्त होने का खतरा भी पैदा हो गया। कर्मचारियों ने तत्काल कमरे में रखी जरूरी फाइलों और अन्य महत्वपूर्ण सामान को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहीं कमरे में मौजूद कुछ महत्वपूर्ण कागजात और फर्नीचर को त्रिपाल से ढक दिया गया है ताकि पानी से उनका बचाव हो सके। लगातार हो रही बारिश के बीच सीलिंग गिरने से कार्यालय के कर्मी दहशत में हैं, क्योंकि रजिस्ट्री कार्यालय की बिल्डिंग काफी पुरानी है ऐसे में दूसरे कमरों की भी सीलिंग गिरने और दूसरे हिस्सों में भी पानी आने की आशंका बनी हुई है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई, हलाकि घटना ने बारिश के दौरान जर्जर हो चले सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

झारखंड ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ का चुनाव, सतीश तिग्गा अध्यक्ष और नितेश कुमार मिश्रा लगातार दूसरी बार बने महासचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ का तृतीय त्रिवार्षिक अधिवेशन शनिवार को आयोजित हुआ। अधिवेशन में संगठन की आगामी कार्ययोजना, कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिवेशन का शुभारंभ महासचिव नितेश कुमार मिश्रा द्वारा संगठन का ध्वजारोहण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की एकजुटता तथा कर्मचारियों के हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिवेशन के दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। अधिवेशन के दौरान झारखंड ग्रामीण बैंक कर्मचारी संघ का अध्यक्ष सतीश तिग्गा को तथा नितेश कुमार मिश्रा को लगातार दूसरी बार महासचिव निर्वाचित किया गया। नितेश कुमार मिश्रा को आगामी तीन वर्षों के लिए पुनः महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में रांची से उज्ज्वल कुमार मुखर्जी, सिंहभूम से अमित कुमार झा, गुमला से बबलू कुमार, पलामू से नवीन कुमार, हजारीबाग से शितांशु अक्षय मरांडी, गिरिडीह से सुभाष चंद्र, देवघर से नीरज कुमार तथा गोड्डा से सर्वोत्तम ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई। उप महासचिव के रूप में मुकेश कुमार झा एवं रंजीत कुमार तथा संगठन सचिव के रूप में सुकुमार महतो एवं रिजवाना फिरदौस को जिम्मेदारी सौंपी गई। क्षेत्रीय सचिव के रूप में रांची से अमित कुमार, सिंहभूम से राहुल कुमार तिवारी, गुमला से नवीन कुमार, पलामू से जय प्रकाश पासवान, हजारीबाग से कुमार आशुतोष, गिरिडीह से गौतम कुमार, देवघर से बिश्वनाथ महतो तथा गोड्डा से सिनू कुमारी को जिम्मेदारी दी गई। अधिवेशन में ऑल इंडिया रीजनल रूरल बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के महासचिव ए वेंकेटेश्वर रेड्डी, नेशनल फेडरेशन ऑफ रीजनल रूरल बैंक ऑफिसर्स के संगठन सचिव बी उन्नेयन, उपाध्यक्ष परविंदर सिंह तथा संयुक्त सचिव मिथुन कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर महासचिव ए वेंकटेश्वर रेड्डी ने संगठन की एकजुटता को कर्मचारियों की महत्वपूर्ण ताकत बताते हुए कर्मचारियों के अधिकारों एवं सेवा-संबंधी मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाने पर जोर दिया।

एसपी ने 276 पुलिस पदाधिकारियों व जवानों का किया तबादला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। जिला में विधि-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसपी ने महकमे में व्यापक स्तर पर फेरबदल किया है। एसपी कार्यालय द्वारा जारी आदेशों के तहत पुलिस निरीक्षक, पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, हवलदार और आरक्षी स्तर के कुल 276 पुलिसकर्मियों का तत्काल प्रभाव से तबादला व नवीन पदस्थापन किया गया है। जारी आदेश के अनुसार पुलिस केंद्र में पदस्थापित पुलिस निरीक्षक बाबू बंशी साव को खूंटी का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं पुलिस निरीक्षक परशुराम पासवान को तोरपा अंचल और अनिल उरांव को खूंटी अंचल के पुलिस निरीक्षक पद पर पदस्थापित किया गया है। एक अन्य आदेश में 14 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। पुअनि अनिल कुमार सिंह को मुरहू थाना और पुअनि जय कुमार को खूंटी थाना भेजा गया है। सअनि लालजी यादव को तोरपा थाना, अमित भूषण कुजूर को तपकारा थाना तथा किरीटी भूषण महतो को मुरहू थाना भेजा गया है। महिला सअनि मंजु लकड़ा को खूंटी थाना से हिन्दी शाखा में पदस्थापित किया गया है। एसपी कार्यालय से जारी एक विस्तृत आदेश के तहत जिला बल (डीएपी) के 247 हवलदारों एवं आरक्षियों की नई प्रतिनियुक्ति की गई है। इनमें बड़ी संख्या में जवानों को विभिन्न थानों (खूंटी, तोरपा, कर्रा, रनिया, तपकारा, जरियागढ़) के रिजर्व गार्ड, उप-कारा सुरक्षा, व्यवहार न्यायालय, लोधमा पिकेट तथा वीआईपी व प्रशासनिक आवास सुरक्षा में तैनात किया गया है।

इसके अलावा पूर्व के आदेश में 12 आरक्षियों को विभिन्न अंचलों व एसडीपीओ कार्यालयों में भेजा गया था। एसपी ने सभी स्थानांतरित पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे आदेश निर्गत होने के अविलंब/24 घंटे के भीतर अपने नवपदस्थापन स्थल पर योगदान देकर अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित करें।

जदयू विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के पुस्तकालय सह सभाकक्ष में जदयू विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह डुमरांव विधायक राहुल कुमार सिंह का अधिवक्ताओं ने भव्य स्वागत किया। अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता सरकारी अधिवक्ता वृजा प्रसाद ने की, जबकि संचालन अधिवक्ता अमित कुमार ने किया। अधिवक्ताओं ने विधायक को साल, बुके एवं माला पहनाकर स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक राहुल कुमार सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने संपर्क अभियान की शुरुआत औरंगाबाद जिले से की है और अधिवक्ताओं के स्वागत से वे अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों और उनके हाथों को मजबूत करने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी अधिवक्ताओं के हित में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद में मोटर दुर्घटना वाद एवं बिजली संबंधी मामलों की सुनवाई गया जिले में होती है। इस समस्या को विधानसभा में उठाया जाएगा। वेलफेयर स्टांप, मेडिकल क्लेम और अधिवक्ताओं की सुरक्षा जैसे विषयों पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने सभी जिलों के विधि प्रकोष्ठ से संपर्क कर संगठन को मजबूत बनाने की बात कही।

अधिवक्ताओं ने जल्द से जल्द जदयू विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के मनोनयन की मांग की, ताकि जिले में संगठन को और मजबूती मिल सके। मौके पर स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता, एपीपी शिवपूजन प्रजापति, यमुना प्रसाद, इरशाद आलम, श्यामनंदन तिवारी, राजेश्वर मेहता, पूर्व सचिव नागेंद्र सिंह, अवधेश पासवान, हरिनाथ उपाध्याय, रामप्रवेश मेहता, शंभू मेहता, जदयू जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, रवि सिंह राजपूत, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही, रामानुज सिंह, विजय चंद्रवंशी, मो. अली सहित अन्य अधिवक्ता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय की मनाई गई 110 वीं जयंती

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जन्म जयंती मनाया गया। भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष श्याम कुमार पाठक ने अध्यक्षता की। उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए श्री पाठक ने कहा कि भारतीय जन संघ से भारतीय जनता पार्टी तक के राष्ट्र प्रथम, मानव एकात्मवाद के राष्ट्र विचारधारा को लेकर चले। इनके विचार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल्याणकारी योजनाओं के जरिये जन-जन तक पहुंचाने के लिए अनेकों योजना चला रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नगर उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, रंजीत कांस्यकार, महामंत्री प्रहलाद कांस्यकार, पिंटू यादव, अनूप मनोहर, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष संजय पासवान, किसान मोर्चा अध्यक्ष गुड्डू यादव, राजन आर्य, वेद आर्य, सोनू चंद्रवंशी, ओम प्रकाश यादव, सनी यादव सहित सदस्यों ने पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया।

त्योहार में घर जाना होगा आसान, रांची-अलीपुरद्वार के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेनः जानें, टाइमिंग और स्टॉपेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। दुर्गा पूजा और फेस्टिव सीजन में ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने रांची और अलीपुरद्वार के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ट्रेन संख्या 08661/08662 रांची-अलीपुरद्वार-रांची पूजा स्पेशल का परिचालन 12 अक्टूबर से शुरू होगा। यह ट्रेन रांची से हर सोमवार और अलीपुरद्वार से हर बुधवार चलेगी।

रांची से अलीपुरद्वार जाने वाली ट्रेन संख्या 08661 12 अक्टूबर से 9 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को रात 11 बजकर 25 मिनट पर रवाना होगी। निर्धारित रूट से होते हुए यह ट्रेन तीसरे दिन सुबह 4 बजे अलीपुरद्वार पहुंचेगी। वहीं, वापसी में ट्रेन संख्या 08662 अलीपुरद्वार-रांची पूजा स्पेशल 14 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी। अलीपुरद्वार से यह ट्रेन सुबह 7 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर रांची पहुंचेगी।

इस स्पेशल ट्रेन का फायदा सिर्फ रांची के यात्रियों को ही नहीं, बल्कि रास्ते में पड़ने वाले कई स्टेशनों के यात्रियों को भी मिलेगा। रांची मंडल क्षेत्र में ट्रेन का ठहराव मुरी, झालदा, कोटशिला और बोकारो स्टील सिटी में दिया गया है। यानी इन स्टेशनों से भी यात्री पूजा के दौरान अलीपुरद्वार और उत्तर बंगाल के आसपास के इलाकों की यात्रा कर सकेंगे।

दरअसल, दुर्गापूजा और त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में नियमित ट्रेनों में भीड़ बढ़ने की स्थिति में पूजा स्पेशल यात्रियों के लिए एक अतिरिक्त विकल्प होगी। इससे त्योहार में घर जाने वाले लोगों के साथ छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे यात्रियों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (4), पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा। **क्रम सं. 1, ई-निविदा सं.: 227_2026-27 वरिष्ठ डीईएन/4/ एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : हावड़ा मंडल में सेक्शनिंग व्यवस्था के सुधार के लिए विभिन्न यार्ड, साइडिंग में सीबी का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु.88,94,619.03, **बयाना राशि :** रु.1,77,900/-, **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। **क्रम सं. 2, ई-निविदा सं.:228_2026-27 वरिष्ठ डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : एसएसई/डब्ल्यू/बोलपुर शांतिनिकेतन और एसएसई/डब्ल्यू/रामपुरहाट के खंड में विभिन्न लेवल क्रॉसिंग गेटों पर नॉन-स्टैंडर्ड हाइट गेज के स्थान पर स्टैंडर्ड हाइट गेज का प्रावधान और एईएन/बोलपुर शांतिनिकेतन एवं एईएन/रामपुरहाट के अधीन सीमित ऊँचाई के सबवे के हाइट गेज का मानकीकरण, **अनुमानित मूल्य:** रु.4,30,08,967.08, **बयाना राशि:** रु.8,60,200/-, **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 08 (आठ) माह। **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)**: शून्य (प्रत्येक हेतु)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय**: दिनांक 15.10.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के जरिए स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी**: आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-352/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

समस्तीपुर में फिर छात्रा के साथ बदसलूकी

तीन दिनों में तीसरा वीडियो वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले में नाबालिग युवतियों से मारपीट और बदसलूकी से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले तीन दिनों के भीतर जिले से ऐसा तीसरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। नया मामला जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में कुछ लोग एक नाबालिग लड़की को घेरकर उसके साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में लोगों को लड़की का दुपट्टा खींचते और उसका हाथ मरोड़ते हुए भी देखा जा रहा है। वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल है। मामले को लेकर समस्तीपुर के पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने कहा कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वीडियो कल्याणपुर थाना क्षेत्र का ही है या किसी दूसरे स्थान का। बताया जा रहा है कि जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। सबसे पहले बुधवार देर रात कपूरीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर से एक युवती के साथ कथित बदसलूकी का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई की थी। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके करीब 16 घंटे बाद मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के लाटबसेपुरा गांव से युवक और युवती के साथ मारपीट और बदसलूकी का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस मामले में भी पुलिस ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। अन्य लोगों की तलाश जारी है। अब तीसरा वायरल वीडियो जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र का बताते हुए सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है। वीडियो में एक लड़की को कुछ लोगों ने घेर रखा है और उसके साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो कब का है और घटना वास्तव में कहां की है,

पेट्रोल छिड़ककर युवक को जलाने का प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। चौक थाना क्षेत्र स्थित पूर्व दरवाजा मोड़ पर शुक्रवार रात कर्ज के रुपये को लेकर दो युवकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की गई। इस घटना में 31 वर्षीय आशुतोष उर्फ आशु राज झुलस गया। वहीं, मौके पर मौजूद 40 वर्षीय उदय राय भी पेट्रोल की चपेट में आने से झुलस गए। दोनों घायलों का इलाज नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है।

घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि कैमाशिकोह निवासी उपेंद्र ने आशुतोष उर्फ आशु राज को कुछ वर्ष पहले कर्ज दिया था। शुक्रवार रात उपेंद्र कर्ज की रकम वापस मांगने के लिए आशुतोष के पास पहुंचा था। इसी दौरान दोनों के बीच रुपये को लेकर बातचीत शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। आरोप है कि कर्ज की रकम तत्काल नहीं लौटाने पर उपेंद्र गुस्से में आ गया और उसने आशुतोष पर पेट्रोल छिड़क दिया। इसके बाद उसे आग लगाने की कोशिश की गई। आग की चपेट में आने से आशुतोष झुलस गया।

घटना के दौरान कैमाशिकोह मोड़ के पास मंचूरियन लेने पहुंचे 40 वर्षीय उदय राय भी पेट्रोल की चपेट में आ गए। इससे वह भी झुलस गए। अचानक हुई इस घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। शुरूआत में दोनों को पटना सिटी स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया। बाद में दोनों को बेहतर इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। चौक थानाध्यक्ष राज किशोर प्रसाद भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

'ओपन हाउस' संवाद में सीजेआई बोले

पुलिस की कठोर कार्रवाई पर अदालतें आंखें नहीं मूंदेंगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि इस अधिकार के उल्लंघन से जुड़े मामले अदालत के सामने आते हैं तो न्यायपालिका आंखें नहीं मूंदेगी।

सीजेआई पटना स्थित चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने छात्रों के साथ पहली बार 'ओपन हाउस' संवाद किया। उन्होंने कहा कि वह छात्रों के साथ औपचारिक कार्यक्रम के बजाय बेबाक सवाल-जवाब करना पसंद करेंगे।

'ओपन हाउस' संवाद के दौरान एक छात्रा ने शांतिपूर्ण छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की प्रतिक्रिया को लेकर सवाल किया। इस पर सीजेआई ने कहा कि पुलिस की कथित कठोर कार्रवाई से जुड़े मामलों में अदालतें आंखें नहीं मूंदेंगी।

उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता दोहराई।

बातचीत के दौरान एक छात्र ने सीजेआई से पूछा कि कॉलेजियम के भीतर असहमति से जुड़े विचारों को दर्ज तो किया जाता है, लेकिन उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी जानकारी का खुलासा, भले ही उसका उद्देश्य अच्छा हो, संबंधित व्यक्ति को मुश्किल स्थिति में डाल सकता है। उ

न्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति की गरिमा का सवाल हो तो पारदर्शिता की भी एक सीमा होती है। सीजेआई ने सवाल किया कि यदि कॉलेजियम की कार्यवाही में किसी मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश के बारे में नकारात्मक टिप्पणी दर्ज हो और वह सार्वजनिक हो जाए, तो वह अपने पद पर किस तरह काम कर पाएगा।

सीजेआई सूर्यकांत ने सीएनएलयू के कुलपति और वरिष्ठ विधिवेत्ता फैजान मुस्तफा के उस प्रस्ताव की भी सराहना की, जिसमें पांच साल की लॉ डिग्री को चार साल की अकादमिक पढ़ाई और अंतिम वर्ष में अनिवार्य कोर्ट अप्रेंटिसशिप के साथ पूरा करने की बात कही गई है।

सीजेआई ने इस प्रस्ताव को 'नई और स्वागत योग्य सोच' बताया। उनके अनुसार, इस व्यवस्था से न्यायिक सेवा परीक्षाओं के लिए अलग से एक साल की प्रैक्टिस की आवश्यकता को खत्म करने में मदद मिल सकती है।

सीजेआई सूर्यकांत के साथ पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव भी सीएनएलयू पहुंचे। वह विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं।

नदी में कूदा आर्म्स एक्ट का आरोपित, लापता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जगदीशपुर थाना क्षेत्र में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया आर्म्स एक्ट का आरोपी पुलिस की पकड़ से निकलकर चांदन नदी की तेज धार में कूद गया आरोपी के नदी में छलांग लगाते ही पुलिसकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। जानकारी के अनुसार, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मोतहदीपुर गांव निवासी संतोष यादव को पुलिस ने हथियार के साथ पकड़ा था। पुलिस के मुताबिक, उसके पास से एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम उसे लेकर चांदन नदी के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान आरोपी अचानक सिपाही के साथ ही नदी की उफनती धार में कूद गया।

पत्नीहंता सहित दो गिरफ्तार

रोहतास। जिले से प्रेम प्रसंग में एक नाबालिग युवती की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बड्डी थाना क्षेत्र के डूमरखोह जंगल स्थित एक कुएं से पुलिस ने नाबालिग युवती का शव बरामद किया है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि बड्डी थाना क्षेत्र के बिश्रामपुर गांव निवासी फिल्म बिंद के 20 वर्षीय पुत्र पिंकू बिंद ने करीब तीन महीने पहले बिक्रमगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग लड़की से शादी की थी। चूंकि लड़की नाबालिग थी, इसलिए पिंकू बिंद पुलिस और समाज के डर से उसे अपने साथ लेकर डूमरखोह जंगल में चोरी-छिपे रहने लगा।

जसुपा प्रत्याशी ने टिकट नकारा

मुजफ्फरपुर। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में जन सुराज के प्रत्याशी उम्मीदवार भूषण कुमार झा के बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया है। भूषण झा ने 25 सितंबर को शहर के एक होटल में प्रशांत किशोर की मौजूदगी में हुई बैठक के बाद जन सुराज छोड़कर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का एलान किया है। उन्होंने बैठक के दौरान अपने और समर्थक शिक्षकों के साथ कथित व्यवहार को लेकर कई आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि पार्टी ने उन्हें एक दिन पहले ही टिकट दिया था। वहीं, जन सुराज की ओर से बताया गया है कि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए नए प्रत्याशी के नाम की जल्द घोषणा की जाएगी। भूषण झा आज की बैठक में तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार के रूप में आमंत्रित किए गए थे। उनके साथ करीब एक दर्जन शिक्षक साथी भी बैठक में पहुंचे थे। भूषण झा का आरोप है कि बैठक के दौरान जब उन्होंने अपनी बात रखनी शुरू की तो उनके समर्थक शिक्षकों को रिकॉर्डिंग करने से रोक दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनका वक्तव्य मीडिया तक नहीं पहुंचने देने का प्रयास किया गया।

विवि की वेबसाइट पर चलने लगा अश्लील वीडियो, हड़कम्प

छपरा। जय प्रकाश विश्वविद्यालय की वेबसाइट शुक्रवार की रात अचानक विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए चौंकाने वाला अनुभव बन गई। वेबसाइट पर क्लिक करते ही वेबसाइट अपने आप आगे बढ़ने लगी और इसी दौरान स्क्रीन पर अश्लील फिल्म की साइट भी दिखाई देने लगी। करीब 1 मिनट 31 सेकंड तक चलने वाले इस क्रम में आपत्तिजनक वीडियो सामने आता रहा। वेबसाइट खोलने वाले कई विद्यार्थियों ने इसकी जानकारी एक-दूसरे को दी तो मामला विभिन्न वाट्सएप ग्रुपों तक पहुंच गया। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया।

बिहार में जारी रहेगा बारिश का झोंका

पटना। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना ने राज्य के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज जिलों में मेघगर्जन और वज्रपात के साथ अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। इन इलाकों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं (झोंके) चल सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार मुजफ्फरपुर, पटना, शिवहर, सीतामढ़ी, सीवान और वैशाली जिलों में भारी वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान कैमूर (भभुआ) में 31.6त्ड दर्ज हुआ, वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान वाल्मीकिनगर (पश्चिम चंपारण) में 21.0त्ड रहा। भोजपुर जिले में सबसे तेज 68 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा दर्ज की गई।

महाजाम में रेंगती रही गाड़ियां

मुंगेर। मुंगेर-भागलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह एक बार फिर यात्रियों और वाहन चालकों के लिए आफत भरी साबित हुई। तेलिया तालाब से लेकर बरियारपुर तक सड़क पर करीब 10 किलोमीटर लंबा महाजाम लग गया। शुक्रवार की रात 10 बजे से शुरू हुआ यह गतिरोध शनिवार की सुबह 9 बजे तक यानी लगातार 11 घंटे बीत जाने के बाद भी पूरी तरह समाप्त नहीं हो सका। इस दौरान लंबी दूरी की बसें, कारें, एंबुलेंस और मालवाहक ट्रकों समेत सैकड़ों गाड़ियां सड़क पर फंसी रहीं और यात्री पूरी रात भूखे-प्यासे गाड़ियों में ही कैद रहने को विवश हुए। घटना की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस और बरियारपुर थाने की पुलिस देर रात से ही मोर्चा संभालकर सड़क पर उतर आई। यातायात पुलिस के जवान शिव कुमार ने बताया कि रेलवे पुल पर फिलहाल वाहनों का परिचालन 'वन-वे' (एक तरफा) रखा गया है। दोनों तरफ से एक साथ वाहनों के आ जाने के कारण पुल के संकरे हिस्से पर भारी दबाव बन गया, जिसने धीरे-धीरे 10 किलोमीटर लंबे जाम की शक्ल ले ली।

17 पोलों से 11 हजार वोल्ट के तार की चोरी

सिकंदरा । थाना क्षेत्र अंतर्गत पोहे रोड में बेखौफ चोरों ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बड़ा झटका देते हुए भीषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। अज्ञात चोरों के गिरोह ने अलग-अलग स्थानों पर लगे 17 बिजली पोलों से 11 हजार वोल्ट क्षमता का एल्युमिनियम तार काटकर गायब कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में बिजली आपूर्ति चरमराने के साथ-साथ आम जनमानस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष और दहशत व्याप्त है।

दुकान से गांजा बरामद

आरा। जिले में किराना दुकान की आड़ में गांजा की खरीद-बिक्री किए जाने का पुलिस ने राजफाश किया है। पीरो थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मनैनी छलका स्थित एक किराना दुकान में छापेमारी कर आठ किलो 760 ग्राम गांजा बरामद किया। मौके से डिजिटल तराजू व मोबाइल भी मिला। पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित सिकरहटा थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव निवासी अमित ठाकुर है। इसकी जानकारी पीरो एसडीपीओ कन्हैया कुमार ने शनिवार को प्रेस वार्ता में दी।उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मनैनी छलका स्थित अमित ठाकुर की किराना दुकान में गांजा छिपाकर उसकी खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद एसपी अवधेश दीक्षित के निर्देश पर एसडीपीओ कन्हैया कुमार के नेतृत्व में पीरो अंचलाधिकारी व पुलिस बल की टीम ने दुकान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान आठ किलो 760 ग्राम गांजा, एक डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक तराजू और मोबाइल बरामद हुआ।

पूछताछ में अमित ने पुलिस को बताया कि वह सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी एक व्यक्ति से गांजा लेकर करीब दो वर्षों से उसकी खरीद-बिक्री कर रहा था।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह भारत के आर्थिक सुधारों के प्रणेता : विजय कुमार मिट्टू

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनायी जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। महान अर्थशास्त्री,भारत के आर्थिक सुधारों के प्रणेता कहे जाने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की जयंती गयाजी के स्थानीय चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल प्रांगण में कॉंग्रेस पार्टी के तत्वाधान में मनाई गई।

सर्वप्रथम डॉक्टर मनमोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर उपस्थित बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, इंटक जिला महासचिव टिंकू गिरी, शिव कुमार चौरसिया, प्रद्युम्न दुबे, कमलेश चंद्रवंशी, रूपेश चौधरी, अशोक राम आदि ने कहा कि डॉक्टर मनमोहन सिंह अर्थशास्त्र के विश्व स्तरीय विद्वान, प्रोफेसर, रिजर्व बैंक के गवर्नर, केंद्रीय वित्त मंत्री तथा देश के 10 वर्षो तक प्रधानमंत्री रहने वाले ऐसे सख्त थे जिन्होंने आजीवन भारत को आर्थिक सुधारों की ओर बढाने का काम किए, तथा आज भी देश उन्हीं के बताए रास्ते पर चल रहा है।

नेताओं ने कहा कि उनके प्रधानमंत्री रहते, भाजपा गठबंधन के नेताओं ने उन पर तरह-तरह के मनगढ़ंत, गलत बातें कह उनके बारे में जनता के बीच गलतफहमी फैलाने तथा सी ए जी द्वारा गलत मुकदमा में नाम डालने का काम किया था, परंतु इनके मृत्यु के पश्चात उच्चतम न्यायालय द्वारा पर इन पर लगाए गए सभी इल्जाम से बेदाग साबित हुए।

,नेताओं ने कहा कि इधर कुछ दिनों पहले विश्व के 50 ईमानदार नेताओं की सूची में भारत के एक मात्र नेता पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का ही नाम शामिल हैं, जिस पर हर भारतीय को गर्व होनी चाहिए। नेताओं ने देश के रिजर्व बैंक भवन एवं नीति आयोग भवन के साथ-साथ सभी अर्थशास्त्र के संस्थानों में डॉक्टर मनमोहन सिंह की प्रतिमा लगाने की मांग सत्कार से किया है।

सामूहिक दुष्कर्म की पीड़िता ने तोड़ा दम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। पालकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव में करमा पर्व के दौरान सामूहिक दुष्कर्म और मारपीट की शिकार हुई नाबालिग आदिवासी किशोरी की शनिवार सुबह रांची स्थित रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के पिता के बयान के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली और मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित नाबालिग बुधवार को तपकारा गांव में करमा पर्व के सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक नाच-गान में शामिल होने के लिए गई हुई थी। इसी दौरान अज्ञात युवकों ने जबरन उसका अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद आरोपितों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य वारदात को अंजाम दिया। दुष्कर्म करने के पश्चात आरोपितों ने युवती के साथ बेरहमी से मारपीट की और उसकी हत्या करने का प्रयास करते हुए उसे गंभीर स्थिति में छोड़ दिया। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि गुरुवार की शाम को नाबालिग युवती अपने घर के बाहर अत्यंत गंभीर हालत में पड़ी हुई मिली थी। परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए कोलेबिरा अस्पताल लेकर गए। वहां उपस्थित डॉक्टरों ने पीड़िता की नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिमडेगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद, बेहतर इलाज की उम्मीद में उसे गुमला सदर अस्पताल और अंततः रांची स्थित रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। रांची रिम्स में शनिवार सुबह इलाज के दौरान नाबालिग युवती ने दम तोड़ दिया।

जगह-जगह गिरे पेड़, यातायात व बिजली बाधित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। देर रात से शुरू हुई तेज बारिश और आंधी ने शहर की व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के बीच कई इलाकों में विशाल पेड़ सड़कों पर गिर गए। इससे प्रमुख मार्गों पर आवागमन बाधित हो गया। वहीं, पेड़ों के गिरने और बिजली के तार व व्यवस्था प्रभावित होने से कई मोहल्लों में घंटों बिजली गुल रही।

बिजली आपूर्ति ठप होने से पेयजल संकट भी गहरा गया और लोग पानी के लिए परेशान रहे।मॉडल थाना के समीप बक्सर होटल के सामने देर रात एक विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नाला निर्माण के लिए सड़क किनारे गड्ढे खोदे गए थे, जिससे पेड़ की जड़ें कमजोर हो गई थीं। इसी दौरान तेज हवा और बारिश के कारण पेड़ गिर गया। राहत की बात रही कि घटना देर रात हुई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। इसी तरह पुराना थाना क्षेत्र में महिला थाना, साइबर थाना और अनुसूचित जाति-जनजाति थाना की ओर जाने वाले गोला बाजार रोड पर भी विशाल पेड़ गिर गया। इससे वाहनों के साथ पैदल राहगीरों की आवाजाही प्रभावित हुई। सिविल लाइन मोहल्ले में जज आवास के समीप चिलबिली का विशाल पेड़ सड़क पर गिर पड़ा। इससे आवागमन बाधित हो गया। पेड़ गिरने के कारण आसपास की बिजली व्यवस्था भी प्रभावित होने की सूचना है।

आंधी-बारिश से शहर के कई मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बाधित रही जिससे घरों में मोटर नहीं चल सकी, जिसके कारण पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई। सुबह होते ही कई इलाकों में लोग बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल होने का इंतजार करते नजर आए। खराब मौसम से यातायात और बिजली प्रभावित होने के बाद लोगों ने सड़कों पर गिरे पेड़ों को जल्द हटाने और बिजली आपूर्ति शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

अस्पताल में लगी आग, अफरातफरी

दरभंगा। डीएमसीएच के एमसीएच (मदर चाइल्ड अस्पताल) में शुक्रवार आधी रात को आग लगने अफरा-तफरी मच गई। शाट सर्किट से बिजली तारों से निकली चिंगारी और धमाके की आवाज से दहशत में आई प्रसूता नवजात को गोद में लेकर भागने लगी। वार्ड में दमघोंटू धुआं भरने से मरीजों, स्वजन और स्वास्थ्य कर्मी घबरा गये। हालांकि, हादसे की जानकारी पर पहुंचे अस्पताल उपाधीक्षक डा. अमित कुमार झा एवं सुरक्षा सुपरवाइजर महेश सिंह ने गार्डो, नर्सिंग स्टाफ और स्थानीय लोगों की सहायता से स्थिति को नियंत्रित कर वार्ड में भर्ती मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद आनन-फानन में सभी महिला मरीजों को न्यू सर्जरी ब्लाक के ग्राउंड फ्लोर में शिफ्ट किया। आपरेट मरीजों को ट्रायज एरिया और सीसीडब्यू में भर्ती किया गया। साथ ही अग्निशमन विभाग के वाहनों के पहुंचने से ही कर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू कर लिया। बताया जाता है कि एमसीएच के ग्राउंड फ्लोर में शुक्रवार रात करीब 12 बजे अचानक विद्युत पैनल में धमाके की आवाज हुई।

36.50 करोड़ की लागत से बनीं गंगा नहर योजना ट्रायल में ही फेल

16 अप्रैल 1994 को हुई थी योजना की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। जिले के सूर्यगढ़ा प्रखंड स्थित हैवतगंज गंगा पंप नहर योजना 32 साल बाद भी किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचा सकी है। करीब 36.50 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद योजना का अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिला। वर्ष 2018 में 11.50 करोड़ रुपये से कराए गए जीर्णोद्धार के बाद ट्रायल में ही केनाल में रिसाव और टूटने की समस्या सामने आ गई थी। अगस्त 2022 में दोबारा टेस्टिंग के दौरान पानी हुसैना गांव के तीसरे आरडी तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद फिर रिसाव शुरू हो गया। अब 23 सितंबर को जदयू नेताओं और स्थानीय प्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी से मिलकर योजना को नए सिरे से बनाने की मांग की है।

किसानों के खेतों तक गंगा का पानी पहुंचाने के उद्देश्य से 16 अप्रैल 1994 को तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने हैवतगंज गंगा पंप नहर योजना की शुरूआत की थी।

करीब नौ किलोमीटर लंबे केनाल से 3,500 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई का लक्ष्य रखा गया था। योजना की मूल लागत करीब 25 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके बाद वर्ष 2018 में जीर्णोद्धार के लिए 11.50 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए। इसमें 10 करोड़ रुपये केनाल की मरम्मत और 1.50 करोड़ रुपये मोटर-पंप के लिए थे। इस हिसाब से योजना पर करीब 36.50 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी खेतों तक पानी नहीं पहुंच सका।

वर्ष 2018 में जीर्णोद्धार के बाद पंप का ट्रायल किया गया। करीब आधे घंटे पानी छोड़े जाने के बाद ही केनाल में पानी के दबाव से रिसाव और टूटने की समस्या सामने आने लगी। किसानों ने मरम्मत के दौरान ही पुराने केनाल को नए सिरे से बनाने की मांग की थी, लेकिन मरम्मत कर योजना को चालू करने का प्रयास किया गया, जो विफल रहा।

देवांशु ने बनाया पर्यावरण फ्रेंडली एसी

स्टार्टअप से जुटाये 4.5 मिलियन डालर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आए दिन देशभर में एसी ब्लास्ट होने, जलने और अन्य कारणों से जनधन हानि का समाचार देखने-सुनने को मिलता रहता है। अब ऐसा नहीं होगा। धनबाद की माटी से निकले युवा उद्यमी देवांशु मिश्रा ने भारतीय स्टार्टअप जगत में सफलता की नई इबारत लिखी है।

कूलिंग सेक्टर में ऐसा स्टार्टअप खड़ा कर दिया है जो पर्यावरण फ्रेंडली होने के साथ हाईटेक भी है। देवांशु की क्लाइमेट-टेक एवं आइओटी (इंटरनेट आफ थिंग्स) आधारित कंपनी सिरकोलाइफ ने राष्ट्रीय विस्तार की योजना को गति देने के लिए प्री-सीरीज फंडिंग राउंड में 40.45 करोड़ रुपये (4.5 मिलियन डालर) जुटाए हैं।

यह कंपनी पर्यावरण सुरक्षा से लैस एसी बनाती है। यह सामान्य पांच स्टार एसी की तुलना में भी 20 प्रतिशत कम बिजली की खपत करता है। एसी में इंटेलिजेंट सेंसर्स लगे हैं और यह वाईफाई से कनेक्ट रहता है। अगर एसी में गैस लीक या सर्विस जैसी कोई समस्या आती है तो इसकी जानकारी खुद ब खुद कंपनी को मिल जाती है और उनके प्रतिनिधि आकर सर्विस कर देते हैं। एसी में स्वयं की सेल्फ क्लीनिंग यानी साफ करने का फीचर है। जिसे अपनी सुविधा अनुसार प्रतिदिन या सप्ताह में दो दिन सेट कर सकते हैं।

इसमें तापमान लाक करने की सुविधा है। उदाहरण के लिए यदि आप दुकान या आफिस में तापमान 22 डिग्री सेंटीग्रेड पर लाक कर देते हैं तो कोई भी उसे 22 डिग्री से नीचे नहीं कर पाएगा। कंपनी इन एसी को बेचने के बजाय सब्सक्रिप्शन (किराए-प्लान) पर देती है। सबसे महत्वपूर्ण है कि एसी की लाइफ (समय-सीमा) खत्म होने पर कंपनी इसे वापस ले लेती है और री-सायकल करती है ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। देवांशु के अनुसार सिरकोलाइफ अपनी तकनीकी क्षमता आइओटी आधारित प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस सिस्टम से मजबूत कर रही है। प्रत्येक यूनिट में लगे सेंसर तापमान, बिजली की खपत और गैस प्रेशर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों को रियल टाइम में ट्रैक करते हैं। जुटाए गए फंड का उपयोग इंटेलिजेंट एसी डिलीवरी फ्लीट का विस्तार करने और एआइ पावर्ड आइओटी तकनीक को मजबूत करने में होगा।

आपणो घर सरायढेला निवासी देवांशु ने धनबाद पब्लिक स्कूल से स्कूली शिक्षा लेने के बाद धनबाद के ही फोकस इंस्टीट्यूट से आइआइटी जेईई की तैयारी की। देवांशु ने 2018 में देश के प्रतिष्ठित संस्थान आइआइटी रुड़की से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया।

कालेज के पहले ही दिन से उनके भीतर एंटरप्रेन्योरशिप का जुनून सवार था। अपने प्रथम वर्ष में ही कैंपस में आइआइटी रुड़की टी-शर्ट्स वेंचर के साथ कारोबारी शुरूआत की। द्वितीय वर्ष में एडटेक क्षेत्र में कदम रखा और अनअकेडमी की शुरूआती कोर टीम के साथ जुड़े।

तीसरे वर्ष में संस्थान में ही इनक्यूबेटेड होम आटोमेशन कंपनी एवा की स्थापना की और तीन साल तक इसे सफलतापूर्वक चलाया। इसके बाद पालीकैब में तीन साल तक होम आटोमेशन बिजनेस का नेतृत्व किया और फिर आइसीआइसीआइ बैंक में 12 महीने बतौर प्रोडक्ट मैनेजर सेवाएं दीं।

देवांशु ने बताया कि लगभग तीन वर्ष पहले अभिषेक मुरारका और तुषार पाटिल के साथ सह-स्थापित यह कंपनी बिजनेस और कामर्शियल आउटलेट्स को आइओटी इनेबल्ड, ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनर सब्सक्रिप्शन माडल पर उपलब्ध कराती है। सब्सक्रिप्शन आधारित माडल से व्यवसायियों को एयर कंडीशनिंग सिस्टम खरीदने और उसके रखरखाव की जटिलताओं से राहत देने का प्रयास कर रही है। ग्राहक मासिक शुल्क के आधार पर सेवा का उपयोग करते हैं। यूनिट्स के रखरखाव और प्रदर्शन की जिम्मेदारी कंपनी संभालती है।

चलती ऑटो में छात्रा से छेड़खानी, लगायी छलांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आरा-सलेमपुर मार्ग पर महुली-बलुआ छलका के समीप शनिवार को चलते ऑटो में एक छात्रा से छेड़खानी का मामला सामने आया। आरोप है कि ऑटो चालक की हरकत से परेशान होकर छात्रा ने अपनी आबरू बचाने के लिए चलती ऑटो से छलांग लगा दी।इस घटना में छात्रा के सिर में हल्की चोट आई है। सूचना मिलने के बाद डायल-122 की टीम मौके पर पहुंची और आरोपित चालक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बखरिया गांव निवासी विजय कुमार चौरसिया उर्फ मस्तो के रूप में हुई है।

छात्रा के बयान पर उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ऑटो को जब्त कर छानबीन की जा रही है। छात्रा स्नातक की पढ़ाई कर रही है। वह शनिवार को धोबहा बाजार से कंप्यूटर क्लास करने के बाद ऑटो से अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान आरा-सलेमपुर मार्ग पर महुली-बलुआ छलका के समीप चालक ने उसके साथ कथित तौर पर छेड़खानी शुरू कर दी।

छात्रा ने इसका विरोध किया, लेकिन चालक की हरकत जारी रहने पर उसने बचने के लिए चलते ऑटो से छलांग लगा दी। ऑटो से कूदने के बाद छात्रा सड़क पर गिर गई, जिससे उसके सिर में हल्की चोट आई। इसके बाद उसने मामले की जानकारी अपने स्वजन और पुलिस को दी।

बच्चों की पढ़ाई में सहभागी बनने की शिक्षा मंत्री की अपील

अभिभावकों से सीधी बात में बोले-बच्चों की पढ़ाई और सीखने की प्रक्रिया में नियमित सहभागी बनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने अभिभावकों से कहा कि सिर्फ बच्चों को स्कूल भेज देने से आपकी ड्यूटी खत्म नहीं हो जाती। बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में अभिभावकों की नियमित भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभिभावक बच्चों की पढ़ाई पर नजर रखें, उनसे संवाद करें और उनकी समस्याओं को समझें। स्कूल और परिवार के बीच बेहतर तालमेल से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। शनिवार को दानापुर के रामजीचक स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में 'मेरे सपनों का भारत : सेवा चित्र' राज्यव्यापी अभियान और अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी के बाद शिक्षा मंत्री ने विद्यालय पहुंचे अभिभावकों से सीधी बात की। उन्होंने एक-एक कर उनकी समस्याओं को जाना और समाधान का भरोसा दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अभिभावक बच्चों की पढ़ाई को स्कूल की जिम्मेदारी न समझें। घर में भी बच्चों के सीखने के लिए सकारात्मक माहौल बनाएं। बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में बात करें और किसी तरह की परेशानी होने पर शिक्षकों से संवाद करें। शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में लगी 'मेरे सपनों का भारत : सेवा चित्र' प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाई गई विभिन्न कलाकृतियों को देखा और उनकी रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों की कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को मजबूत करती हैं। कार्यक्रम के दौरान श्री तिवारी ने बच्चियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हैमिल्टन में विकसित भारत रन में शामिल हुए डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में भारतीय समुदाय और भारत के मित्रों को फिटनेस, सामुदायिक एकता और सेवा की भावना से जोड़ने के उद्देश्य से 'विकसित भारत रन 2026सेवा पखवाड़ा' का आयोजन किया गया। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की उपस्थिति में भारत के महावाणिज्य दूतावास, ऑकलैंड की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के 100 से अधिक सदस्यों के साथ स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में भारत के महावाणिज्यदूत डॉ. मदन मोहन सेठी और काउंसल संजीव कुमार भी शामिल हुए और समुदाय के सदस्यों के साथ रन में भाग लिया। लेक कैनुई, 421ए लेक रोड, हॉर्शम डाउन्स, हैमिल्टन में दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक आयोजित रन के दौरान मौसम बादलों से घिरा रहा और बारिश की संभावना भी बनी रही। इसके बावजूद प्रतिभागियों का उत्साह कम नहीं हुआ। भारतीय समुदाय के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी अलग-अलग समूहों में और अलग-अलग समय पर रन में हिस्सा लिया। इससे पूरा आयोजन जीवंत सामुदायिक कार्यक्रम में बदल गया। कार्यक्रम ने लोगों को रोजमर्रा की व्यस्तताओं से अलग एक साथ आने और स्वास्थ्य, एकजुटता तथा सेवा की भावना से जुड़ने का अवसर दिया। सामुदायिक नेताओं और भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों ने भी आयोजन की सफलता में सहयोग किया। बाला भास्कर, डॉ. लक्ष्मी और विनय सहित अनेक सदस्यों ने कार्यक्रम के सुचारु संचालन में योगदान दिया। विकसित भारत रन 2026 ने हैमिल्टन में भारतीय समुदाय की सामूहिक भावना, सद्भावना और सेवा पखवाड़ा की भावना को मजबूत सामुदायिक आयाम प्रदान किया।

महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने किया धनबाद मंडल के विभिन्न कोल साइडिंगों का निरीक्षण

निर्बाध कोल परिवहन हेतु एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग द्वारा शक्तिनगर-कृष्णशिला-महदिया-सिगरौली-ओबरा डैम रेलखंड का एवं विभिन्न कोल साईडिंगो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक द्वारा इस रेलखंड के मध्य स्थित पुल-पुलियों, ओएचई एवं रेलवे ट्रैक का संरक्षा की दृष्टिकोण से जायजा लिया गया। इसके साथ ही महाप्रबंधक द्वारा एनटीपीसी विंध्याचल एवं सिंगरौली के अधिकारियों के साथ सुगम माल परिवहन तथा खदानों से बेहतर रेल कनेक्टिविटी के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक की गयी। महाप्रबंधक द्वारा एनटीपीसी विंध्याचल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध माल परिवहन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में माल ढुलाई की कार्यक्षमता बढ़ाने, परिचालन को सुचारु बनाए रखने तथा सुरक्षित माल परिवहन को और सुदृढ़ करने से जुड़े बिंदुओं पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक द्वारा कृष्णशीला स्टेशन एवं पॉइंट क्रॉसिंग का निरीक्षण कर वहां की परिचालन व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके पश्चात महाप्रबंधक द्वारा महदिया कोल साइडिंग का निरीक्षण किया गया। इस दौरान साइडिंग में माल लदान एवं परिचालन व्यवस्था का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई तथा सुरक्षित एवं सुचारु माल परिवहन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के उपरांत नॉर्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिंगरौली के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोयला परिवहन, माल ढुलाई की सुगमता, परिचालन दक्षता तथा सुरक्षित एवं निर्बाध माल परिवहन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा की गई। महाप्रबंधक द्वारा सिंगरौली स्टेशन का भी निरीक्षण किया गया तथा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्था एवं अन्य संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

दिवंगत रेलकर्मी के आश्रित को तीन दिनों में सेटलमेंट देयकों का भुगतान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग के निर्देश एवं मार्गदर्शन में कार्मिक एवं वित्त विभाग के समन्वित प्रयासों से ड्यूटी के दौरान रन ओवर दुर्घटना में दिवंगत रेलकर्मी के आश्रित परिवार को मात्र तीन दिनों में सेटलमेंट देयकों का भुगतान सुनिश्चित किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल में कार्यरत अलख देव यादव, तकनीशियन-1/टीआरडी की 22 सितंबर 2026 को ड्यूटी के दौरान रन ओवर दुर्घटना में दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गई थी। कार्मिक एवं वित्त विभाग की तत्परता एवं समन्वय से 25 सितंबर 2026 को उनकी पत्नी को सेटलमेंट देयकों का भुगतान कर दिया गया।

जीकेसी की ग्लोबल वर्किंग कमिटी में देश-विदेश के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) ने संगठन के वैश्विक विस्तार और बेहतर समन्वय के उद्देश्य से ग्लोबल वर्किंग कमिटी का गठन किया है। ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कमिटी की सूची जारी करते हुए भारत के विभिन्न राज्यों के साथ अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, ब्राजील और अफ्रीका में पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। रागिनी रंजन (पटना) को मैनेजिंग ट्रस्टी, नवीन कुमार को अध्यक्ष-सीसीसीआई तथा आलोक कुमार सिन्हा, कुमार शिशिर सिन्हा, आलोक अविरल और दीपक अभिषेक को उपाध्यक्ष बनाया गया है। निष्का रंजन को सीएफओ, गौतम कुमार को सचिव और शुभ्रांशु श्रीवास्तव को संगठन सचिव की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं मेजर जनरल अनुज माथुर को वेटेरंस सेल, अंजन श्रीवास्तव को आर्ट एंड कल्चर सेल तथा अवनीश श्रीवास्तव को लीगल एंड कॉरपोरेट सेल का अध्यक्ष बनाया गया है। मितेश कर्ण को ग्लोबल कोऑर्डिनेटर और सौरभ श्रीवास्तव को डिजिटल टेक्नोलॉजी का महासचिव बनाया गया है। विदेशों में डॉ. राजय नारायण को यूरोप, आलोक कुमार सिन्हा को अमेरिका, देविका माथुर को फ्लोरिडा, मितेश कर्ण को यूएई, डॉ. पूनम कर्ण को नेपाल, अवधेश माथुर को लैटिन अमेरिका, ज्योति कुमार माथुर को ऑस्ट्रेलिया, डॉ. आस्था माथुर को जर्मनी, रितेश कुमार को कनाडा और अभिषेक श्रीवास्तव को घाना का अध्यक्ष बनाया गया है। राजीव रंजन प्रसाद ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई कमिटी से देश-विदेश में संगठन की गतिविधियों को बेहतर समन्वय के साथ आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मालगाड़ियों के खाली रेक के वैगनों की सफाई से संबंधित कार्य आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। माल परिवहन से संबंधित सेवाओं को बेहतर बनाने तथा रेल परिचालन एवं अनुरक्षण व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल द्वारा निविदा के माध्यम से मालगाड़ियों के खाली रेक के वैगनों की सफाई से संबंधित कार्य आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी है। धनबाद मंडल के पतरातू, पाथरडीह, बरवाडीह एवं ओबरा में खाली माल रेक के परीक्षण के दौरान बीओबीआरएन, बीओएक्सएन एवं बीओएसटी प्रकार के वैगनों की सफाई, सफाई के दौरान निकलने वाले अवशेष पदार्थों का समुचित निस्तारण तथा सफाई कार्य के उपरांत वैगनों के दरवाजों को बंद करने से संबंधित कार्य के लिए कार्य आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। अर्निंग आधारित इस निविदा से रेलवे को अगले तीन वर्षों में लगभग 19.17 करोड़ रूपए की राजस्व राशि प्राप्त होगी। विदित हो कि पूर्व मध्य रेल द्वारा माल वैगनों की सफाई एवं अनुरक्षण से संबंधित कार्यों को सुव्यवस्थित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे माल रेक की जांच एवं अनुरक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ रेल परिचालन में बेहतर कार्य-व्यवस्था सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

नेपाल में भारी बारिश के मद्देनजर बिहार में हाई अलर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के साथ-साथ नेपाल में भारी बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही बारिश की वजह से बिहार में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई लेवल बैठक भी की गई है। इसके बाद अधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं। नेपाल के तराई इलाके में गंडक नदी के कैंचमेंट एरिया में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर बिहार में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। संभावित परिस्थितियों को देखते हुए सीमावर्ती गंडक, बागमती और कोसी नदी सिस्टम से जुड़े संवेदनशील जिलों में प्रशासन को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। साथ ही सभी जरुरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह सहित सीतामढ़ी, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सारण, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, कटिहार, खगड़िया और बेगूसराय जिलों के जिलाधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बारिश की स्थिति को देखते हुए सीतामढ़ी, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सारण, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, कटिहार, खगड़िया और बेगूसराय सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन को नदी के जलस्तर और प्रवाह, निचले इलाकों, तटबंधों, नदी किनारे बसे गांवों, पुल-पुलियों और संपर्क मार्गो की लगातार निगरानी करने को कहा गया है। कोसी नदी के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई है। इसके बावजूद, कोसी नदी के आसपास स्थित जिलों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार में पशु चिकित्सा अधिकारी के लिए 787 पदों पर भर्ती की घोषणा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने टूरिंग वेटरनरी ऑफिसर और समकक्ष पदों के लिए 787 रिक्तियों की घोषणा की है। यह भर्ती बिहार पशु सेवा, पशुपालन और मत्स्य संसाधन विभाग के अंतर्गत की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार 23 अक्टूबर 2026 तक बीटीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों, स्वतंत्रता सेनानियों के पोते-पोतियों और बिहार के पशु चिकित्सा कॉलेजों से पढ़ाई करने वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा बिहार पशु चिकित्सा परिषद के साथ स्थायी पंजीकरण अनिवार्य है। सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र, मार्कशीट और पंजीकरण प्रमाण पत्र 23 अक्टूबर 2026 से पहले जारी होने चाहिए। उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2026 को कम से कम 21 वर्ष होनी चाहिए। अनारक्षित पुरुष उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा 37 वर्ष, अनारक्षित महिला उम्मीदवारों के लिए 40 वर्ष, बीसी/इबीसी श्रेणी के पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए 40 वर्ष, और एससी/एसटी श्रेणी के पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए 42 वर्ष है।

बिहार में 'बेटी बचाओ' का नारा खोखला साबित, बेटियों की सुरक्षा पर सरकार विफल : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने आज सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार में महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा दिया, उसी बिहार में आज बेटियों के साथ लगातार अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही हैं।

राजेश राम ने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बिहार में 'बेटियों पर अत्याचार' में तब्दील होता दिखाई दे रहा है। जमुई की घटना में पीड़िता और उसके परिवार के साथ जो हुआ, वह बेहद गंभीर है। यौन अपराधों के मामलों में पीड़िता की पहचान और निजता की रक्षा की जानी चाहिए। ऐसे में यदि किसी सरकारी अथवा मुख्यमंत्री से जुड़े सोशल मीडिया हैंडल से पीड़ित परिवार से संबंधित सामग्री प्रसारित की गई है तो इसकी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या कानून आम जनता के लिए अलग और सत्ता में बैठे लोगों के लिए अलग है। यदि किसी आम नागरिक पर ऐसी स्थिति में कार्रवाई हो सकती है तो सत्ता के शीर्ष स्तर से हुई ऐसी कार्रवाई की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राजेश राम ने मुख्यमंत्री के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें अपराधियों के रील बनाने के बाद पकड़े जाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि क्या बिहार में अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस को उनके रील बनाने का इंतजार करना पड़ेगा। बिहार को रील नहीं, कानून का राज चाहिए। बिहार युवा कांग्रेस के सचिव एवं बिहार प्रभारी पुनीत सिंह पारिया ने कहा कि जमुई की घटना के विरोध में युवा कांग्रेस के साथी नवीन ने प्रदर्शन किया।

इंडियाज बेस्ट 100 इंस्टीट्यूट अवॉर्ड शो का आयोजन आज

एक दिन पहले ही पहुंचे डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/वैशाली। बहुप्रतीक्षित 'इंडियाज बेस्ट 100 इंस्टीट्यूट अवॉर्ड शो 2026' का आयोजन 27 सितंबर 2026 को कोहिनूर कॉन्टिनेंटल होटल, अंधेरी ईस्ट, मुंबई में होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के समारोह में शिक्षाविद् एवं कौशल विशेषज्ञ डॉ. आनंद रंजन झा को शिक्षा, डिजिटल साक्षरता एवं कौशल विकास के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह से एक दिन पहले ही 26 सितंबर की सुबह की फ्लाइट से डॉ. आनंद रंजन झा मुंबई पहुंच चुके हैं। मुंबई पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी तस्वीर साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उनके मुंबई पहुंचने की खबर सामने आने के बाद कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी से जुड़े विद्यार्थियों, शिक्षकों, शुभचिंतकों एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है। समारोह में मोटिवेशनल स्पीकर एवं बिजनेस कोच सोनू शर्मा, मोटिवेशनल स्पीकर शशिश कुमार तिवारी तथा हैलो डिजिटल इंडिया के निदेशक अमजद साठे सहित कई प्रमुख व्यक्तित्वों की उपस्थिति रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. आनंद रंजन झा को इन प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा सम्मानित किया जाना है। डॉ. आनंद रंजन झा कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जंदाहा, वैशाली, बिहार के निदेशक/संस्थापक हैं।

एसआइआर को लेकर विपक्ष भ्रम फैलाने का कर रहा काम : संजय सरावगी

मृत, स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों वाले नाम हटना स्वाभाविक, फर्जी मतदान को मिलेगा विराम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने एसआईआर को लेकर विपक्ष के विरोध पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर लगातार भ्रम और अविश्वास पैदा करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कहीं से भी उचित नहीं है। निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक और स्वायत्त संस्था है तथा उसकी चुनावी प्रक्रिया पर निराधार सवाल उठाना लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने का प्रयास है। संजय सरावगी ने कहा कि आंतरिक विचार-विमर्श में अलग-अलग सुझाव आ सकते हैं, लेकिन अंततः निर्णय सर्वसम्मति से होता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने और लोगों के मन में अविश्वास पैदा करने की कोशिश शुरू हो जाती है। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध और विश्वसनीय बनाना है। आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान राजनीतिक दलों के साथ बैठकें करने और मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा अन्य कारणों से सत्यापन नहीं हो पाने वाले नामों की सूची साझा करने की बात कही थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में भी चुनाव हुए हैं। कर्नाटक में चुनाव के समय भाजपा की सरकार थी तो वहां मतदाता सूची को लेकर गड़बड़ी का सवाल क्यों नहीं उठाया गया? उन्होंने कहा कि विपक्ष को यह भी बताना चाहिए कि जिन सीटों पर वह चुनाव जीतता है वहां एसआईआर में गड़बड़ी क्यों नहीं होती। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए गए और विपक्षी दलों ने कई सीटों पर जीत दर्ज की। ऐसे में हर चुनावी प्रक्रिया पर संदेह खड़ा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष द्वारा संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाना अब उनकी राजनीति का हिस्सा बन गया है, लेकिन जनता सब समझ रही है। सरावगी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें देश के लोग गंभीरता से कब लेते हैं क्या राहुल गांधी को इन मामलों की पूरी जानकारी भी रहती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हों या विपक्ष, संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय उन्हें तथ्यों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम दो बार दर्ज हैं जिनका निधन हो चुका है या जो स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर चले गए हैं, ऐसे मामलों में मतदाता सूची का सत्यापन और आवश्यक सुधार स्वाभाविक प्रक्रिया है।

सोनपुर मंडल में स्वच्छ पानी मुहैया कराने के उद्देश्य से चला जा रहा स्पेशल ड्राइव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। स्टेशनों, कार्य स्थलों और रेलवे कॉलोनियों में सुरक्षित, साफ और हाइजीनिक पीने के पानी की सुविधा को बेहतर बनाने हेतु सोनपुर मंडल में पानी की क्वालिटी सुधारने के लिए एक स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है जिसके तहत पानी के स्टोरेज टैंकों की सफाई, क्लोरीनेशन/डिसइंफेक्शन, पानी की क्वालिटी की मॉनिटरिंग और सोर्स से लेकर नल तक ट्रीटमेंट की जरूरतों का रिव्यू किया जा रहा है। पानी के सोर्स से नल तक पानी की क्वालिटी का असेसमेंट किया जा रहा है ताकि उन जगहों की पहचान की जा सके जहां फिल्ट्रेशन या ट्रीटमेंट की आवश्यकता है। इसी कड़ी में वाटर टैंकों के सफाई हेतु सोनपुर मंडल में 20.08.2026 से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत ओवरहेड, अंडरग्राउंड और पीवीसी सहित सभी 3363 पानी के टैंकों की सफाई की जानी है। इनमें से अब तक 1953 पानी के टैंकों को साफ और डिसइंफेक्ट किया जा चुका है। बाकी टैंकों पर तेजी से काम पूरा करने के लिए कड़ी नजर रखी जा रही है। हाजीपुर एवं गढ़हरा में ऑटोमैटिक क्लोरीनीकरण प्लांट कार्य कर रहा है तथा अन्य लोकेशनों पर प्रस्तावित है। साथ ही थाना बिहपुर स्टेशन पर आयरन रिमूवल प्लांट कार्य कर रहा है तथा मानसी, खगड़िया, नवगछिया, गढ़हरा, बेगुसराय एवं बरौनी सहित अन्य स्टेशनों पर आयरन रिमूवल प्लांट स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

हाथ से काम करें, जीवन की समस्याओं को समझें, तभी बनेंगे इनोवेटर : प्रो. प्रभात रंजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। भारत सरकार के पूर्व कार्यकारी निदेशक और प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो. प्रभात रंजन ने विद्यार्थियों से कहा कि एआई के इस दौर में आगे बढ़ने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना और तकनीक का सकारात्मक उपयोग करना जरूरी है। वे दानापुर स्थित स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला 'यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। प्रो. रंजन ने कहा आज का दौर तकनीक और एआई का दौर है। दैनिक जीवन से लेकर अनुसंधान तक हर क्षेत्र में एआई सबसे महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है। विद्यार्थियों को समय की मांग समझते हुए एआई का अध्ययन करना चाहिए और निरंतर खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल तकनीक पर निर्भर रहना काफी नहीं है। बच्चों को अपने हाथों से काम करना चाहिए, तभी वे उच्च स्तर के वैज्ञानिक या इनोवेटर बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को आम जीवन की समस्याओं का गहराई से अध्ययन करने की सलाह दी और कहा कि बड़ी-बड़ी समस्याओं का समाधान वहीं से निकलता है। इससे पहले विद्यालय के चेयरमैन विजय प्रकाश ने मुख्य अतिथि का स्वागत और परिचय कराया। उन्होंने समाज और राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही प्रगति की असली कुंजी है। प्राचार्या डॉ. मृदुला प्रकाश ने प्रो. रंजन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि कार्यशाला में मिले सुझावों को केवल सुनना नहीं, बल्कि अपने जीवन और पढ़ाई में उतारना है। उन्होंने तकनीक के जिम्मेदार और सकारात्मक उपयोग पर विशेष बल दिया। कार्यशाला में शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

एचडीएफसी बैंक ने डिजिटल रुपए अपनाने को बढ़ावा देने के लिए पांच इनोवेशन किए पेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एचडीएफसी बैंक ने कंज्यूमर और कॉर्पोरेट इकोसिस्टम में भारत की सॉवरेन डिजिटल करेंसी डिजिटल रुपया की पहुंच बढ़ाने के लिए पांच नए यूज केस पेश किए। पिछले हफ्ते एक इंडस्ट्री फोरम में पेश की गई इन पहलों में प्रैक्टिकल यूटिलिटी, रेगुलेटरी कम्प्लायंस और बेहतर एक्सेसिबिलिटी पर जोर दिया गया है। प्रमुख इनोवेशन में क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स को डिजिटल रुपए में रिडीम करना, कस्टमर प्रमोशन के लिए डिजिटल रुपया गिफ्ट वाउचर, तथा कर्मचारियों के भोजन, ईंधन और यात्रा भत्तों व प्रतिपूर्ति के लिए डिजिटल रुपया कॉर्पोरेट पोर्टल शामिल हैं। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक ने भीम के माध्यम से डिजिटल रुपया वॉलेट की उपलब्धता और इन-फ्लाइट भुगतान के लिए ऑफलाइन सीबीडीसी का भी प्रदर्शन किया। इन पहलों के जरिए रोजमर्रा के भुगतान, कॉर्पोरेट डिस्बर्समेंट, प्रोग्रामेबल पेमेंट्स और ऑफलाइन लेनदेन में डिजिटल रुपए के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

बालकेश्वर प्रसाद स्मृति ओपन शतरंज प्रतियोगिता अब सात अक्टूबर से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल बिहार शतरंज संघ द्वारा मान्यता प्राप्त एम.वी.पी. चेस क्लब, पटना द्वारा 26 सितंबर 2026 से आयोजित होने वाली आठवीं बल्केश्वर प्रसाद स्मृति ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन अब एम.वी.पी. चेस क्लब, पटना एवं बिहार विद्यापीठ, पटना के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 7 अक्टूबर 2026 से 8 अक्टूबर 2026 तक बिहार विद्यापीठ, कुर्जी, पटना में आयोजित की जाएगी।

संपादकीय

क्या दांव पर है भारतीय लोकतंत्र की साख?

निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची से लाखों नाम हटाने का मामला विवादों में है। पूर्व-वर्तमान अधिकारियों ने इसकी पारदर्शिता और लोकतंत्र की साख पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र मतदाताओं और वैध नागरिकों के ही नाम होने चाहिए, ताकि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित की जा सके। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह जरूरी भी है।मगर इसके लिए निर्वाचन आयोग ने जिस विशेष मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को एक अभियान की तरह चलाया है, वह अपनी शुरुआत से ही सवालों के घेरे में रहा। बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में जिस तरह लाखों मतदाताओं को सूची से अलग-अलग कारणों से बाहर कर दिया गया, उसकी कसौटियों और औचित्य को लेकर विवाद जारी हैं।ऐसी आपत्तियां न केवल विपक्षी दलों की ओर से सामने आईं, बल्कि खुद चुनाव आयोग से जुड़े रहे पूर्व शीर्ष अधिकारियों ने भी इस पर कई सवाल उठाए हैं। मसलन, पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने एसआइआर को एक ऐसी व्यवस्था करार दिया है, जिसने मतदाताओं के मन में डर पैदा कर दिया है। उनके मुताबिक, वैधानिक मतदाता पंजीकरण प्रपत्र-6 में किए गए बदलाव पूरी तरह गलत और अवैध हैं।खबरों के मुताबिक, मौजूदा तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने भी पिछले दस महीनों में कम से कम चौदह बार मतदाताओं के पंजीकरण और नाम हटाने को लेकर प्रपत्र-6 में बदलाव तथा मतदाता सूची के डेटाबेस पर नियंत्रण को केंद्रीकृत करने पर आपत्ति दर्ज की।सवाल है कि जब खुद चुनाव संचालित करने वाले कुछ पूर्व और वर्तमान उच्च अधिकारी भी यह मान रहे हैं कि निर्वाचन आयोग जिस एसआइआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बता रहा है, उसकी प्रक्रिया औचित्य के कठघरे में है, तो इसकी क्या विश्वसनीयता रह जाती है! इसी से संबंधित एक सवाल पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त वाईएस कुरैशी ने भी उठाया है कि क्या कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की गई मतदाता सूचियों के आधार पर चुनाव कराए जा सकते हैं।जाहिर है, यह एक बड़े महत्त्व का सवाल है। मगर हकीकत यह है कि विपक्षी दलों की ओर से भी इसी तरह की आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद निर्वाचन आयोग ने कई राज्यों में विधानसभा चुनाव कराए। पश्चिम बंगाल में विवाद के तूल पकड़ने के बाद मतदाता सूची में नाम फिर से शामिल कराने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों में अपील की व्यवस्था की गई।वहां हालत यह है कि अब तक जितने मामलों का निपटारा हो सका है, उनमें से करीब नब्बे फीसद लोगों के नाम फिर से मतदाता सूची में शामिल किए गए। जाहिर है, ये लोग वैसे मतदाता हैं, जिन्हें विधानसभा चुनावों में मत डालने अधिकार नहीं मिला।

1938 में अखण्ड ज्योति का आरंभ हुआ और जनवरी 1940 से उसका नियमित प्रकाशन आगे बढ़ा। वह केवल आध्यात्मिक पत्रिका नहीं बनी, उसके माध्यम से आचार्य श्री ने व्यक्ति, परिवार, स्वास्थ्य, समाज, नैतिकता और अध्यात्म पर लगातार संवाद किया।सोचिए, वह समय जब न मोबाइल था, न इंटरनेट, न सोशल मीडिया। विचारों को 'वायरल' करने की कोई तकनीक नहीं थी। एक पत्रिका किसी घर पहुंचती, कोई उसे पढ़ता, फिर दूसरे को देता और धीरे-धीरे कागज पर छपे अक्षर चेतना की यात्रा पर निकल पड़ते।एक दीपक था, नाम रखा गया 'अखण्ड ज्योति'। फिर उसी दीपक से असंख्य दीप जलते चले गए।आचार्य श्री स्वयं विपुल लेखन करते रहे। वेद, उपनिषद, दर्शन, गायत्री, अध्यात्म, स्वास्थ्य, परिवार, संस्कृति, समाज और मनुष्य के व्यक्तित्व जैसे विषयों को उन्होंने सामान्य पाठक की भाषा में समझाने का प्रयास किया। उनके लेखन की संख्या को लेकर गायत्री परिवार के अलग-अलग आधिकारिक स्रोत अलग आंकड़े देते हैं, लेकिन निर्विवाद तथ्य यह है कि उनका साहित्य अत्यंत विस्तृत है।

मनुष्य गढ़ने वाले मनीषी: पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

(प्रणय विक्रम सिंह)

कभी-कभी किसी महापुरुष को समझने के लिए यह देखना पर्याप्त नहीं होता कि उन्होंने कितनी संस्थाएं बनाईं, कितनी पुस्तकें लिखीं या कितने लोगों को अपने साथ जोड़ा। उन्हें समझने के लिए यह देखना पड़ता है कि उन्होंने अपने समय के मनुष्य से कौन-सा प्रश्न पूछा था। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने मनुष्य से पूछा था तुम संसार को बदलना चाहते हो, लेकिन स्वयं को बदलने के लिए कितने तैयार हो? शायद इसीलिए उनके जीवन-दर्शन का सबसे सरल सूत्र ही उनकी पूरी साधना का सार बन गया- 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा।' 20 सितम्बर 1911 को आगरा के आंवलखेड़ा में जन्मे श्रीराम शर्मा आचार्य का जीवन उस दौर में आकार ले रहा था, जब भारत केवल राजनीतिक पराधीनता से नहीं जूझ रहा था। समाज रूढ़ियों, अशिक्षा, असमानता और अनेक आंतरिक कमजोरियों से भी संघर्ष कर रहा था। युवावस्था में वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े, जेल गए, लेकिन स्वतंत्रता मिलने के बाद उनका रास्ता सत्ता की ओर नहीं मुड़ा। उन्होंने समाज के भीतर उतरने का रास्ता चुना। क्योंकि उनकी दृष्टि में देश केवल सीमाओं से नहीं बनता था। देश मनुष्यों से बनता है। और यदि मनुष्य का चिंतन, चरित्र और आचरण परिष्कृत नहीं हुआ तो राजनीतिक स्वतंत्रता भी सामाजिक श्रेष्ठता की गारंटी नहीं बन सकती।यहीं से श्रीराम शर्मा 'स्वतंत्रता सेनानी' से आगे बढ़कर मनुष्य के अंतर्मन के शिल्पी दिखाई देते हैं। उन्होंने धर्म को मंदिर की चौखट पर नहीं छोड़ा। गायत्री को केवल जप में नहीं रहने दिया। यज्ञ को केवल अग्नि और आहुति तक सीमित नहीं माना। उनके लिए अध्यात्म का अर्थ था मनुष्य अपने भीतर के लोभ, अहंकार, क्रोध और संकीर्णता से लड़े और अपने समय के दुःख में सहभागी बने। यानी साधना स्वयं को साधे और सेवा संसार को संवारे। यही भाव आगे चलकर अखिल विश्व गायत्री परिवार और युग निर्माण आंदोलन की आत्मा बना। गायत्री परिवार के केंद्र में उन्होंने व्यक्ति-निर्माण, परिवार-निर्माण और समाज-निर्माण को एक ही परिवर्तन-यात्रा की कड़ियों की तरह रखा। युग निर्माण योजना में नैतिक, बौद्धिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए सौ सूत्रीय कार्यक्रम भी इसी व्यापक दृष्टि से विकसित हुआ।उनकी यात्रा की सबसे सुंदर बात यह थी कि वह बड़े मंच से नहीं, छोटे-छोटे संस्कारों से बड़ा परिवर्तन खोजती थी। उन्हें मालूम था कि हर व्यक्ति आंदोलनकारी नहीं बन सकता, हर व्यक्ति संन्यासी नहीं हो सकता, हर व्यक्ति विद्वान भी नहीं हो सकता लेकिन हर मनुष्य थोड़ा अधिक ईमानदार, थोड़ा अधिक संवेदनशील, थोड़ा अधिक संयमी और थोड़ा अधिक उपयोगी अवश्य हो सकता है।और करोड़ों मनुष्यों का यही 'थोड़ा-थोड़ा' परिवर्तन मिलकर किसी युग का चरित्र बदल सकता है।इसीलिए उन्होंने विचार को आंदोलन का सबसे बड़ा औजार बनाया। 1938 में अखण्ड ज्योति का आरंभ हुआ और जनवरी 1940 से उसका नियमित प्रकाशन आगे बढ़ा। वह केवल आध्यात्मिक पत्रिका नहीं बनी, उसके माध्यम से आचार्य श्री ने व्यक्ति, परिवार, स्वास्थ्य, समाज, नैतिकता और अध्यात्म पर लगातार संवाद किया।सोचिए, वह समय जब न मोबाइल था, न इंटरनेट, न सोशल मीडिया। विचारों को 'वायरल' करने की कोई तकनीक नहीं थी। एक पत्रिका किसी घर पहुंचती, कोई उसे पढ़ता, फिर दूसरे को देता और धीरे-धीरे कागज पर छपे अक्षर चेतना की यात्रा पर निकल पड़ते।एक दीपक था, नाम रखा गया 'अखण्ड ज्योति'। फिर उसी दीपक से असंख्य दीप जलते चले गए।आचार्य श्री स्वयं विपुल लेखन करते रहे। वेद, उपनिषद, दर्शन, गायत्री, अध्यात्म, स्वास्थ्य, परिवार, संस्कृति, समाज और मनुष्य के व्यक्तित्व जैसे विषयों को उन्होंने सामान्य पाठक की भाषा में समझाने का प्रयास किया। उनके लेखन की संख्या को लेकर गायत्री परिवार के अलग-अलग आधिकारिक स्रोत अलग आंकड़े देते हैं, लेकिन निर्विवाद तथ्य यह है कि उनका साहित्य अत्यंत विस्तृत है।असल महत्व संख्या का भी नहीं है। महत्व इस बात का है कि वे ज्ञान को विद्वानों की अलमारी से निकालकर सामान्य मनुष्य के जीवन तक लाना चाहते थे। उन्होंने संस्कृत के कठिन श्लोकों और दर्शन की गंभीर अवधारणाओं के सामने सामान्य पाठक को असहाय नहीं छोड़ा। वे चाहते थे कि अध्यात्म उस गृहस्थ की भी समझ में आए, जो सुबह काम पर जाता है, उस मां के भी, जो

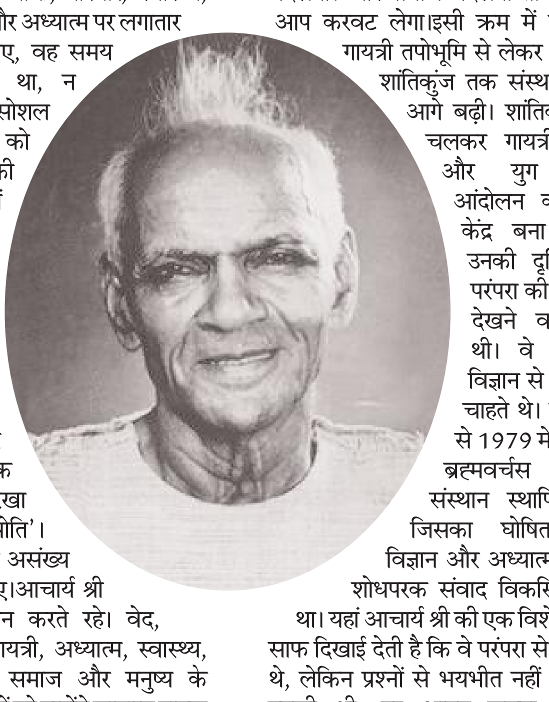

परिवार संभालती है, उस युवक के भी, जो अपने भविष्य को लेकर उलझा हुआ है। यहीं उनका अध्यात्म जीवन के बहुत करीब आ जाता है। वे कहते थे कि पहले स्वयं को गढ़ो। फिर परिवार गढ़ेगा। परिवार बदलेगा तो समाज बदलेगा। और समाज बदलेगा तो युग अपने आप करवट लेगा।इसी क्रम में मथुरा की गायत्री तपोभूमि से लेकर हरिद्वार के शांतिकुंज तक संस्थागत यात्रा आगे बढ़ी। शांतिकुंज आगे चलकर गायत्री परिवार और युग निर्माण आंदोलन का प्रमुख केंद्र बना। लेकिन उनकी दृष्टि केवल परंपरा की ओर पीछे देखने वाली नहीं थी। वे आधुनिक विज्ञान से भी संवाद चाहते थे। इसी सोच से 1979 में हरिद्वार में ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान स्थापित हुआ, जिसका घोषित उद्देश्य विज्ञान और अध्यात्म के बीच शोधपरक संवाद विकसित करना था। यहां आचार्य श्री की एक विशेषता बहुत साफ दिखाई देती है कि वे परंपरा से प्रेम करते थे, लेकिन प्रश्नों से भयभीत नहीं थे।आस्था उनकी थी, पर आग्रह जड़ता का नहीं था।अध्यात्म उनका आधार था, लेकिन संसार से पलायन उसका निष्कर्ष नहीं था।और शायद यही कारण है कि 2 जून 1990 को उनकी देहयात्रा पूर्ण होने के तीन दशक से अधिक समय बाद भी उनके विचारों की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।बल्कि आज उनके कुछ प्रश्न पहले से अधिक बेचैन करते हैं।हमारे हाथ में संसार भर की सूचना है, लेकिन क्या हमारे भीतर उतना ही विवेक भी बढ़ा है?हमारे पास संवाद के अनगिनत साधन हैं, लेकिन क्या संवाद में संवेदना बढ़ी है?हमने घर बड़े कर लिए, साधन बढ़ा लिए, बाजार भर लिए लेकिन क्या मनुष्य भी भीतर से उतना ही समृद्ध हुआ?यहीं आचार्य श्री फिर सामने आकर खड़े हो जाते हैं।वे आधुनिकता को रोकते नहीं। वे केवल इतना कहते प्रतीत होते हैं कि बाहर की प्रगति के साथ भीतर की प्रगति को मत भूलो।क्योंकि विज्ञान मनुष्य को शक्ति दे सकता है, लेकिन उस शक्ति का उपयोग किसलिए होगा, यह उसका चरित्र तय करेगा। शिक्षा बुद्धि दे सकती है, लेकिन बुद्धि किस दिशा में चलेगी, यह संस्कार तय करेंगे। समृद्धि साधन दे सकती है, लेकिन उन साधनों में संतोष और संवेदना नहीं खरीद सकती।इसीलिए उनकी पूरी विचार-यात्रा अंततः मनुष्य पर लौटती है।

मनुष्य सुधरेगा तो परिवार संवरेगा।
परिवार संवरेगा तो समाज सधेगा।
समाज सधेगा तो राष्ट्र समर्थ होगा।
और राष्ट्र समर्थ होगा तो युग बदलेगा।

यही पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की सबसे बड़ी सामाजिक देन दिखाई देती है कि उन्होंने परिवर्तन की जिम्मेदारी किसी एक सरकार, संस्था या महापुरुष के कंधे पर नहीं रखी। उन्होंने उस जिम्मेदारी का एक अंश हर मनुष्य के हाथ में रख दिया।उन्होंने कहा नहीं कि किसी युगपुरुष की प्रतीक्षा करो।उन्होंने मनुष्य से कहा कि अपने हिस्से का युग-निर्माण स्वयं शुरू करो।आज उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए शांतिकुंज की इमारतें, गायत्री परिवार का विस्तार, अखण्ड ज्योति के अंक या उनका विपुल साहित्य दिखाई देता है। लेकिन इन सबके पीछे एक बहुत शांत-सी आवाज भी सुनाई देती है।दुनिया में अंधेरा अधिक है तो अंधेरे से शिकायत करते रहने से क्या होगा?अपने हिस्से का दीप जलाओ।शायद यही उस मनीषी के जीवन का सबसे हृदयस्पर्शी सार है।वह 2 जून 1990 को चले गए, पर एक वाक्य छोड़ गए

हम बदलेंगे, युग बदलेगा।

और इतने वर्षों बाद भी यह वाक्य किसी पुस्तक के पन्ने पर रखा हुआ विचार नहीं लगता।यह आज भी हमारे दरवाजे पर खड़ा एक प्रश्न लगता हैज युग को बदलते हुए देखने की इच्छा तो है, पर क्या शुरुआत स्वयं से करने का साहस भी है?ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय: विचारों की वह मशाल जो आज भी प्रज्वलित है

(योगेश कुमार गोयल)

दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने।

कुछ व्यक्तित्व अपने जीवन की लंबाई से नहीं बल्कि अपने विचारों की गहराई और कर्मों की व्यापकता से इतिहास में स्थान बनाते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऐसे ही व्यक्तित्व थे। साधारण जीवन जीते हुए उन्होंने भारतीय राजनीति, समाज और अर्थचिंतन को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। उनकी जयंती केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों और सार्वजनिक जीवन की भूमिका को समझने का अवसर भी है। 25 सितंबर 1916 को मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में जन्मे दीनदयाल उपाध्याय का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। कम उम्र में ही उन्होंने माता-पिता को खो दिया और उनका पालन-पोषण रिश्तेदारों के संरक्षण में हुआ। कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ। वे पढ़ाई में अत्यंत प्रतिभाशाली थे और विभिन्न स्तरों पर छात्रवृत्तियां प्राप्त करते रहे। पिलानी में शिक्षा के बाद उन्होंने कानपुर के सनातन धर्म कॉलेज में अध्ययन किया। 1937 में छात्र जीवन के दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हुआ। आगे चलकर उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक संगठनात्मक कार्य को समर्पित कर दिया।

दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद संगठन को मजबूत करने और देशभर में उसका विस्तार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1967 में वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। उनकी सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक देन 'एकात्म मानववाद' मानी जाती है। उनका विचार था कि मनुष्य को केवल आर्थिक आवश्यकताओं के आधार पर नहीं समझा जा सकता। मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप है और उसके जीवन में भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। इसी प्रकार व्यक्ति समाज से अलग नहीं है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए विकास का उद्देश्य केवल उत्पादन और आर्थिक आंकड़ों को बढ़ाना नहीं, मनुष्य और समाज के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिंतन भी इसी दृष्टि पर आधारित था। वे ऐसी अर्थव्यवस्था के समर्थक थे, जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचार से जुड़ा उनका 'अंत्योदय' का सिद्धांत आज भी उनके चिंतन की प्रमुख पहचान है। उनका मानना था कि किसी भी विकास व्यवस्था की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया। इस दृष्टि से उनका चिंतन सामाजिक समावेशन और मानव-केंद्रित विकास की चर्चा में आज भी संदर्भित किया जाता है।

दीनदयाल उपाध्याय केवल राजनेता और संगठनकर्ता ही नहीं, लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने लेखनी को सामाजिक जागरण का माध्यम बनाया। उन्होंने 'राष्ट्रधर्म', 'पाञ्चजन्य' और 'स्वदेश' जैसे प्रकाशनों के माध्यम से राष्ट्र, समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति से जुड़े विषयों पर लिखा। उनके लेखन में सरल भाषा के साथ वैचारिक स्पष्टता दिखाई देती थी। उनका 'पॉलिटिकल डायरी' स्तंभ भी चर्चित रहा। पत्रकारिता को लेकर वे तथ्यपरकता और जिम्मेदारी पर जोर देते थे। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, वे समाचारों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत करने के विरुद्ध थे और पत्रकार की जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण मानते थे। उनका व्यक्तिगत जीवन अत्यंत सादा था। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन संगठन और सार्वजनिक कार्यों में लगाया। पद और प्रतिष्ठा के बावजूद उनका रहन-सहन सामान्य रहा। यही सादगी उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान बनी। उनके समर्थकों और सहयोगियों के संस्मरणों में उनके सहज व्यवहार, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ निकट संबंधों का उल्लेख मिलता है। वे संगठन को केवल पदों और संरचनाओं से नहीं, समर्पित कार्यकर्ताओं के माध्यम से मजबूत करने में विश्वास रखते थे। दीनदयाल उपाध्याय का जीवन बहुत लंबा नहीं था। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय रेलवे स्टेशन के निकट एक रेलवे डिब्बे के पास उनका शव मिला। उनकी मृत्यु की परिस्थितियों ने लंबे समय तक प्रश्न खड़े किए और यह घटना भारतीय राजनीतिक इतिहास की चर्चित घटनाओं में शामिल रही। उस समय वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और उनके निधन से पार्टी को बड़ा झटका लगा। उनका राजनीतिक जीवन और दर्शन भारतीय राजनीति में लंबे समय तक चर्चा का विषय रहा है।

यूपीआईटीएस- एक योगी के तप की गाथा

वर्ष 2017 में सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के इस पारंपरिक ज्ञान और कौशल को पहचानते हुए 'ओडीओपी' योजना की शुरुआत की। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के सभी 75 जिलों के पारंपरिक उत्पादों को चिह्नित कर उनका संरक्षण करना, उन्हें आधुनिक तकनीकों से लैस करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना था।

(नम्रता नारायण)

बशीर बद्र साहब का एक मशहूर शेर है- ये फूल मुझे कोई विरासत में मिले हैं, तुम ने मेरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा ! मेगा सिटी बनने की राह पर दौड़ते ग्रेटर नोएडा के विशालकाय एक्सपो सेंटर में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (यूपीआईटीएस) की चमक-दमक आपको भयावह अंधेरे से लड़ाई की कहानी नहीं बताएगी। वैश्विक प्रतिनिधियों से आंख मिलाते ओडीओपी स्टाल्स यहां तक पहुंचने का संघर्ष बयान नहीं करते। पूरे आत्मविश्वास के साथ एक्सपोर्ट ऑर्डर लेते हस्तशिल्पी व कारीगर आपको उन जख्मों के निशान नहीं दिखाएंगे, जो एक दशक पहले तक रिस रहे थे। लेकिन, हकीकत यही है। यूपी में मरणासन्न स्थिति में आ चुके एमएसएमई सेक्टर के पुनर्जीवित होकर करीब चार करोड़ लोगों की जीवन-रेखा बनने तक का सफर ऐसी तमाम अनकही कहानियों से भरा है। यह एक योगी के तप की गाथा है, जिसने हालात से समझौता करने के बजाय हालात बदलने का फैसला किया।

एमएसएमई बना आर्थिक क्रांति का केंद्र – एक समय देश में आर्थिक सुस्ती और औद्योगिक पिछड़ेपन की पहचान माने जाने वाले उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में विकास की एक नई और अभूतपूर्व कहानी लिखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी दूरदर्शी सोच, नीतिगत स्पष्टता और कुशल नियोजन से राज्य की विशाल औद्योगिक क्षमता को एक तप की तरह धरातल पर उतारा है। इस आर्थिक क्रांति के केंद्र में रहा है प्रदेश का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र, जिसे 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के जरिए न केवल नया जीवन मिला, बल्कि 'उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला' (यूपीआईटीएस) जैसे वैश्विक मंच के माध्यम से विश्व व्यापार के पटल पर प्रमुख 'ग्लोबल एक्सपोर्ट हब' के रूप में स्थापित भी किया गया।

ओडीओपी से मिली संजीवनी – उत्तर प्रदेश का प्रत्येक जिला अपनी किसी न किसी पारंपरिक कला, शिल्प या विशिष्ट उत्पाद के लिए ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध रहा है। मुरादाबाद का पीतल उद्योग, भदोही की कालीन, वाराणसी की बनारसी साड़ी, फिरोजाबाद का कांच उद्योग, कन्नौज का इत्र और अलीगढ़ के ताले जैसे उद्योग राज्य की औद्योगिक रीढ़ हुआ करते थे। लेकिन, एक दशक पहले तक बदहाल कानून-व्यवस्था, मार्केटिंग व वित्तीय संसाधनों का अभाव, पुरानी तकनीक और सरकारी प्रोत्साहन की कमी के कारण ये पारंपरिक उद्योग लगभग दम तोड़ चुके थे। स्थानीय हस्तशिल्पी, कारीगर और बुनकर आजीविका की तलाश में राज्य से पलायन करने के लिए मजबूर थे। वर्ष 2017 में सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के इस पारंपरिक ज्ञान और कौशल को पहचानते हुए 'ओडीओपी' योजना की शुरुआत की। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य राज्य के सभी 75 जिलों के पारंपरिक उत्पादों को चिह्नित कर उनका संरक्षण करना, उन्हें आधुनिक तकनीकों से लैस करना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना था।

योजना का बहुआयामी कार्यान्वयन – ओडीओपी योजना को केवल कागजों तक सीमित न रखकर इसे धरातल पर लागू करने के लिए राज्य सरकार ने एक बहुआयामी रणनीति बनाई। सबसे पहले वित्तीय सहायता और ऋण सुलभता पर ध्यान दिया गया। उद्यमियों और दस्तकारों को आसान शर्तों पर पूंजी उपलब्ध कराने के लिए मुद्रा योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना जैसी पहलों के साथ समन्वय स्थापित किया गया। इससे स्थानीय इकाइयों का विस्तार और आधुनिकीकरण संभव हुआ। अगले चरण में तकनीकी उन्नयन और गुणवत्ता सुधार पर फोकस रहा। पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण और नई पैकेजिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही जीआई टैगिंग के जरिए उत्पादों की प्रामाणिकता और अंतरराष्ट्रीय साख को मजबूत किया गया। तीसरे चरण में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के साथ रणनीतिक साझेदारी करके छोटे ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को सीधे डिजिटल मार्केट-प्लेस से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता दी गई।

एमएसएमई सेक्टर का पुनरुद्धार और आर्थिक प्रभाव – ओडीओपी योजना के रणनीतिक क्रियान्वयन ने उत्तर प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र में नए प्राण फूंक दिए। राज्य में लाखों एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन मिलने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हुए, जिससे युवाओं का पलायन रुका। एमएसएमई सेक्टर के इस कायाकल्प का सीधा असर प्रदेश के निर्यात आंकड़ों पर दिखाई देने लगा, जो आज दो लाख करोड़ के पार जा चुका है। राज्य के पारंपरिक उत्पाद जो कभी स्थानीय बाजारों तक सीमित थे, वे अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हुए विश्व के अलग-अलग देशों में निर्यात होने लगे। ओडीओपी ने उत्तर प्रदेश को 'वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी' की ओर ले जाने वाले सबसे प्रमुख इंजन का रूप ले लिया।

यूपीआईटीएस बना वैश्विक शोकेस – स्थानीय स्तर पर उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के बाद, अगला बड़ा कदम इन उत्पादों को वैश्विक खरीदारों के सामने प्रस्तुत करना था। इसी सोच के साथ सीएम योगी ने 'उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला' की नींव रखी। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित यह व्यापार मेला महज एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि यूपी के आर्थिक रूपांतरण का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय मंच साबित हुआ है। यूपीआईटीएस ने दुनिया भर के आयातकों, निवेशकों और व्यापारिक प्रतिनिधियों को एक छत के नीचे ला खड़ा किया। इस मेले में विभिन्न देशों के सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का पंजीकरण राज्य के उत्पादों में विश्व के गहरे विश्वास को दर्शाता है।

पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में नई पहल शुरू

पटना में पीड़ित अधिकार केंद्र का सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने किया उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । पीड़ितों को उनके अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा उन्हें न्याय की प्रक्रिया में आवश्यक कानूनी सहायता एवं सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना परिसर में पीड़ित अधिकार केंद्र का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के कर-कमलों द्वारा शनिवार को किया गया।उद्घाटन कार्यक्रम में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के संरक्षक-सह-चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव तथा बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुधीर सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कटिहार में आयोजित लाइव प्रसारण के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह -अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कटिहार

रणवीर सिंह, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम संदीप मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय आशुतोष राय, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय सुनील कुमार, उत्पाद न्यायालय द्वितीय के विशेष न्यायिक पदाधिकारी सौरभ सिंह तथा अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कटिहार कमलेश सिंह देऊ उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षित मध्यस्थ, पैनल अधिवक्ता, लीगल ऐड डिफेन्स काउंसिल, कटिहार के सदस्यगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मी तथा पारा विधिक स्वयंसेवक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कमलेश सिंह देऊ ने बताया कि यह पीड़ित अधिकार केंद्र की स्थापना से पीड़ितों के अधिकारों के संरक्षण, उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस महत्वपूर्ण आयोजन का लाइव प्रसारण जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा वीडियो प्रोजेक्टर के माध्यम से यू-ट्यूब पर किया गया। जिसे न्यायिक पदाधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं, प्रशिक्षित मध्यस्थों, लीगल ऐड डिफेन्स काउंसिल के सदस्यों, कर्मियों एवं पारा विधिक स्वयंसेवकों ने मिलकर देखा

तीन दिन से लापता ग्रामीण के शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी वार्ड संख्या दो कचरा पलांट के समीप रहने वाले मूकबधिर बौका साह की मौत पास ही खड्डे मे जमे बाढ के पानी मे डूबने से है गयी। वह कई दिनो से लापता था। परिजनों द्वारा खोजबीन के बाद भी पता नहीं चला। शनिवार सुबह ग्रामीणों की नजर कचरा प्लांट के पास जमा पानी से भरे गड्ढे मे तैरते लाश पर पडी। सूचना पर मनिहारी पुलिस भी मौके पर पहुंचकर शव कब्जे मे लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। मृतक के संबंध मे परिजनों ने बताया कि वह मूक वधिर था। आस आस के क्षेत्रों में ही भ्रमणकरता था। बाढ के पानी मे डूबने से उसकी मौत हो गयी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचारों को आत्मसात करें : डॉ . प्रमोद कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियानह्न के तहत एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा प्रकोष्ठ की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन चिकित्सा प्रकोष्ठ की जिला संयोजक डॉ. रंजना झा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री डॉ.प्रमोद कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय, पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, पूर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी,पूर्व विधान पार्षद राजवंशी सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष लक्खी महतो, जिला महामंत्री गोविन्द अधिकारी एवं जिला महामंत्री सौरभ कुमार मालाकार मुख्य रूप से शामिल थे। इस अवसर पर चिकित्सा प्रकोष्ठ की जिला संयोजक डॉक्टर रंजना ने मुख्य अतिथि एवं मंचासिन सभी अतिथियों का अंग वर्ष एवं पुष्प देकर अभिनंदन एवं स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ.प्रमोद कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय

के विचारों को आत्मसात करते हुए सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना ही इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और जनसेवा के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया गया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी, शोभा जयसवाल, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह,रंजना झा,आरती चौधरी, बुलबुल सिंह, सोनू सिन्हा, विवेक सिंह,सत्यम समदर्शी, अंबेश यादव सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धार में मिला ग्रामीण का शव, मचा कोहराम

कोढ़ा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कोढ़ा थाना क्षेत्र के गोढ़ी पचमा धार में शनिवार की अहले सुबह उस समय सनसनी फैल गई। जब शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने धार में एक व्यक्ति का शव तैरता हुआ देखा। शव मिलने की खबर फैलते ही देखते - देखते ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना कोढ़ा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को धार से बाहर निकालकर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों में से एक ने शव की पहचान बरारी थाना क्षेत्र निवासी मुन्ना सोरेन (48) के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी।मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस के साथ परिजन कोढ़ा थाना पहुंचे, जहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया गया। मृतक की पत्नी सोनामुनी देवी के आवेदन पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही थी। पत्नी ने अपने पति की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट समेत अन्य बिंदुओं के आधार पर मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मुन्ना सोरेन अपने पीछे पत्नी समेत तीन पुत्रियों और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। एक पुत्री काजल सोरेन की शादी हो चुकी है। जबकि पुत्र छोटू और दो दिव्यांग पुत्रियां प्रिया एवं गीता के सिर से पिता का साया उठ गया। परिवार के लिए अचानक आये इस त्रासदी ने जीवनभर के सहारे को छीन लिया है। घर में जहां कुछ समय पहले तक परिवार की जिम्मेदारियों और भविष्य को लेकर उम्मीदें थीं।वहीं अब मातम पसरा हुआ है।पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अनुसंधान के बाद ही मुन्ना सोरेन की मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

291 ग्राम मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

कदवा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कदवा थाना क्षेत्र के कुर्सेल पंचायत के झौवा बाजार से गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 291 ग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कुर्सेल निवासी गोविंद मंडल (55) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने

बताया कि झौवा बाजार में गांजा की बिक्री होने की शिकायत मिल रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति गांजा लेकर झौवा बाजार पहुंचने वाला है।सूचना के सत्यापन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह राजस्व अधिकारी कदवा सुमित सुमन एवं पुलिस बलों के साथ झौवा बाजार पहुंचकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाने लगी। इसी दौरान एक व्यक्ति को हाथ में छोटा सा झोला लेकर बाजार की ओर आ रहा था। लेकिन पुलिस टीम को देखते ही वह असहज दिखाई देने लगा। संदेह होने पर उसे रोककर उसके हाथ में मौजूद झोले की तलाशी ली गई,तो झोले से 291 ग्राम गांजा बरामद हुआ।उन्होंने बताया कि गांजा जब्त कर आरोपी को हिरासत में लेकर थाना लाया गया।जहां एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अग्रेतर कारवाई की जा रही है।

जनता दरबार का आयोजन, दो मामले लंबित

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंचल कार्यालय मनसाही के सभागार में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन

किया गया। इस साप्ताहिक जनता दरबार में कुल आठ आवेदन पड़े। जिसमें आठ मामले की सुनवाई ऑन द स्पॉट किया गया। जिसमें छः मामले का निष्पादन किया गया। दो मामले लंबित रहे। इसकी जानकारी अंचलाधिकारी मोहम्मद इस्माइल ने दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक शनिवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया जाता हैं। इस अवसर पर पवन कुमार, अबू शहमा, चंदन आर्य, गौरव कुमार मौके पर उपस्थित थे।

स्टेट बोरिंग के पास अठारह चक्का ट्रक का बालू लदा डाला पलटा, आवागमन बाधित

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनसाही हाट - शरीफगंज हवामहल मुख्य मार्ग के स्टेट बोरिंग के पास एक अठारह चक्का वाला ट्रक जिसमें बालू लदा हुआ था। शनिवार की सुबह पांच बजे ट्रक के डाला को सड़क से नीचे कर रहा था। इस दौरान ट्रक का इंजन मुख्य सड़क पर खड़ा रह गया। जबकि बालू लदा डाला पलट गया। सुबह के समय होने के कारण कोई घटना नहीं घटी। जबकि ड्राइवर खलासी ट्रक छोड़कर फरार हो गया । ट्रक के मुख्य सड़क पर खड़ा रहने के कारण इस मार्ग होकर सभी वाहन का आवागमन बंद रहा। सड़क से ट्रक ओर

डाला को नहीं हटाया गया था। मार्च माह में शरीफगंज हवा महल से मनसाही होते हुए रतनपुर तक सड़क का नए सिरे से निर्माण हुआ हैं ।तब से ही सभी बड़ी - बड़ी गाड़ी में ओवर लोड कर सादा बालू, लाल बालू लाकर सड़क के किनारे गिरा कर चल देते हैं। बालू सड़क पर गिराने के कारण आवागमन में राहगीर को काफी परेशानी होती हैं। जबकि बड़ी - बड़ी ओवर लोड गाड़ी के चलने से मुख्य सड़क भी कई जगह टूट गया हैं। अगर समय रहते बड़ी - बड़ी गाड़ियों पर प्रशासन रोक नहीं लगाता हैं तो वो दिन दूर नहीं सड़क पूरी तरीके से टूट जाएगा। जबकि संवेदक को अभी से ही इस सड़क को मेंटेनेंस करना शुरू कर देना जरूरी हैं ।

कटिहार में 200 मरीजों को मिला मुफ्त इलाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के लोगों के लिए स्वास्थ्य से जुड़ी अच्छी पहल देखने को मिली।अग्रवाल मैत्री संघ की ओर से आयोजित निःशुल्क हार्ट एवं न्यूरो चिकित्सा परामर्श शिविर में करीब 100 मरीजों ने पहुंचकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच और परामर्श लिया। खास बात यह रही कि मरीजों को इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ी और शहर में ही विशेषज्ञ डॉक्टरों से स्वास्थ्य संबंधी सलाह मिली। शिविर में कोलकाता के मशहूर पीयरलेस अस्पताल से पहुंचे कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभिजीत दास और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सायंतन राय ने मरीजों की जांच की। हार्ट

से जुड़ी परेशानी और न्यूरो से संबंधित समस्याओं को लेकर मरीजों ने डॉक्टरों से परामर्श लिया। मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार जरूरी सलाह भी दी गई। शिविर का उद्घाटन कटिहार की मेयर ऊषा देवी अग्रवाल, सांसद प्रतिनिधि सुनील यादव, पीयरलेस अस्पताल के चीफ मार्केटिंग मैनेजर अभिजीत चक्रवर्ती,चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष विमल सिंह बेगानी, पूर्व निगम पार्षद किशन बजाज,भुवन अग्रवाल और विजय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान शिविर में पहुंचे डॉक्टरों और सम्मानित अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। आयोजकों के मुताबिक शिविर का उद्देश्य शहर के लोगों को हृदय और न्यूरो जैसी गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टरों से आसानी से परामर्श उपलब्ध कराना था। निःशुल्क जांच और परामर्श का लाभ लेने के लिए पहले से अप्वाइंटमेंट की व्यवस्था की गई थी। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों की मौजूदगी ने यह भी दिखाया कि लोग अब हार्ट और न्यूरो से जुड़ी समस्याओं को लेकर समय पर विशेषज्ञों की सलाह लेना चाहते हैं। करीब 100 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श मिलने के साथ शिविर का समापन हुआ। दो सौ मरीजों को सलाह दी गई।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार) । आजमनगर रोड स्टेशन स्थित प्लेटफार्म संख्या दो में आ रही तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस ट्रेन के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस बाबत तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस ट्रेन आजमनगर स्टेशन में घंटों खड़ी रही। शव ट्रेन के नीचे पहियों के बीच फंसी हुई थी। अधिकारियों की इंतजार में तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस ट्रेन आजमनगर स्टेशन में घंटों खड़ी रही। बताया जाता है कि बारसोई आजमनगर रेल खंड पर सिलीगुड़ी की तरफ से आ रही तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस ट्रेन के चपेट में एक व्यक्ति आ गए। जिससे उक्त व्यक्ति की शव

कई हिस्सों में बट गए। हालांकि शव ट्रेन के नीचे से निकालने के लिए रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स सहित अधिकारियों के इंतजार में आजमनगर स्टेशन में ट्रेन घंटों खड़ी रही। ट्रेन के भीतर पैसेंजर काफी असहज महसूस कर रहे थे। यात्रियों को अपने-अपने गंतव्य तक जाने की मजबूरी लोगों के चेहरों में झलक रहा था। समाचार लिखे जाने तक उक्त व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी।

स्वच्छता पखवाड़ा में रेल अधिकारियों ने दिखाई साइकिलिंग की रफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर कटिहार रेल मंडल में स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के उद्देश्य से साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया।डीआरएम किरेंद्र नरह के नेतृत्व में आयोजित इस साइकिल रैली में एडीआरएम मनोज कुमार सिंह ,सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह सहित सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। साइक्लोथॉन का शुभारंभ कटिहार रेलवे स्टेशन परिसर से हुआ। जिस दौरान निर्धारित मार्ग के तहत डीआरएम किरेंद्र नरह सहित सभी प्रतिभागी स्टेशन परिसर से आईपीजी मॉल फ्लाईओवर तक साइकिल चलाकर पहुंचे और वहां से वापस स्टेशन परिसर लौटे। प्रतियोगिता

में कर्मचारी एवं अधिकारी वर्ग के प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग पुरस्कार दिए गए। रेल अधिकारी वर्ग में सीनियर डीएसटीई गौरव राजपाल प्रथम,सीनियर डीएनसी प्रभात रंजन सिंह द्वितीय तथा सीनियर डीईई, टीआरडी बिनोद कुमार तृतीय स्थान पर रहे। वही रेल कर्मचारी वर्ग में ओमप्रकाश कुमार ने प्रथम, कमलेश कुमार ने द्वितीय तथा अप्पू झा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजित कार्यक्रम का मंच संचालन अमित सागर ने किया। सभी विजेताओं को डीआरएम किरेंद्र नरह ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। डीआरएम किरेंद्र नरह ने आयोजित साइक्लोथॉन के माध्यम से रेल मंडल ने स्वच्छता के साथ-साथ नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। मौके पर आयोजित साइक्लोथॉन में डीआरएम किरेंद्र नरह, एडीआरएम मनोज कुमार सिंह, सीनियर डीसीएम अनूप कुमार सिंह, आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस, सीनियर डीएन 2, अशोक कुमार, डीएमई प्रियम अग्रवाल, खेल अधिकारी पंकज पाल, डॉ. दयानंद सिंह, एसीएम निशांत कुमार, राम दयाल कुमार सहित सभी रेल अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में डीआरएससी के राकेश कुमार, वेद प्रकाश, अमित सागर, बुबली, पीपू, सतीश, सूरज, संजीव, अजीत, आशीष, संतोष एवं नीतीश सहित सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अग्निपीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के सोहथा दक्षिण पंचायत के गोपालपट्टी घाट गांव में अगलगी की घटना के बाद प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराई। अंचल कार्यालय परिसर में आपदा योजना के तहत अग्निपीड़ित चार परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया गया।राजस्व अधिकारी नरेंद्रनाथ आनंद,अंचल नाजिर गोपाल यादव एवं मुखिया प्रतिनिधि अमित गुप्ता के हाथों पीड़ित परिवारों को प्लास्टिक,अग्नि किट, बाल्टी,

जग सहित अन्य जरूरी सामग्री दी गई।राजस्व अधिकारी ने बताया कि गोपालपट्टी घाट गांव में खाना पकाने के क्रम में अचानक आग लग गई थी।देखते ही देखते आग ने कई घरों को अपनी चपेट में ले लिया।इस अगलगी की घटना में चार परिवारों के घरों में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया था। घटना के बाद पीड़ित परिवारों को तत्काल सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। मौके पर स्थानीय प्रतिनिधि सहित अंचल कर्मी मौजूद रहे।

छात्राओं के बीच ड्राइंग व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी । प्रखंड क्षेत्र स्थित पीएम श्री गुरुनानक कन्या उच्च विद्यालय गुरुबाजार में शनिवार को सेवा ही संकल्प अभियान के तहत छात्राओं के बीच ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने प्रधानमंत्री के सेवा कार्यों तथा विकसित भारत की संकल्पना पर आधारित चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने विकसित भारत के निर्माण सेवा भावना स्वच्छता शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।छात्राओं ने अपने चित्रों और भाषण के माध्यम से

सेवा कार्यों के महत्व तथा देश के विकास में युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया। प्रभारी प्रधानाध्यापक मो.हासिम अली सिद्दीकी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्राओं में रचनात्मकता आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने छात्राओं को देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में वरीय शिक्षक राकेश कुमार, मिथिलेश कुमार, सुमन सरोज, डॉ. रुद्रानी कुमारी, अताउर रहमान, रूपांजलि, प्रियंका कुमारी, सोनी कुमारी, पिंकी कुमारी, मो. राहिल अख्तर, सुशांत कुमार, अक्षय कुमार, भानू कुमार, रूची कुमारी, सुभी राज, खुशबू कुमारी, अभिषेक कुमार मिश्रा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं में खासा उत्साह देखा गया।

डीआईजी सीआईडी सह नोडल पदाधिकारी ने थाना का किया औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। जिले के नोडल पदाधिकारी सह डीआईजी सीआईडी जयंत कांत ने शुक्रवार की देर शाम कुरसेला थाने का औचक निरीक्षण किया। अचानक थाने पहुंचे डीआईजी श्री कांत ने थाना अभिलेखों की जांच की और लंबित कांडों की समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों के अनुसंधान और निष्पादन की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की। कैमरों की स्थिति और निगरानी व्यवस्था के बारे में पुलिस पदाधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन और पुलिसिंग व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने का निर्देश दिया। डीआईजी ने थाना के विभिन्न अभिलेखों का भी अवलोकन किया।

इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी परिचय कुमार, एसडीपीओ सदर टु सुनील कुमार शर्मा, थानाध्यक्ष राकेश कुमार सहित थाना के पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं दंत जांच शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्राणपुर (कटिहार)। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी कटिहार शाखा की ओर से प्रखंड के मरौचा स्थित बेथेल किड्स स्कूल मे निःशुल्क स्वास्थ्य एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। रेडक्रॉस चेयरमैन डॉक्टर रंजना झा, सचिव संतोष गुप्ता ने संयुक्त रूप से शिविर का उद्घाटन किया। उद्घाटन करते हुए डॉक्टर रंजना झा ने कहा कि बच्चे खान पान एवं बदलते जीवनशैली के कारण अपने दांतो की उचित देखभाल नही कर पाते इसी वजह से बच्चो के स्कूल मे रेडक्रॉस द्वारा ऐसे शिविर लगाए जाते हैं। इससे उन्हे फायदा मिलेगा। सचिव संतोष गुप्ता ने बताया कि इस शिविरमें डॉक्टर मृणाल रंजन ने बड़े बच्चों के स्वास्थ्य जांच की। साथ ही फर्स्ट स्माइल डेंटल क्लिनिक के दंत सर्जन डॉक्टर चन्दन कुमार ने बच्चों के

दांतो की जांच की एवं परामर्श दिया। डॉक्टर रंजना झा एवं डॉक्टर शिप्रा सिंह ने बड़ी बच्चियों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य सम्बन्धी परामर्श दिये ।साथ ही अनियमित माहवारी को नजरअंदाज न कर निःसंकोच डॉक्टर से सलाह लेने की बात कही। ताकि कोई बड़ी समस्या उत्पन्न न हो। डॉक्टर मृणाल रंजन ने पर्याप्त नींद, शारीरिक परिश्रम के साथ समय पर भोजन करने की सलाह दी। डॉक्टर चन्दन कुमार ने कहा कि फास्ट फूड एवं चॉकलेट खाने एवं नियमित सफाई नही होने के कारण बच्चों के दांतो मे पायरिया जल्द लगते है। उन्होंने कहा कि दांत स्वस्थ है तो ही शरीर स्वस्थ हो सकता। उन्होंने कहा कि ज्यादातर बच्चों मे दूषित पानी के कारण फ़्लरोसिस एवं कीड़े की समस्या पायी गयी जिसके लिए बच्चों को दवाई के साथ उचित परामर्श दिया गया। एक बच्ची को टंग टाई की समस्या से ग्रसित पाया गया। इस मौके पर सह सचिव विवान सरकार उपस्थित रहे। उन्होंने कहा इस आज के शिविर मे बच्चों लगभक्त 260 स्कूली बच्चों के साथ अविभावक एवं आस पास के ग्रामीण लाभान्वित हुए। उन्होंने कहा कि इस सेंटर मे जल्द ही नेत्र जांच शिविर लगाया जायेगा ताकि अधिक से अधिक बच्चे इससे लाभान्वित हो सके। शिविर के सफल संचालन मे प्रबंध समिति सदस्य अमित जायसवाल विक्की के साथ मनोज गुप्ता का सहयोग रहा। बेथेल मिशन के डायरेक्टर सौरभ सामूयेल के साथ स्कूल के प्रिंसिपल रितेश दास एवं विपिन सिंह ने रेडक्रॉस को साधुवाद दिया तथा नेत्र जांच शिविर स्वास्थ्य शिविर लगाने की आवश्यकता जताई । जल्द ही इस स्कूल मे नेत्र जांच शिविर लगाया जायेगा। इस मौके पर ग्रुप फार्मेशयूटिकल के विशाल कुमार के साथ सहयोगी अनिता कुमारी का सहयोग रहा।

मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के दम पर वैश्विक संकटों से मजबूती से लड़ रहा है भारतः आरबीआई बुलेटिन

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल और तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक राहत भरी खबर आई है. भारतीय रिज़र्व बैंक के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' लेख के अनुसार, भारत के वित्तीय और बाहरी क्षेत्र घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण बेहद सुरक्षित और सुदृढ़ स्थिति में हैं. हालांकि, रिज़र्व बैंक ने चेतावनी भी दी है कि पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव और मौसम की अनिश्चितताएं आने वाले समय में देश के लिए बड़ी चुनौतियां बन सकती हैं.

सितंबर महीने में पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है. आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, तेल महंगा होने से दुनिया भर की सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा बढ़ गया है. इससे भारत के भीतर भी महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है. इसके अलावा, दुनिया की बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से उनके सरकारी खजाने पर दबाव देखा जा रहा है, जिसका थोड़ा-बहुत असर वैश्विक बाजारों पर भी पड़ रहा है.

इन तमाम अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार सकल घरेलू उत्पाद विकास दर दर्ज की है. लेख में स्पष्ट किया गया है कि देश का वास्तविक आर्थिक आधार इतना मजबूत है कि वह बाहरी झटकों को

आसानी से झेल रहा है. अगस्त और सितंबर के दौरान देश के शेयर बाजारों में सुस्ती जरूर देखी गई, क्योंकि वैश्विक तनाव और बढ़ते बॉन्ड यील्ड के कारण निवेशकों ने फूंक-फूंक कर कदम रखा. इसके चलते सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसे निकाले, जबकि अगस्त में उन्होंने जमकर निवेश किया था.

भारत के लिए सबसे बड़ी मजबूती इसका विदेशी मुद्रा भंडार है. जून में सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदमों के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 सितंबर 2026 तक बढ़कर 765.9 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. इसके साथ ही, जुलाई महीने में देश में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पिछले पांच वर्षों में किसी भी एक महीने के मुकाबले सबसे ऊंचे स्तर पर रहा. अप्रवासी भारतीयों (ह्त्रढ्ढ) द्वारा बैंकों में जमा की जाने वाली रकम में भी भारी बढ़ोतरी देखी गई है. सेवाओं के निर्यात और विदेशों से आने वाले रेमिटेंस (प्रवासियों द्वारा भेजा गया धन) के दम पर भारत का चालू खाता घाटा भी पूरी तरह नियंत्रण में है.

देश के बैंकिंग सिस्टम में नकदी की कोई कमी नहीं है. अगस्त और सितंबर के शुरुआती हफ्तों में बैंकों के पास पर्याप्त सरप्लस पैसा उपलब्ध रहा. इसका मुख्य कारण यह था कि बैंकों ने आरबीआई की विशेष विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा का भरपूर लाभ उठाया. हालांकि, सितंबर के आखिरी दिनों में एडवांस टैक्स के भुगतान के कारण बैंकों से पैसा बाहर निकला, जिससे नकदी थोड़ी संतुलित हुई. अच्छी बात यह है कि देश में बैंकों के पास जमा होने वाले पैसे की रफ्तार तेज हुई है और बाजार में लोन की मांग भी अपनी मजबूत गति बनाए हुए है.

प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमत वृद्धि मामले में मुंबई दुनिया में 8वें स्थान परः नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में जून तिमाही में सालाना आधार पर 6.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मुंबई दुनिया के 46 शहरों में आठवें स्थान पर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया ने यह कहा। आलोच्य तिमाही में दुनिया में प्रमुख आवासीय संपत्तियों की कीमतों में सालाना औसतन 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल 46 शहरों में से 32 में सालाना आधार पर आवासीय संपत्तियों की कीमतें बढ़ीं। नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, बेंगलुरु 4.5 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 12वें और नयी दिल्ली 3.9 प्रतिशत वृद्धि के साथ 17वें स्थान पर रही। आंकड़ों के अनुसार, तोक्यो 50.7 प्रतिशत की सालाना मूल्य वृद्धि के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद क्रमश : मनीला (14.6 प्रतिशत), दुबई (10.9 प्रतिशत), सिंगापुर (9.5 प्रतिशत) और नैरोबी (8.5 प्रतिशत) का स्थान रहा। क्राइस्टचर्च 6.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ छठे और सियोल 6.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ सातवें स्थान पर रहा। वियना 5.9 प्रतिशत वृद्धि के साथ नौवें और सैन फ्रांसिस्को पांच प्रतिशत वृद्धि के साथ 10वें स्थान पर रहा। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर आवासीय संपत्तियों की कीमतों में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि के बीच मुंबई का शीर्ष 10 प्रमुख आवासीय बाजारों में शामिल होना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि शहर में 6.2 प्रतिशत की सालाना वृद्धि प्रमुख आवासीय बाजार में मजबूत मांग को दर्शाती है। इस बाजार में स्थान, गुणवत्ता और अलग तरह की आवासीय पेशकश संपत्तियों के मूल्य को समर्थन दे रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूएस विदेश विभाग का बड़ा बयानः अंतिम चरण में पहुंचा भारत-अमेरिका व्यापार सौदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौता अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है. अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दोनों देश इस समझौते के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को पूरा कर चुके हैं और अब केवल कुछ अंतिम बारीक विवरणों को सुलझाना बाकी है. इस ऐतिहासिक समझौते से दोनों देशों के द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को एक ऐसा नया स्तर और गति मिलेगी, जो पिछले कई दशकों में नहीं देखी गई है. व्यापार हमेशा से भारत और अमेरिका के रणनीतिक संबंधों में सबसे पेचीदा और संवेदनशील मुद्दा रहा है. पीटीआई के एक सवाल का जवाब देते हुए अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'व्यापारिक मोर्चे पर यह समझौता भारत-अमेरिका संबंधों को एक अलग ऊंचाई पर ले जाएगा. दोनों देशों के बीच व्यापारिक नीतियां हमेशा से एक बड़ा गतिरोध रही हैं. लेकिन अब हम इसके बेहद करीब हैं और बहुत जल्द इस संबंध में एक बड़ी और रोमांचक घोषणा देखने को मिल सकती है.' यह बड़ी आर्थिक कूटनीतिक सफलता ऐसे समय में आ रही है जब दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय बैठकों का सिलसिला जारी है. अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अक्टूबर 2026 में भारत का दौरा करने वाले हैं. इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर 2026 में अमेरिका के फ्लोरिडा में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका जाएंगे. अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान कई बड़े और रणनीतिक समझौतों की आधिकारिक घोषणाएं की जा सकती हैं. यह साल भारत और अमेरिका के राजनयिक इतिहास में बेहद असाधारण रहा है. यह पहली बार है जब दोनों देशों के विदेश मंत्री एक ही वर्ष में तीसरी बार मिलने जा रहे हैं, जो क्वाड देशों (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) के बीच बढ़ते आपसी विश्वास और रणनीतिक महत्व को दर्शाता है. इसके अलावा, मई 2027 में नई दिल्ली 'क्वाड' विदेश मंत्रियों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को और मजबूती मिलेगी. भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भी अमेरिका और भारत की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है. गति थोड़ी धीमी जरूर हुई है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में स्थिरता आते ही आईएमईसी कॉरिडोर का काम बेहद तेजी से आगे बढ़ेगा.

बाजार की अनिश्चिता के चलते प्रेस्टीज ग्रुप ने आतिथ्य कारोबार का 2,700 करोड़ रुपए का आईपीओ टाला

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बाजार की अनिश्चित परिस्थितियों और अन्य वजहों का हवाला देते हुए अपने होटल कारोबार के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की योजना को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की सहायक इकाई प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स लिमिटेड (पीएचवीएल) ने आईपीओ लाने के लिए पिछले साल अप्रैल में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा किया था। कंपनी की सार्वजनिक निर्गम के जरिए 2,700 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना थी। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल ने ''रणनीतिक विचारों और बाजार की अनिश्चित स्थितियों को देखते हुए डीआरएचपी वापस लेने'' का निर्णय लिया है। पीएचवीएल बाजार की अनुकूल परिस्थितियों, आवश्यक मंजूरियों और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भविष्य में अपने इक्विटी शेयरों के आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष नए सिरे से मसौदा दस्तावेज दाखिल करने पर विचार कर सकती है। इस साल अगस्त में प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बताया था कि कनाडा की निवेश फर्म सीपीपीआईबी उसकी आतिथ्य शाखा में 3,000 करोड़ रुपए तक का निवेश करेगी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है। यह प्रमुख शहरों में आवास, कार्यालय, मॉल और होटल विकसित करती है। कंपनी के पास कई होटल हैं।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले महंगे हुए सोना-चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आज आप सोने-चांदी की खरीदारी करने का सोच रहे हैं तो आपके लिए खबर है. त्योहारी सीजन से ठीक पहले सोना और चांदी दोनों महंगे हो गए हैं. शुक्रवार 25 सितंबर को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दर्ज की गई. ग्लोबल बैंक यह दावा कर रहे हैं कि दिवाली तक सोने के दाम आसमान छू सकते हैं. वहीं चांदी को लेकर क्र्र

ने दावा किया है कि चांदी के दाम तेजी से बढ़ेंगे. ऐसे में आज ग्लोबल और घरेलू बाजार के रेट्स क्या हैं और स्ष्टङ्ग पर सोना कहां ट्रेड कर रहा है, ये जानते हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (स्ष्टङ्ग) पर अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने का अनुबंध 150 यानी 0.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,50,860 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. बाजार विश्लेषकों का कहना है कि स्थानीय ज्वेलर्स की ओर से आई मजबूत हाजिर मांग के बाद बाजार सहभागियों द्वारा नई पोजीशन बनाने के कारण सोने की कीमतों में यह सुधार देखा गया है. दूसरी ओर, वैश्विक मंच पर भी तेजी रही और न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.01 प्रतिशत बढ़कर 4,275.38 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था.

हाईवे पर थम सकते हैं ट्रकों के पहिये

बैंक हड़ताल से ज्वेलर्स और ट्रांसपोर्टर्स के सामने खड़ा हुआ बड़ा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। 28 से 30 सितंबर 2026 तक होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के कारण देश के दो सबसे बड़े कारोबारी क्षेत्रों-ज्वेलरी और रोड ट्रांसपोर्ट-पर नकदी और सुरक्षा का गंभीर संकट मंडरा रहा है. यह हड़ताल महीने के अंत में ऐसे समय पर हो रही है जब बैंकों में छमाही क्लोजिंग का जरूरी काम होता है. इसके साथ ही, हड़ताल से ठीक पहले चौथा शनिवार और रविवार होने के कारण लगातार 5 दिनों तक देश में फिजिकल बैंकिंग सेवाएं ठप रहने की आशंका है.

यह हड़ताल 'यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस' द्वारा मुख्य रूप से हफ्ते में 5 दिन काम की मांग को लेकर बुलाई गई है. हालांकि ऑनलाइन पेमेंट जैसे यूपीआई, नेट बैंकिंग और आईएमपीएस चालू रहेंगे, लेकिन बैंकों की शाखाएं बंद रहने से भारी-भरकम कैश जमा करने और चेक क्लियरिंग का काम पूरी तरह रुक जाएगा. घरेलू रत्न और आभूषण परिषद के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने 'ईटीवी भारत' से बातचीत में इस संकट की गंभीरता को उजागर किया है. 1,000 करोड़ का दैनिक नकद लेनदेनः राजेश रोकड़े के अनुसार, भारत का घरेलू ज्वेलरी बाजार करीब 10 लाख करोड़ रुपये का है. पहले इस इंडस्ट्री का आधा कारोबार कैश में होता था. आज भी इस सेक्टर में रोजाना 800 से 1,000 करोड़ रुपये का नकद लेनदेन होता है. दुकानों में कैश डंप होने का खतराः 5 दिनों तक बैंक बंद रहने के कारण सराफा व्यापारियों के पास लगभग 4,000 से 5,000 करोड़ रुपये का कैश जमा हो जाएगा. व्यापारियों के लिए इतने बड़े कैश को सुरक्षित रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

चोरी और लूटपाट का डर

दुकानों या लॉकरों में भारी मात्रा में नकदी रखने से सुरक्षा का खतरा बहुत बढ़ जाता है. इससे व्यापारियों की कामकाजी पूंजी भी फंस जाएगी, जिससे वे नए ऑर्डर या सोने की डिलीवरी के लिए भुगतान नहीं कर पाएंगे. ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरीश सभरवाल ने बताया कि इस हड़ताल का सीधा असर देश की लाइफलाइन यानी माल ढुलाई और यात्री परिवहन पर पड़ेगा. देश के हाईवे पर नेशनल परमिट के तहत चलने वाले ट्रकों, बसों, मिनी बसों और टैक्सियों को मिलाकर कुल 90 लाख कमर्शियल वाहन दौड़ते हैं. इनमें करीब 17 लाख केवल बसें और यात्री वाहन हैं. डॉ. सभरवाल के अनुसार, लंबी दूरी के एक वाहन को केवल टोल टैक्स चुकाने के लिए औसतन 50,000 से 70,000 की जरूरत होती है. उदाहरण के लिए, कोलकाता के एक राउंड-ट्रिप का टोल खर्च ही करीब 35,000 आता है. यदि बैंकों की हड़ताल के कारण ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों को कैश नहीं मिला।

क्रेडिट-लाइफ इंश्योरर्स की बल्ले-बल्लेः आईआरडीएआई के नए नियमों से इन बीमा कंपनियों को मिलेगा फ़ायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बीमा नियामक द्वारा इंश्योरेंस एजेंटों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के कमीशन में कटौती के प्रस्तावित नियमों से लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को बड़ा वित्तीय लाभ मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस ज़्यादा है, उन्हें कमीशन की प्रस्तावित कम दरों से फ़ायदा हो सकता है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों के 'एनुअलाइज़्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट' में क्रेडिट-लाइफ बिज़नेस का हिस्सा ज़्यादा है, उन्हें इंश्योरेंस रेगुलेटर द्वारा कमीशन दरों में प्रस्तावित बदलावों से फ़ायदा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के प्रस्तावित नियमों से पूरी लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री में कमीशन का भुगतान कम हो सकता है

खर्चों पर ज़्यादा सख्ती से नियंत्रण किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, 'हमारा मानना है कि लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को कमीशन की कम दरों से फ़ायदा होगा, खासकर उन कंपनियों को जिनका एपीई में क्रेडिट-लाइफ का हिस्सा ज़्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन कंपनियों का क्रेडिट-लाइफ एक्सपोज़र ज़्यादा है, उन्हें ऐसे प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरों में भारी कटौती से फ़ायदा हो सकता है। प्रस्तावित ढांचे के तहत, क्रेडिट-लाइफ प्रोडक्ट्स के लिए कमीशन दरें घटाकर 2 प्रतिशत की जा सकती हैं। प्रतिशत कर दी जाएगी। सेंट्रम ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाली कम लागत वाली इंश्योरेंस कंपनियां आखिरकार अपने खर्च के स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक ला सकती हैं। खर्च की नई सीमाओं को लागू करने के लिए, कमीशन का भुगतान प्रोडक्ट के स्ट्रक्चर, पॉलिसी की अवधि और डिस्ट्रीब्यूशन चैनल के आधार पर तय किया जाएगा। प्रस्तावित कमीशन दरें 10 साल या उससे ज़्यादा समय की लंबी अवधि वाली पॉलिसी बेचने वाले व्यक्तिगत एजेंटों के लिए 25 प्रतिशत से लेकर सिंगल-प्रीमियम पॉलिसी के लिए 2-10 प्रतिशत तक हैं।

डिस्ट्रीब्यूटर्स कम कमीशन के हिसाब से खुद को ढालेंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन बदलावों से कंपनियां रिटेल प्रोटेक्शन प्रोडक्ट्स पर ज़्यादा ध्यान देने, खर्च कम रखने और अपनी बिज़नेस रणनीतियों में बदलाव करने के लिए प्रेरित हो सकती हैं, क्योंकि डिस्ट्रीब्यूटर्स कम कमीशन के हिसाब से खुद को ढालेंगे। सेंट्रम ने कहा, 'संरचनात्मक रूप से, हमें उम्मीद है कि कंपनियां रिटेल प्रोटेक्शन पर ज़्यादा ध्यान देंगी, खर्च कम रखेंगी और कुछ कैटेगरी में वॉल्यूम कम देखेंगी क्योंकि डिस्ट्रीब्यूटर्स कम कमीशन के हिसाब से खुद को ढालेंगे।' 'एक्सपेंस ऑफ़ मैनेजमेंट' की सीमा को स्न्ङ्ख28 से शुरू होने वाले दो वर्षों के भीतर 'ग्रॉस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम' के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया।

शीर्ष नौ शहरों में जुलाई-सितंबर के बीच आवास बिक्री 6 प्रतिशत घटकर 1.03 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के नौ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत घटकर 1.03 लाख इकाई रह गई। रियल एस्टेट के आंकड़ों का अवलोकन करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी घर खरीदने की धारणा को प्रभावित किया है। प्रॉपइक्विटी ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कोलकाता के प्राथमिक आवासीय बाजारों के आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में इन नौ शहरों में आवास बिक्री 1,03,170 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,09,420 इकाई थी। समीक्षाधीन तिमाही में नए घरों की आपूर्ति घटकर 98,165 इकाई रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,00,330 इकाई की नई आपूर्ति हुई थी। आमतौर पर जुलाई-सितंबर तिमाही में मानसून के कारण आवासीय बिक्री

धीमी रहती है। बारिश के चलते रियल एस्टेट डेवलपर नयी परियोजनाएं शुरू करने से बचते हैं।

वहीं, दिसंबर तिमाही में त्योहारी मांग बढ़ने से बिक्री में सुधार आता है। इस मांग का लाभ उठाने के लिए डेवलपर नई आपूर्ति बढ़ाने के साथ ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन भी देते हैं। इन प्रमुख शहरों में से बेंगलुरु में बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 17,340 इकाई हो गई, जो पिछले साल 17,170 इकाई थी। हैदराबाद में बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 15,470 इकाई रही, जबकि पिछले साल यह 13,890 इकाई थी। मुंबई में आवास बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 9,830 इकाई रही।

बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 8,090 इकाई रही

मुंबई महानगर क्षेत्र के ठाणे में बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत घटकर 16,230 इकाई रही, जबकि नवी मुंबई में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 9,810 इकाई हो गई। पुणे में आवास बिक्री 16 प्रतिशत घटकर 17,860 इकाई रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 21,190 इकाई थी। दिल्ली-एनसीआर में बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 8,090 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,230 इकाइयां थीं। चेन्नई में आवास बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 4,680 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल यह 5,640 इकाई थी। कोलकाता में भी आवास बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 3,860 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 4,640 इकाई थी। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) समीर जसूजा ने कहा कि शीर्ष श्रेणी के शहरों में आवासीय संपत्तियों की नई आपूर्ति और बिक्री अब भी तिमाही आधार पर करीब एक लाख इकाइयों के आसपास बनी हुई है।

एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आईपीओ को 177 गुना बोली मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन करीब 177 गुना अभिदान मिला। इसके साथ ही चार सार्वजनिक निर्गम अधिक अभिदान के साथ बंद हुए। अन्य तीन आईपीओ स्वास्तिका इंफ्रा, एलिवेट कैम्पसेज और आरमी इंफोटेक के हैं। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, एडरॉयट इंडस्ट्रीज के 151 करोड़ रुपए के आईपीओ में 78,72,900 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,39,22,95,200 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। इस तरह आईपीओ 176.85 गुना अभिदान हुआ। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 332.35 गुना, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 195.04 गुना और खुदरा निवेशकों के हिस्से को 99.81 गुना अभिदान मिला। एडरॉयट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड के आईपीओ का मूल्य दायरा 126-134 रुपए प्रति शेयर है। इसमें 98,97,000 तक नए इक्विटी शेयरों का निर्गम और 13,50,000 तक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। विद्यार्थियों के लिए आवास सुविधाएं और किंडरगार्टन से 12वीं कक्षा तक की स्कूली शिक्षा से जुड़ी कंपनी एलिवेट कैम्पसेज के 2,100 करोड़ रुपए के आईपीओ को शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 1.79 गुना अभिदान मिला। इसे

3,36,73,468 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 6,02,86,769 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। एलिवेट कैम्पसेज के आईपीओ में नए इक्विटी शेयरों का निर्गम शामिल है और बिक्री पेशकश का कोई हिस्सा नहीं है। इसका मूल्य दायरा 343-362 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। ऊपरी मूल्य दायरे पर कंपनी का मूल्यांकन 6,100 करोड़ रुपए से अधिक होगा। स्वास्तिका इंफ्रा के 161 करोड़ रुपए के आईपीओ को शुक्रवार को 7.60 गुना अभिदान मिला।

मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी का विरोध

राजद ने मुख्य चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जिला मुख्यालय के गोकुलपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध जताया। पार्टी नेताओं के अनुसार, यह प्रदर्शन बिहार और पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किए जाने के आरोपों के विरोध में किया गया। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित प्रदर्शन का नेतृत्व राजद जिलाध्यक्ष महावीर मड़ैया ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के कारण राजद को नुकसान हुआ। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि मांग पूरी नहीं होने पर पार्टी कार्यकर्ता आगे भी आंदोलन करेंगे। हालांकि, मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में आती है और आयोग

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, सुधार तथा अन्य चुनावी सेवाओं के लिए आधिकारिक व्यवस्था संचालित करता है। प्रदर्शन में जिला सचिव रंजीत कुमार सिंह, युवा जिलाध्यक्ष अमन कुमार सिंह, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष लाल मरांडी, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मनोज मड़ैया, युवा जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह, रमेश कुमार सिंह, हजरत शेख, बाबू पांडे, रोहन कुमार सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता और महिलाएं मौजूद थीं।

ट्रैक पर पेड़ गिरने से ट्रेन सेवा बाधित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। पटना-हावड़ा मुख्य रेलखंड पर शनिवार को दादुपुर-चौरा के बीच पेड़ गिरने से ट्रेनों की रफ्तार थम गई। पूर्वाह्न 11:17 बजे हुई घटना के बाद अप और डाउन दोनों पटरियों पर आवागमन प्रभावित हो गया। ओवरहेड बिजली तार क्षतिग्रस्त होने की आशंका के चलते रेलवे ने तत्काल परिचालन रोक दिया। इसका असर लंबी दूरी के साथ-साथ स्थानीय ट्रेनों पर भी पड़ा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पोल संख्या 380/24-26 के समीप अप लाइन की ओर एक पेड़ काटा जा रहा था। कटाई के दौरान पेड़ अनियंत्रित होकर डाउन लाइन के ओवरहेड तार पर जा गिरा। सूचना मिलते ही स्थानीय कर्मियों ने झाझा नियंत्रण कक्ष को जानकारी दी। वहां से दानापुर मंडल के नियंत्रण कक्ष को अवगत कराया गया।परिस्थिति को सामान्य करने के लिए झाझा से इंजन तथा तकनीकी कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। यातायात निरीक्षक रवि गुप्ता ने घटनास्थल पर पहुंचकर पेड़ हटाने का काम शुरू कराया। रेलकर्मी बिजली तार और ट्रैक को सुरक्षित करने में जुटे रहे।स्टेशन प्रबंधक रविकांत माथुरी ने बताया कि झाझा स्टेशन पर हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस करीब 40 मिनट रुकी रही। जसीडीह-किऊल ट्रेन लगभग दो घंटे तक खड़ी रही।दुरंतो एक्सप्रेस चौरा से पहले,गया-झाझा मेमू, जमुई तथा पुणे-जसीडीह एक्सप्रेस किऊल में रोक दी गई।

अचानक ट्रेनों के ठहराव से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। कई यात्री निर्धारित समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच सके,जबकि स्टेशनों पर प्रतीक्षारत यात्रियों को भी स्थिति सामान्य होने का इंतजार करना पड़ा। रेलवे की टीम ने युद्धस्तर पर काम कर मार्ग बहाल करने की कवायद जारी रखी।

बढ़ती नशाखोरी के खिलाफ रैली

पाकुड़। पाकुड़ सदर प्रखंड के मनीरामपुर गांव में बढ़ती नशाखोरी और कथित अवैध गतिविधियों के खिलाफ नशा मुक्ति समिति ने जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान ग्रामीणों ने लोगों से नशे से दूर रहने और गांव को नशामुक्त बनाने की अपील की।

रैली के बाद समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने समाहरणालय पहुंचकर एसपी अनुदीप सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में नशाखोरी के साथ कथित अवैध लॉटरी और कचरे का कारोबार भी चल रहा है। उनका कहना है कि इससे बच्चों में नशे की बढ़ती लत का असर छोटे बच्चों पर भी पड़ रहा है। आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा बच्चों से कचरा चुनने का काम कराया जा रहा है और उन्हें कम मजदूरी दी जा रही है।

ग्रामीणों ने दावा किया कि अवैध गतिविधियों का विरोध करने पर उन्हें धमकियां भी दी जाती हैं। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले की जांच कर कार्रवाई करने तथा मनीरामपुर गांव को नशामुक्त बनाने की मांग की है।

मानव अधिकार फोरम ने बांटा भोजन और पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। मानव अधिकार फोरम झारखंड की ओर से प्रदेश महासचिव मुख्तार अहमद के नेतृत्व में एसएनएमएमसीएच अस्पताल परिसर में भोजन और पानी का वितरण किया गया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने भोजन ग्रहण किया। भोजन और पानी लेने के लिए अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुटी रही। लाभार्थियों ने इस सामाजिक पहल के लिए आयोजकों का आभार जताया।

आयोजकों ने बताया कि धनबाद में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश को देखते हुए अस्पताल में इलाजरत मरीजों के परिजनों और अन्य जरूरतमंद लोगों की मदद के उद्देश्य से भोजन वितरण का निर्णय लिया गया। उनका कहना था कि बारिश के कारण कई लोगों को भोजन और पानी की परेशानी हो रही थी। ऐसे में जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना जरूरी समझा गया।

फोरम के सदस्यों ने कहा कि भूखे और परेशान लोगों को भोजन उपलब्ध कराना सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ मानव सेवा का कार्य है। उन्होंने भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इस तरह के कार्यक्रम जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम के आयोजन में प्रदेश महासचिव मुख्तार अहमद, प्रदेश अध्यक्ष सुदिष्ट कुमार, धनबाद जिला अध्यक्ष संगीत सिंह, समाजसेवी सनोज सिंह, मनोहर सिंह, हाजी जमीर आरिफ, मनव्वर अख्तर, नुमान खान, मो. बादशाह समेत अन्य सदस्यों की भूमिका रही।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोपित धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र की एक महिला ने महेशपुर थाना क्षेत्र के खेड़ीबाड़ी गांव निवासी गणेश सोरेन उर्फ गणेश मरांडी के खिलाफ शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण करने, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला के लिखित आवेदन के आधार पर महेशपुर थाने में मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में पाकुड़ भेज दिया।

आवेदन के अनुसार, महिला की करीब 10 वर्ष पहले गणेश सोरेन से मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया। महिला का आरोप है कि गणेश ने शादी का भरोसा देकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद दोनों चेन्नई चले गए और वहां साथ रहने लगे। महिला के अनुसार, चेन्नई में वह गर्भवती हुई और एक बच्ची को जन्म दिया।

महिला ने आरोप लगाया कि शादी के लिए दबाव बनाने पर आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा।

करीब चार महीने पहले दोनों चेन्नई से लौटे और अपने-अपने घर चले गए। 24 सितंबर को महिला आरोपी के घर खेड़ीबाड़ी पहुंची और शादी करने की बात कही। आरोप है कि इस दौरान गणेश मरांडी ने उसके साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की तथा जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया।

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि चेन्नई में उसके द्वारा मजदूरी से कमाए करीब दो लाख रुपये आरोपी अपने साथ ले गया। महिला के आवेदन पर महेशपुर थाना में कांड संख्या 162/26, दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर स्वास्थ्य परीक्षण के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

हड़ताल से ओपीडी सेवा ठप

समस्तीपुर। सहरसा सदर अस्पताल के चिकित्सकों के विरुद्ध सरकार की ओर से की गई कार्रवाई के विरोध में शुरू हुआ चिकित्सकों का कार्य बहिष्कार शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। भासा के आह्वान पर सदर अस्पताल समेत जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों ने ओपीडी सेवा का बहिष्कार किया। इससे इलाज कराने पहुंचे मरीजों और उनके स्वजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार सुबह से ही सदर अस्पताल की ओपीडी में मरीज और उनके स्वजन पहुंचने लगे थे। चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के कारण नियमित जांच और उपचार नहीं किया गया। इसके बाद कई मरीज निजी क्लीनिक की ओर रुख करने लगे। कार्य बहिष्कार में डा. नागमणि राज, डा. सैयद मेराज इमाम, डा. पवन कुमार, डा. पुष्पा रानी, डा. मंजुला भगत, डा. सत्येन्द्र कुमार, डा. मनीष साह और डा. राजेश यादव शामिल रहे। इनके अलावा डा. आशुतोष कुमार, डा. आभाष कुमार, डा. राजेश कुमार, आयुष चिकित्सक डा. नीरज कुमार, डा. असरफ मुख्तार और डा. संजीव कुमार समेत अन्य चिकित्सकों ने भी कार्य बहिष्कार किया।

स्वर्णरेखा और खरकई नदियां डेंजर लेवल से उपर

निचले इलाकों में तीसरी बार बिगड़े हालात□कल्पनापुरी के कई घरों में घुसा का बाढ़ पानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। बारिश से जमशेदपुर शहर में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। स्वर्णरेखा और खरकई नदियां डेंजर लेवल पार कर बह रही हैं। निचले इलाकों में पानी तेजी से फैलने के कारण बागबेड़ा, कदमा, शंकोसाई समेत आसपास के क्षेत्रों में 500 से अधिक घरों में पानी घुस गया है। लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

कई परिवारों ने छत पर रात गुजारी, जबकि कुछ लोग सामान लेकर पड़ोसियों के घरों में शरण लेने को मजबूर हुए। मानगो क्षेत्र में स्वर्णरेखा नदी का डेंजर लेवल 121.50 मीटर है, जबकि शुक्रवार को जलस्तर 122.22 मीटर पहुंच गया। यानी नदी खतरे के निशान से 72 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। वहीं, आदित्यपुर क्षेत्र में खरकई नदी का डेंजर लेवल 129 मीटर है और जलस्तर बढ़कर 131.70 मीटर पहुंच गया। यह खतरे के निशान से 2.70 मीटर अधिक है। अगले 24 घंटे में दोनों नदियों का जलस्तर और बढ़ने की संभावना जताई गई है।

बागबेड़ा, कदमा और शंकोसाई में घरों में पानी घुसने के बाद प्रशासन की चिंता लगातार

बढ़ती जा रही है।

कई परिवारों के सामने रात गुजारने की चुनौती रही। शहर में लगातार बारिश से साकची, जुगसलाई, कदमा समेत कई प्रमुख सड़कों पर पानी जमा हो गया। यातायात प्रभावित रहा। कई कार और मोटरसाइकिलों के इंजन में पानी घुसने से वाहन बीच सड़क पर बंद हो गए। लोगों को गाड़ियां ठेलकर सुरक्षित स्थान तक ले जानी पड़ीं।

लगातार बारिश और जलस्तर बढ़ने के बाद शुक्रवार को चांडिल डैम के सभी 13 रेडियल गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई। आठ गेट दो-दो मीटर और पांच गेट आधा-आधा मीटर खोले गए।

शाम को डैम का जलस्तर 180.95 मीटर दर्ज किया गया। सुबह यह 181.05 मीटर तक पहुंच गया था।

आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के नदी तटवर्ती इलाकों में भी स्थिति गंभीर है। कल्पनापुरी के कई घरों में बारिश और नदी का पानी घुस गया। राम मड़ैया और सालडीह बस्ती में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

चांडिल डैम से कुल डिस्चार्ज लगभग 1829.99 क्यूमेक दर्ज किया गया। इसमें डैम-बैराज से 1813.28 और नहर से 16.71 क्यूमेक पानी शामिल है। एक्स-गलुडीह बैराज से 3610.31 क्यूमेक, गंजिया बैराज से 1923.55 क्यूमेक, बांकाबाल डैम से 400.55 क्यूमेक और खरकई डैम से 206.74 क्यूमेक डिस्चार्ज दर्ज किया गया।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को भी मौसम खराब रहने की संभावना है। 26 सितंबर को दोपहर में जारी पूर्वानुमान के अनुसार कोल्हान में झारखंड में लगभग सभी स्थानों पर बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश, गरज, वज्रपात और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

शुक्रवार को जमशेदपुर में 29.6 एमएम बारिश दर्ज की गई, जबकि पिछले 24 घंटे में सरायकेला-खरसावां जिले में राज्य में सबसे अधिक 94.5 एमएम बारिश रिकार्ड हुई। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

हर्षोल्लास से मनी दिनकर जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। टिकारी राज इंटर कॉलेज के सभागार में शनिवार को राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जयंती समारोह हर्षोल्लास एवं साहित्यिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एनसीसी कैडेट्स द्वारा अतिथियों को सलामी देकर स्वागत से हुई। इसके बाद अतिथियों ने दिनकर के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

समारोह का विधिवत उद्घाटन अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईपीएस राज्यवर्धन शर्मा, मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक अजय कुमार, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त विशेष सचिव राय मदन किशोर, आयोजक हिमांशु शेखर, प्राचार्य सैयद अब्बार हुसैन, सतेन्द्र नारायण एवं सुमंत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजक हिमांशु शेखर ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया। समारोह में 25 सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने दिनकर की कविताओं का प्रभावशाली काव्य-पाठ, निबंध लेखन तथा चित्रकला प्रतियोगिता में

भाग लिया।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी। विशिष्ट अतिथि राय मदन किशोर ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में साहित्य के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित करते हैं। विधायक अजय कुमार ने कहा कि दिनकर ने अपने संघर्ष, ओजस्वी लेखनी और राष्ट्रभावना के बल पर राष्ट्रकवि का सम्मान प्राप्त किया। अध्यक्ष राज्यवर्धन शर्मा ने कहा कि दिनकर ने अंग्रेजी शासन की नाराजगी के बावजूद अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया तथा भारतीय संस्कृति के चार अध्याय भारतीय संस्कृति को समझने की अत्यंत महत्वपूर्ण कृति है। उन्होंने आयोजन के लिए हिमांशु शेखर एवं सभी सहयोगियों को साधुवाद दिया।

कार्यक्रम का संचालन संजय अथर्व ने तथा धन्यवाद ज्ञापन हिमांशु शेखर ने किया। समारोह में सुरेश यादव, रामेश्वर उच्च विद्यालय, बेलागंज के प्रधानाचार्य मो अबरार आलम, प्रो. मुद्रिका नायक, राम लखन भगत, किशोर यादव, सुभाष यादव, मनु मणि, रंजय रश्मि, मुखिया रामजी शर्मा, मुखिया अरविंद सिंह, उप प्रमुख गया दत्त शर्मा, अखलेश शर्मा, प्रो. राजन, शिव शंकर शर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिरनी। पिता का श्राद्ध खत्म भी नहीं हुआ और ब्रह्मभोज में ही पुत्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। कोडरमा-कोवाड़-भरकट्टा मुख्य मार्ग पर भरकट्टा ओपी क्षेत्र के गारागुरो के समीप हुए सड़क हादसे में साले की मौत हो गई, जबकि उसका जीजा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक गारागुरो निवासी 45 वर्षीय छोटेलाल यादव था, जबकि घायल मृतक का जीजा जमुआ थाना क्षेत्र के कुसैया निवासी 50 वर्षीय छत्रधारी यादव है। घटना शुक्रवार शाम करीब सात बजे की है। बताया जाता है कि छोटेलाल यादव के पिता का श्राद्ध कर्म चल रहा था। शाम को वह घर से कुछ सामान फेंकने के लिए बाहर गया था। उसके साथ उसका जीजा छत्रधारी यादव भी था। दोनों पैदल ही घर लौट रहे थे।

घर से महज 20 मीटर पहले मुख्य सड़क पर अंधेरा और तेज बारिश के कारण सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आवाज सुनकर स्वजन और ग्रामीण पर पहुंचे और दोनों को तुरंत इलाज के लिए गिरिडीह के मसीं अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने छोटेलाल यादव को देखते ही मृत घोषित कर दिया, जबकि छत्रधारी यादव का इलाज चल रहा है।

स्वजन देर रात ही शव को घर ले आए। शव घर पहुंचते ही पुत्र-पुत्री और स्वजन का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। स्वजन की चीख-पुकार से पूरे गांव में कोहराम मच गया। पिता के श्राद्ध के बीच बेटे की मौत से स्वजन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। टक्कर मारने वाला घटना स्थल पर बाइक को छोड़ अंधेरे का लाभ उठा भाग निकला।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और स्वजन ने शनिवार सुबह छोटेलाल यादव के शव को कोडरमा-भरकट्टा मुख्य मार्ग पर गारागुरो के पास घर के सामने रखकर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों ने मृतक के आश्रितों के लिए मुआवजा और घायल के इलाज की मांग की।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अवैध पार्किंग पर होगी सख्ती : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दुर्घटना संभावित स्थलों और चिह्नित ब्लैक स्पॉट का स्थलीय निरीक्षण कर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने को कहा गया।

उपायुक्त ने पिंड्राजोरा-जोधाडीह सड़क को संवेदनशील बताते हुए अवैध पार्किंग के खिलाफ नियमित अभियान चलाने और नियम तोड़ने वाले वाहनों पर जुर्माना लगाने का निर्देश दिया। सिवनडीह-बालीडीह और दातू-रामगढ़ सीमा मार्ग समेत अन्य संवेदनशील सड़कों पर भी विशेष निगरानी रखने को कहा गया। ढाबों और अन्य प्रतिष्ठानों के आसपास सड़क पर खड़े वाहनों के

संचालकों को नोटिस देने तथा नियमानुसार कार्रवाई का निर्देश दिया गया। आईटीआई मोड़ पर क्षतिग्रस्त रोड बैरियर की मरम्मत, बैरिकेडिंग और सूचना बोर्ड लगाने को कहा गया। जोधाडीह मोड़ से आईटीआई मोड़ के बीच लंबे समय से खड़ी चार गाड़ियों को हटाने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में स्कूल बस चालकों और खलासियों का पुलिस सत्यापन कराने, नशे में वाहन चलाने वालों की सांस जांच मशीन से जांच करने तथा सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। पुलिस जवानों को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण देने और सभी थानों व संबंधित वाहनों में प्राथमिक उपचार पेटी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले पुलिसकर्मियों और आम नागरिकों को सम्मानित करने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान गुड सेमेरिटन अनिल अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पर्व-त्योहारों में स्टंटबाजों पर रहेगी पुलिस की नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। पटना रेंज के आइजी जितेंद्र राणा ने शनिवार को नालंदा जिला मुख्यालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले की कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में एसपी हृदय कांत, सभी डीएसपी और प्रमुख थानों के थानाध्यक्ष शामिल हुए। आइजी ने लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आइजी ने कहा कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लंबित मामलों में आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी कर कांडों के निष्पादन की प्रक्रिया तेज करने को कहा।त्योहारों के दौरान महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। मंदिरों, पूजा पंडालों और नदी घाटों पर महिलाओं की अधिक भीड़ को देखते हुए महिला कॉलेजों, स्कूलों, कोचिंग संस्थानों और धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष निगरानी रखने को कहा गया। इन स्थानों पर सादे लिबास में पुलिसकर्मियों के साथ महिला पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी।

त्योहारी मौसम में शराब और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। आइजी ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ समय रहते निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें आयोजित करने को कहा। सड़कों पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने और स्टंट करने वालों के खिलाफ भी पुलिस को सख्ती बरतने का निर्देश दिया गया। रांची-पटना हाईवे सहित नवनिर्मित चौड़ी सड़कों पर, जहां तेज रफ्तार और स्टंट के कारण दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां विशेष गश्ती दल तैनात किए जाएंगे।

ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनाने की पहल

पाकुड़ में इनक्यूबेशन कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ समाहरणालय सभागार में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) और आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क के संयुक्त तत्वावधान में इनक्यूबेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार भगत, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बोकुल दा और जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं ने छोटे स्तर से व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। अब उन्हें अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, बाजार से जुड़ाव और व्यवसाय विस्तार पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महुआ, कच्चू, मशरूम सहित स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन,

प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि इनक्यूबेशन कार्यक्रम ग्रामीण उद्यमियों की पहचान, उत्पाद विकास, ब्रांडिंग, वित्तीय सहयोग और बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे महिलाओं की आय बढ़ाने और लखपति दीदी अभियान को गति देने में मदद मिलेगी।

आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क के प्रतिनिधि आलोक कुमार ने बताया कि चयनित उद्यमियों को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, विपणन और व्यवसाय विस्तार में सहयोग दिया जाएगा। जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक कुमार भगत ने स्थानीय उत्पादों से जुड़े व्यवसायों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को उत्पाद विकास, ब्रांडिंग, बाजार से जुड़ाव और वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी गई।

बेटे-बहू पर बुजुर्ग मां से मारपीट का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। महेशपुर थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव में शनिवार को एक बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे और बहू पर खाना-पानी नहीं देने तथा मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता जाहेदा बेवा ने मामले को लेकर महेशपुर थाना में शिकायत की है। पीड़िता के अनुसार, उसका छोटा बेटा अब्बास मुल्ला और बहू हसीना बीबी उसके साथ अक्सर गाली-गलौज और झगड़ा करते हैं। महिला का आरोप है कि उसे खाना-पानी, कपड़ा और दवा भी नहीं दी जाती है। शनिवार 26 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे बेटे और बहू ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट में उसकी बाईं आंख के ऊपर गंभीर चोट लगी।घटना की जानकारी मिलने के बाद महेशपुर थाना प्रभारी रवि शर्मा ने घायल बुजुर्ग महिला को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महेशपुर भेजा।

थाना प्रभारी ने बताया कि बुजुर्ग महिला के साथ उसके बेटे और बहू द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता का लिखित आवेदन प्राप्त होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमुई पीड़िता का बयान कोर्ट में हुआ कलमबंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। देर शाम क्लियरेंस डे के कारण कोर्ट में सन्नाटा होने के बावजूद पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश की अदालत में दो नाबालिगों के साथ दुर्व्यवहार मामले में अनुसंधानकर्ता पुलिस पदाधिकारी रूबी कुमारी पीड़ित नाबालिग लड़के को उसके स्वजन के साथ लेकर कोर्ट पहुंचीं। उन्होंने पहले विशेष न्यायाधीश महेश्वर दुबे की अदालत में उसे प्रस्तुत किए जाने के बाद अन्य कोर्ट में बयान कराया गया। इसी बीच बदलते घटनाक्रम में जमुई की एसडीपीओ दीप्ति मोनाली भी पोक्सो के विशेष न्यायाधीश से मिलने अदालत पहुंचीं। ऐसा समझा जा रहा है कि केस की स्पीडी ट्रायल में आगे बढ़ाने के लिए कुछ मंत्रणा हुई है, जिसमें पोक्सो के विशेष लोक अभियोजक मनोज कुमार शर्मा भी मौजूद रहे।

बारिश से सड़कें बनी झील

पटना। बिहार की राजधानी पटना में लगातार चौथे दिन शनिवार को वर्षा ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। आंधी के साथ हुई मूसलधार वर्षा से शहर के कई मोहल्लों और प्रमुख सड़कों पर जलजमाव हो गया।

कई जगह घुटने भर तक पानी जमा होने से लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी हुई। दोपहिया वाहन पानी में बंद होते रहे, जबकि कार और ऑटो चालकों को भी पानी के बीच से गुजरना पड़ा। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को घर से निकलने में काफी परेशानी हुई। एयरपोर्ट, सचिवालय, महावीर मंदिर, आर ब्लाक स्थित वीर कुंवर सिंह पार्क, बकरी मार्केट, सद्भावना नगर, गांधी मैदान के आसपास, आइजीआइएमएस के पीछे, बिहार विद्यापीठ, मे-फ्लावर गली और गंगा किनारे के इलाकों में पानी जमा रहा। कंकड़बाग, करबिगहिया, चिरैयाटाड़ पुल, राजेंद्र नगर टर्मिनल, खेतान मार्केट, नवाब बहादुर रोड, जल्ला रोड और एनएमसीएच रोड की स्थिति भी प्रभावित रही।

अनाहत सिंह ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बनीं

नागोया। भारत की अनाहत सिंह ने जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 (9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही अनाहत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं। 18 साल की भारतीय खिलाड़ी को शुरुआती दो गेम 9-11 और 11-13 से हारने के बाद कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने गेम प्वाइंट्स बचाकर और 8-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरा गेम 12-10 से जीतकर खुद को मुकाबले में बनाए रखा। इसके बाद अनाहत ने चौथे गेम में शानदार वापसी की। 8-6 से पिछड़ने के बाद, उन्होंने लगातार पांच प्वाइंट जीतकर गेम 11-6 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल को 2-2 की बराबरी पर लाकर निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें और आखिरी गेम में दबदबा बनाया और इसे 11-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अनाहत की जीत से उनका मेडल पक्का हो गया है। यह युवा खिलाड़ी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में अपना पहला सिंगल्स मेडल (गोल्ड या सिल्वर) जीतेगी। वातानाबे के तीसरे गेम हारने के बाद, मैच का रुख पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में हो गया। उन्होंने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और बेहतरीन रैकेट कौशल दिखाते हुए आखिरी दो गेम में अपनी जापानी प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया।

अनाहत की जीत फाइनल के लिहाज से भी बहुत अहम है, क्योंकि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर लॉस एंजिल्स ओलंपिक में सीधे एंट्री मिलती है। अनाहत सिंह पिछली बार एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली महिला और मिक्स्ड टीम का भी हिस्सा थीं। यह युवा खिलाड़ी अब महिला सिंगल्स फाइनल के लिए कोर्ट पर उतरेगी।

अनाहत के बाद...

अभय सिंह ने भी बनाई फाइनल में जगह

भारत के अभय सिंह ने शनिवार को पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को 3-0 (11-3, 12-10, 11-6) से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, अनाहत महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहले ही पहुंच चुकी हैं। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। दोनों ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करने के करीब हैं। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह, सौरव घोषाल के बाद एशियन गेम्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। सौरव घोषाल ने 2014 और 2023 में सिल्वर मेडल जीता था। अभय ने इरफान के खिलाफ पहला गेम 11-3 से जीतकर शानदार शुरुआत की। इरफान ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर छोटरानी को हराया था। दूसरे गेम में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी और स्कोर 10-10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने संयम बनाए रखा और 12-10 से गेम जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरा गेम भी पहले गेम जैसा ही रहा। अभय ने खेल पर पकड़ बनाई और चार मैच प्वाइंट हासिल किए। उन्होंने पहले ही मैच प्वाइंट को भुनाते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज की और गोल्ड-मेडल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

पुरुष मैराथन में 44 साल बाद देश को दिलाया पदक

सावन बरवाल ने जीता सिल्वर मेडल

नागोया। भारत के सावन बरवाल ने एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष मैराथन में सिल्वर मेडल जीता। बरवाल के सिल्वर ने इवेंट में देश के मेडल जीतने का 44 साल का इंतजार समाप्त किया। भारतीय नेशनल रिकॉर्ड-होल्डर बरवाल नागोया में एक कड़े मुकाबले वाली रेस में मेडल की दौड़ में बने रहे और फिर 42.195 किलोमीटर के इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उनका सिल्वर मेडल 1982 के एडिशन के बाद भारत का पहला एशियन गेम्स मैराथन मेडल है और विदेशी धरती पर किसी भारतीय पुरुष का पहला मेडल है। मैराथन सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू हुई, जिसमें बरवाल और साथी भारतीय धावक कार्तिक करकेरा सहित 19 प्रतिभागी शामिल थे। बरवाल शुरुआती स्टेज में लीडिंग ग्रुप में मजबूती से बने रहे, फिर जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ी, उन्होंने सबसे आगे अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। आधे रास्ते तक, बरवाल पहले ही दूसरे स्थान पर थे। इसके बाद, जब रेस आगे बढ़ने लगी, तो वह मेडल की दौड़ में बने रहे और 35 किलोमीटर के निशान पर 1:49:29 की रिपोर्टेड टाइमिंग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रेस के लगभग सात किलोमीटर बाकी रहने पर बरवाल जापान के इचिताका यामाशिता का पीछा कर रहे थे। जापानी धावक ने एक बड़ा गैप बना लिया, लेकिन बरवाल ने आखिरी स्टेज तक अपनी जगह बनाए रखी और सिल्वर मेडल की दौड़ में बने रहे। बरवाल की इस कामयाबी से भारत के ऐतिहासिक एशियन गेम्स मैराथन मेडल की गिनती में चौथा मेडल जुड़ गया है। छोटा सिंह ने पहले 1951 एशियन गेम्स में गोल्ड जीता था, जबकि सूरत सिंह माथुर ने उसी एडिशन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। होसुर कुक्कप्पा सीतारण ने 1982 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। बरवाल का सिल्वर मेडल अब 44 सालों में कॉन्टिनेंटल इवेंट में भारत का पहला मैराथन मेडल बन गया है। रेस में दूसरे भारतीय कार्तिक करकेरा 2:22:41 में मैराथन पूरी करके 17वें स्थान पर रहे।

जोशना-सेंथिलकुमार की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में हारे

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने स्क्वैश में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की जोड़ी ली का यी और तांग मिंग होंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एक बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार सेमीफाइनल में 1-2 (10-11, 11-2, 10-11) से हार गई। इस हार के साथ उनका फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी 10-8 से आगे थी और उसके पास मैच जीतने के तीन मौके थे। हालांकि, वे इन मौकों का फायदा नहीं उठा सके। दबाव भरे क्षणों में जोशना का एक शॉट बाहर चला गया, जिससे वे निर्णायक गेम हार गए और उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। यह चिनप्पा का छठा एशियन गेम्स मेडल है। इससे पहले यह अनुभवी खिलाड़ी तीन ब्रॉन्ज और दो सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, उनके मेडल कलेक्शन में अभी भी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट का गोल्ड मेडल शामिल नहीं हो पाया है।

संक्षिप्त समाचार

जीत के साथ

आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन सिंगल्स मुकाबलों के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल की और भारत की सिंगल्स स्पर्धा में मेडल की उम्मीदों को बरकरार रखा। आयुष को जहां कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से हराने में सिर्फ 21 मिनट लगे, वहीं उन्नति को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से कड़ी टक्कर मिली और उन्हें 79 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आयुष के लिए दूसरे दौर का मुकाबला आसान रहा।

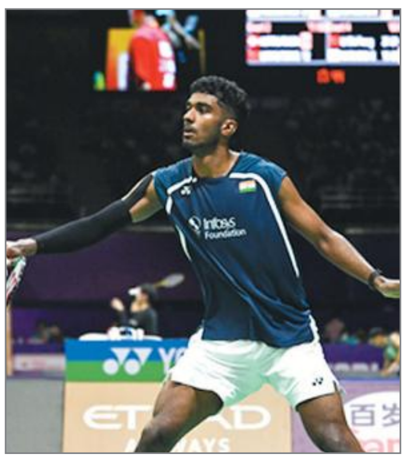

दुनिया के 20वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और ताजीबुल्लायेव को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष की सीधे गेम में जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि दिन में बाद में होने वाले अगले मुकाबले के लिए उनकी ऊर्जा बची रहे। आयुष शेट्टी के सामने अब कड़ी चुनौती होगी। राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने के बाद वह शाम को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक तीन मुकाबले हुए हैं, जिनमें आयुष एक जीत और दो हार के साथ 1-2 से पीछे हैं।
वहीं, उन्नति को कहीं ज्यादा मुश्किल मुकाबले का सामना करना पड़ा।

पीवी सिंधु ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह, चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराया

इचिनोमिया। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। एशियन गेम्स में दो बार मेडल जीत चुकीं सिंधु ने पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद पिन-चियन को आसानी से हरा दिया। पहले गेम में ब्रेक के समय वह 10-11 से पीछे थीं,

लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बनाई। पहले गेम में उनके दो गेम प्वाइंट हाथ से निकल गए, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने तीसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकीं सिंधु दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखीं। उन्होंने दूसरे गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली और अपनी लय को बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। सिंधु अब राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजाकी का सामना करेंगी, जो शनिवार को ही खेला जाएगा। मौजूदा गेम्स में इससे पहले भारतीय टीम को महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा था। इस टीम में सिंधु भी शामिल थीं।

चारों क्वार्टर फाइनल की टीमें तय, भारत का अफगानिस्तान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए। लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है। लीग स्टेज में हुए मुकाबलों में 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप ए में नेपाल, अफगानिस्तान और जापान शामिल थे, जबकि ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान शामिल थे। ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान तथा ग्रुप बी से मलेशिया और हांगकांग ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान पहले से ही क्वार्टर फाइनल में हैं। क्वार्टर फाइनल के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा।
तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा।

भारत ने महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में सिल्वर जीता

व्यक्तिगत स्पर्धा में मेडल लाने से चूकीं तिलोत्तमा और विदर्शा

आइची। एशियन गेम्स 2026 में भारत की तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के. विनोद व्यक्तिगत शूटिंग मेडल जीतने से चूक गईं। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा के रोमांचक फाइनल में वे मामूली अंतर से मेडल हासिल नहीं कर सकीं। तिलोत्तमा ब्रॉन्ज मेडल के बहुत करीब थीं। भारतीय शूटर साउथ कोरिया की किम जी-उन पर 0.3 प्वाइंट की बढ़त के साथ तीसरे स्थान के लिए फाइनल शॉट में उतरीं। हालांकि, अपने आखिरी प्रयास में 9.4 स्कोर करने से किम के लिए मौका बन गया, जिन्होंने 10.5 स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। तिलोत्तमा को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। विदर्शा की चुनौती एलिमिनेशन राउंड में पहले ही खत्म हो गई। 10.4 के स्कोर ने उन्हें एक राउंड में बने रहने और कजाकिस्तान की एरिना मालिनोव्स्काया (316.7 स्कोर) से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अगले शॉट में 10.0 स्कोर करने से विदर्शा का फाइनल में सफर खत्म हो गया और वह 327.4 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। ये करीबी मुकाबले तब हुए जब दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ-शूटर फाइनल में जगह बनाई थी। तिलोत्तमा 590-32× स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर मेडल मुकाबले में उतरी थीं, जबकि विदर्शा ने 588-29× स्कोर के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

आखिरकार चीन ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। हान जियायु ने गोल्ड-मेडल शूटआउट में अपनी ही देश की झांग लियुआन को हराया और निर्णायक शॉट में 10.5 स्कोर करके जीत पक्की की। हान ने 359.0 स्कोर के साथ नया एशियन रिकॉर्ड बनाया, जबकि झांग ने 358.8 स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

मिवा हरिमोटो से हारकर यशस्विनी बाहर

टोयोटा। भारत की यशस्विनी घोरपड़े का एशियन गेम्स 2026 में महिला एकल का अभियान शनिवार को तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी जापान की मिवा हरिमोटो ने यशस्विनी को 9-11, 5-11, 11-4, 4-11, 5-11 से हराया।

हरिमोटो ने मुकाबले में शुरू में ही नियंत्रण बना लिया था और घोरपड़े को एक करीबी शुरुआती गेम में हराया। दूसरा गेम उन्होंने और आसान तरीके से जीता। घोरपड़े ने तीसरे गेम में अपनी लय पाई और 11-4 की जबरदस्त जीत के साथ मोमेंटम को अपनी तरफ मोड़ा। हालांकि, जापानी खिलाड़ी ने जल्दी ही अपना दबदबा वापस पा लिया। हरिमोटो ने चौथे गेम में अपना गेम सुधारा, जिससे घोरपड़े को वापसी करने का मौका नहीं मिला, और पांचवें गेम में मुकाबला जीतकर अगले राउंड में पहुंच गईं। घोरपड़े ने सीरिया की हेंड जाजा पर 4-1 से जीत के साथ तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। एकल से बाहर होने के साथ ही उनका व्यक्तिगत कैंपेन खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने गेम्स में विमेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था। घोरपड़े और दिया चिताले शुक्रवार को चीन की फैन शुहान और चेन यी से 0-3 से हारने से पहले विमेंस डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं।

श्रीजा अकुला और सिंड्रेला दास भी डबल्स मुकाबले से बाहर हो गईं; उन्हें तीसरे राउंड में चीन की कुआई मान और वांग मन्यु से 0-3 से हार मिली।

भारत की टेबल टेनिस टीम ने फिर भी नागोया में एक मेडल पक्का कर लिया है।

डिफेंडिंग चैंपियन सात्विक-चिराग पुरुष डबल्स के पहले ही राउंड में बाहर

आइची। डिफेंडिंग चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका टाइटल डिफेंस निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया। पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग काफी मोमेंटम के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया।

सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्साकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार पॉइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही, क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया।

समाचार सार

13 वर्षीय बालक दो दिनों से लापता, परिजनों ने थाने में दिया आवेदन

कुन्धुर पंचायत के गेनाडीह गांव का मामला, पढ़ाई के लिए घर से निकलने के बाद नहीं लौटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गिद्धौर/जमुई । गिद्धौर थाना क्षेत्र की कुन्धुर पंचायत के गेनाडीह गांव से 13 वर्षीय बालक के लापता होने का मामला सामने आया है। गेनाडीह निवासी परशुराम मोदी का पुत्र अनमोल कुमार उर्फ शालू दो दिन पहले घर से निकलने के बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में काफी खोजबीन की, लेकिन बालक का कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों के अनुसार, अनमोल पढ़ाई के सिलसिले में घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं आया। देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के गांवों में पूछताछ करने के साथ कई संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई, लेकिन उसका पता नहीं चल सका।इसके बाद परिजनों ने गिद्धौर थाने में आवेदन देकर बालक की तलाश कर उसे बरामद करने की गुहार लगाई है। आवेदन मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर बालक की तलाश में जुट गई है। बालक के अचानक लापता होने से परिजन चिंतित हैं और उसकी सुरक्षित वापसी को लेकर परेशान हैं।

गिद्धौर में 62 मिमी बारिश,तेज हवा चली तो अगेती धान गिरने की आशंका

चक्रवाती बारिश से धान को राहत और तेज हवा से नुकसान का सता रहा डर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गिद्धौर /जमुई। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सिस्टम का असर बिहार में दिखने लगा है। गिद्धौर प्रखंड में शनिवार दोपहर बाद तेज हवा के साथ करीब 15-20 मिनट तक अच्छी बारिश हुई। इसके बाद देर रात तक कभी हल्की तो कभी तेज बूंदाबांदी होती रही। शनिवार सुबह 7 बजे तक वषार्मापी में 62 मिमी बारिश दर्ज की गई। सितंबर में अब तक प्रखंड क्षेत्र में कुल 166.2 मिमी बारिश हो चुकी है। जिले में सितंबर की औसत बारिश 188.6 मिमी मानी जाती है।

मौसम में बदलाव के साथ अगले एक-दो दिनों तक बारिश के आसार बने हुए हैं। किसानों के अनुसार, इस समय हुई बारिश लंबी अवधि वाली धान की फसल के लिए राहत लेकर आई है। खेतों में पर्याप्त नमी नहीं रहने से धान की फसल प्रभावित हो रही थी। बारिश से खेतों में नमी बढ़ने के साथ पौधों को पानी मिला है। हालांकि, लगातार बारिश होने पर निचले और गहराई वाले खेतों में जलजमाव की स्थिति बन सकती है।

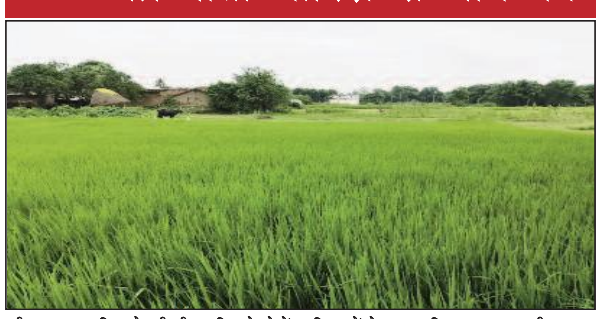

बाली निकलने और दाना भरने की अवस्था में धान

किसानों ने बताया कि इस समय करीब 120 से 125 दिन में तैयार होने वाली कम अवधि की धान की फसल में बाली निकलने और दाना भरने की अवस्था है। ऐसे में तेज हवा के साथ बारिश होने पर पौधों के गिरने की आशंका बढ़ जाती है। फसल गिरने से उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। वहीं देर से लगाई गई धान की फसल के लिए वर्तमान बारिश फिलहाल फायदेमंद बताई जा रही है।

वज्रपात का अलर्ट, किसानों को सावधानी की सलाह

मौसम विभाग की ओर से तेज हवा के साथ वज्रपात की चेतावनी भी दी गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की फसल को इस समय पानी की जरूरत है, लेकिन खेतों में लंबे समय तक पानी जमा रहने और तेज हवा चलने से नुकसान हो सकता है। किसानों को निचले खेतों में जल निकासी की व्यवस्था पर नजर रखने की सलाह दी गई है। बारिश और आंधी के दौरान वज्रपात के खतरे को देखते हुए किसानों को खेतों में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

चक्रवाती सिस्टम से नदियों और नहरों का जलस्तर बढ़ने की संभावना

कृषि केंद्र के सलाहकार राजीव कुमार ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती सिस्टम और उससे बने गहरे दबाव के कारण जिले के मौसम में बदलाव आया है। इसके प्रभाव से राज्य के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। जिले में पहाड़ी नदियों और उनसे जुड़ी नहरों का जलस्तर बढ़ने की संभावना है। इससे निचले इलाकों के खेतों में जलजमाव की स्थिति बन सकती है।

मानसून की कमी के बीच बारिश से जलस्रोतों को राहत

इस वर्ष जिले में मानसून की बारिश औसत से करीब 61 प्रतिशत तक कम रही है। ऐसे में मानसून की विदाई के समय होने वाली बारिश किसानों और जलस्रोतों के लिए राहत दे सकती है। बारिश से पइन और तालाबों में पानी की कमी दूर होने के साथ भूमिगत जलस्तर में भी सुधार की उम्मीद है।

हालांकि लगातार बारिश होने पर निचले इलाकों में जलजमाव परेशानी बढ़ा सकता है। मौसम पूवार्नुमान के अनुसार शनिवार से रविवार तक चक्रवाती बारिश की संभावना बनी हुई है। तेज हवा के साथ बारिश होने पर सबसे अधिक नुकसान बाली निकलने और दाना भरने वाली धान की फसल को हो सकता है। वहीं देर से लगाई गई धान की फसल के लिए पर्याप्त बारिश से बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है।

राजद का जोरदार प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

झंडा मैदान से टावर चौक तक निकला मार्च, जमकर हुई नारेबाजी; मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की गिरिडीह जिला कमेटी ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। राजद कार्यकताओं ने झंडा मैदान से पैदल मार्च निकालकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लिए कार्यकर्ता टावर चौक पहुंचे, जहां मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने ह्यलोकतंत्र की हत्या करने वाले ज्ञानेश कुमार को गिरफ्तार करोह्व, ह्यसंविधान के साथ छेड़छाड़ बंद करोह्व, ह्यमुख्य चुनाव आयुक्त पर मुकदमा दर्ज करोह्व और ह्यमोदी के इशारे पर काम करने वाला चुनाव आयोग होश में आओह्व जैसे नारे लगाए। मतदाता के अधिकारों से समझौता नहींह्व राजद जिलाध्यक्ष मोहम्मद इरफान आलम ने कहा कि मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर लगातार उठ रहे सवाल लोकतंत्र के लिए गंभीर विषय हैं। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के प्रति जनता का विश्वास कायम रहना जरूरी है। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनाव सिर्फ सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता के मत और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

मतदाता सूची में नाम हटाए जाने या किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को लेकर उठ रहे सवालों का संबंधित संस्थाओं को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। इरफान आलम ने कहा कि राजद लोकतंत्र, संविधान और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ व्यक्तिगत लड़ाई नहीं, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवालों को उठाने का लोकतांत्रिक प्रयास है। युवाओं से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का आह्वान युवा राजद जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए आवाज उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के युवा निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर जागरूक हो रहे हैं। प्रदेश सचिव गयास-ुद्दीन अंसारी ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि पारदर्शिता और निष्पक्षता लोकतंत्र की बुनियाद है। जिला महासचिव बलदेव नायक ने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदेश महासचिव शत्रुघ्न यादव ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में उठ रहे सवालों का जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष दशरथ यादव, जिला सचिव कामरान वारिस अंसारी, महासचिव रामेश्वर प्रसाद यादव, युवा जिला कोषाध्यक्ष राजेश यादव, युवा जिला सचिव किसुन यादव, जिला सचिव नेक वारिश, सदानंद तुरी, सुरेंद्र यादव, रवि यादव, शिवम कुमार, तेजस, कमल हसन, अरबाज, अरमान, अरशद, तौसीफ, इमरान, तनवीर, इरफान, सागर कुमार और सुरेश यादव सहित बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

पीटीएम में खुली शिक्षकों की कमी की बात डीईओ ने जल्द समाधान का दिया भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिकंदरा/जमुई। मध्य विद्यालय महादेव सिमरिया में शनिवार को आयोजित अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी (पीटीएम) में बच्चों की पढ़ाई के साथ विद्यालय की शिक्षक कमी का मुद्दा प्रमुखता से उठा। अभिभावकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के समक्ष पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराने की मांग रखी। डीईओ ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा पदाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य, प्रधानाध्यापक संजीत कुमार, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

पीटीएम में बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति और सीखने की स्थिति पर अभिभावकों से सीधा संवाद किया गया।

अधिकारियों ने सरकारी शैक्षणिक एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ह्यनिपुण पथह्व के तहत बच्चों की पढ़ने, लिखने और गणना की बुनियादी दक्षता मजबूत करने पर जोर दिया।

प्रतिभा को मिला मंच सेवा ही संकल्प-2026 के तहत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रिया कुमारी प्रथम, शिवानी कुमारी द्वितीय और निशु कुमारी तृतीय रहीं। चित्रकला में रिया कुमारी प्रथम, प्रीति कुमारी द्वितीय और अक्षय कुमार तृतीय रहे। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। चयनित विद्यार्थी आगे संकुल, प्रखंड, जिला और राज्य स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। विद्यालय प्रभारी ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई के साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारना भी विद्यालय की प्राथमिकता है।

पेड़ से टकराकर पलटा गिट्टी लदा वाहन, केबिन में फंसे खलासी को पोकलेन से सुरक्षित निकाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता चकाई/जमुई। शनिवार अहले सुबह चकाई-देवघर मुख्य मार्ग पर चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत हरिअंधी मोड़ के समीप गिट्टी लदा एक अनियंत्रित वाहन सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गया।

हादसे में वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने से गाड़ी चला रहा खलासी केबिन में इंजन के बीच दब गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने पोकलेन मंगवाकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।सरेस डांगल पश्चिम बंगाल से गिट्टी लोड कर शेखपुरा जा रहे वाहन में हरियंदी मोड़ के पास अचानक चालक को झपकी आ गई, जिससे गाड़ी पेड़ से टकरा गई। हादसे के वक्त खलासी सूरज कुमार पिता राजेंद्र यादव, ग्राम नूमर, थाना बरहट गाड़ी चला रहा था, जो अंदर ही फंस गया।

वहीं मुख्य चालक लालू यादव पिता संजय यादव ने शीशा तोड़कर किसी तरह अपनी जान बचाई। चंद्रमंडीह थाने के अवर निरीक्षक रितेश कुमार व अमित कुमार ने दल-बल के साथ पहुंचकर पहले जेसीबी से रेस्क्यू का प्रयास किया, लेकिन सफलता न मिलने पर पोकलेन से केबिन को खिंचवाकर सूरज को बाहर निकाला और रेफरल अस्पताल चकाई भेजा। चालक लालू यादव ने बताया गाड़ी शेखपुरा जा रही थी। अचानक नींद लग जाने से वाहन पेड़ से टकराकर पलट गया। मैं शीशा तोड़कर निकला, लेकिन सूरज अंदर ही एक घंटे तक दबा रहा, जिसे बाद में पोकलेन की मदद से निकाला गया।चंद्रमंडीह थानाध्यक्ष गजेंद्र कुमार ने बताया, दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केबिन में फंसे युवक को सुरक्षित रेस्क्यू कर इलाज के लिए भेजा।पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

चोरी के जेवरात खरीदने वाला स्वर्ण व्यवसायी गिरफ्तार, साढ़े तीन किलो चांदी व सोना बरामद

बांका के बाराहाट और चंद्रमंडीह पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता चकाई,/ जमुई। चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के माधोपुर स्थित मां तारा ज्वेलर्स के संचालक उमेश पोद्दार को चोरी के आभूषण खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांका जिले के बाराहाट और स्थानीय चंद्रमंडीह पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी के पास से साढ़े तीन किलो चांदी और सोने के जेवरात बरामद किए हैं।

बाराहाट थाना पुलिस के अनुसार यह पूरा मामला पिछले वर्ष हुए चोरी के एक बड़े कांड से जुड़ा है। उक्त कांड के अनुसंधान के क्रम में पुलिस पूर्व में भी कई शातिर अपराधियों को आभूषणों के साथ जेल भेज चुकी है। पूछताछ व रिमांड के दौरान गिरफ्तार चोरों ने स्वीकार किया था कि वे चोरी के

जेवरात माधोपुर स्थित मां तारा ज्वेलर्स के संचालक उमेश पोद्दार पिता स्व. सुरेंद्र पोद्दार को बेचते थे।बयान के आधार पर पुलिस टीम ने माधोपुर स्थित दुकान और चंद्रमंडीह स्थित व्यवसायी के आवास पर एक साथ दबिश दी। इसके अलावा झारखंड के जसीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खोरीपानन में भी तलाशी ली गई। दुकान और अलमारियों की जांच के बाद जेवरातों का इलेक्ट्रॉनिक कांटे पर वजन कराया गया। आभूषणों के वैध कागजात नहीं दिखाने पर पुलिस ने उन्हें जब्त कर लिया।

चंद्रमंडीह थानाध्यक्ष गजेंद्र कुमार ने बताया कि बाराहाट थानाध्यक्ष अशोक गुप्ता, केस के आईओ और एसआई ब्यूटी कुमारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। बाराहाट पुलिस आरोपी दुकानदार को जब्त आभूषणों के साथ ले गई है, जहां गिरोह के अन्य संपर्कों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पंचायत सचिव की कार्यशैली के खिलाफ प्रमुख ने खोला मोर्चा, बीडीओ को सौंपा शिकायती पत्र

सात बिंदुओं पर लगाए गंभीर आरोप, कार्रवाई न होने पर दी चक्का जाम की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता चकाई/जमुई। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परांची के पंचायत सचिव अंबेडकर गुप्ता की कार्यशैली व कथित मनमानी को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी ने बीडीओ मनीष आनंद को सात बिंदुओं पर साक्ष्य के साथ शिकायती आवेदन सौंपा है। पत्र की प्रतिलिपि डीएम और डीडीसी जमुई को भी प्रेषित की गई है। प्रमुख ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सचिव पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे ग्रामीणों को गोलबंद कर सड़क पर उतरेंगी और चक्का जाम करेंगी।प्रमुख ने आरोप लगाया कि 23 सितंबर को पंचायत सरकार भवन के बजाय अन्यत्र कागजी खानापूरी कर ग्राम सभा आयोजित की गई और जनता को सूचना से वंचित रखा गया। 26 जुलाई को पंचायत विकास दिवस के दिन बैठक छोड़ कमरे में सोने व शराब सेवन का भी आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, भवन हैंडओवर होने के बावजूद स्वतंत्रता दिवस पर महादलित टोले के पंचायत सरकार भवन पर झंडा न फहराकर नावाडीह में फहराने, खराब सोलर लाइटों की उपेक्षा करने और सवाल उठाने पर जनप्रतिनिधियों को झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप है। इधर पंचायत सचिव अंबेडकर गुप्ता ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि लगाए गए आरोप पूरी तरह मनगढ़ंत और राजनीति से प्रेरित हैं। उन पर अनुचित प्रशासनिक दबाव बनाने की नीयत से यह सब किया जा रहा है। सभी कार्य विभागीय गाइडलाइन के तहत हुए हैं और निष्पक्ष जांच में पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी।

7वें वेतनमान की मांग पर वित्त विभाग ने शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

निर्देश, लाखों शिक्षकों में जगी आस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गिद्धौर/जमुई। बिहार के लाखों शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों को सातवें वेतन आयोग के अनुरूप वास्तविक वेतनमान, ग्रेड पे और लेवल देने की मांग पर वित्त विभाग के अवर सचिव राजेश कुमार सिंह ने शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर नियमानुकूल कार्रवाई का निर्देश दिया है। शनिवार को बिहार विशिष्ट अध्यापक प्रधान शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद कौशल सिंह ने कहा कि जब वित्त विभाग ने माँग पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर नियमानुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया है तो अब राज्यकर्मी का दर्जा प्राप्त लाखों विशिष्ट शिक्षकों, विद्यालय अध्यापकों, प्रधान शिक्षकों, प्रधाना ध्यापकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों की वेतन विसंगति दूर कर सातवां वेतनमान लागू करना शिक्षा विभाग की विधिक व नैतिक जिम्मेदारी है। आनंद कौशल सिंह ने कहा कि राज्यकर्मी बनने के बाद भी शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक को कमतर पे-मैट्रिक्स में रखना अनुचित है, इसलिए वित्त विभाग के पत्र से लाखों शिक्षकों में आस जगी है । उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का स्पष्ट कहना है—'देना है सम्मान, तो दे दीजिए पूर्ण सातवां वेतनमान!' उन्होंने सरकार को याद दिलाया कि 30 अगस्त को एक्स (ट्विटर) पर चलाए गए डिजिटल आंदोलन बिहार टीचर्स नीड सातवें पेय ने वैश्विक स्तर पर ट्रेंड कर इतिहास रचा था, जिसने पूर्ण सातवें वेतनमान की प्रासंगिकता सिद्ध कर दी है।

> अवर सचिव राजेश कुमार सिंह ने शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर नियमानुकूल कार्रवाई का निर्देश दिया

शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और वित्त मंत्री से अविलंब सभी कोटि के शिक्षकों के लिए पूर्ण वेतनमान लागू करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सभी कोटि के शिक्षकों को शीघ्र पूर्ण सातवां वेतनमान नहीं मिला, तो यह न्यायसंगत आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के किसानों को एसएसबी ने बांटे कृषि उपकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता खैरा/जमुई। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 16वीं वाहिनी के ए समवाय पारसी की ओर से शनिवार को नक्सल प्रभावित क्षेत्र के किसानों के बीच कृषि उपकरण का वितरण किया गया। कार्यवाहक कमांडेंट बांके बिहारी के दिशा-निर्देशन में अरुणमाबांक पंचायत के बजराही गांव में आयोजित नागरिक कल्याण कार्यक्रम में उप कमांडेंट गोविंद कुमार की मौजूदगी में किसानों को खेती के उपकरण दिए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व ए समवाय पारसी के निरीक्षक सामान्य पंकज कुमार ने किया। इस दौरान बजराही, टरिमा, विशनपुर, हरनी, जनकपुरा, जतहर, कुरवाटांड़, बीचकोरवा, केंदुआडीह सहित आसपास के गांवों के किसानों को स्प्रे मशीन, कुदाल, फावड़ा, हंसिया, पंजा सहित अन्य कृषि उपकरण उपलब्ध कराए गए। एसएसबी अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक तरीके से खेती करने तथा बेहतर फसल उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया।मौके पर गढ़ी थाना के प्रभारी एसआई विपिन चंद्र,

जिला परिषद सदस्य छोटे लाल मोदी, पंचायत सचिव अभिनाश कुमार, प्रधान के पति अनिल यादव, नंदलाल दास, प्रधान प्रकाश टांटी सहित विभिन्न वार्ड सदस्य एवं ग्रामीण मौजूद थे।अधिकारियों ने कहा कि नागरिक कल्याण कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षा बलों से जोड़ना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करना है। दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों

सदर अस्पताल की बदहाली पर फूटा आक्रोश, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सदर अस्पताल की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भारतीय लोकतांत्रिक संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल दिया है। समिति के प्रतिनिधि संदीप कुमार ने अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल की समस्याओं को तत्काल दूर कराने की मांग की है। समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो जिले के लोग झंडा मैदान में चरणबद्ध धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन में कहा गया है कि सदर अस्पताल में मरीजों की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध होने के बावजूद सेवा लंबे समय से बंद पड़ी है। इससे जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से इलाज कराने पहुंचने वाले मरीजों को जांच के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीजों को निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। समिति ने अस्पताल में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता पर भी सवाल उठाया है। ज्ञापन के अनुसार, मरीजों को जरूरी दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। वहीं अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। समिति ने इन समस्याओं को मरीजों के हित से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए तत्काल प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग की है। पांच दिनों में सुधार नहीं तो आंदोलन समिति ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराकर अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू कराने, जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा अस्पताल की सफाई व्यवस्था में सुधार कराने की मांग की है। साथ ही पांच दिनों की समय-सीमा देते हुए कहा है कि निर्धारित अवधि में ठोस सुधार नहीं हुआ तो झंडा मैदान में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बाबा गणिनाथ गोविंद का 5वां पूजनोत्सव धूमधाम से संपन्न, भक्ति रस में डूबा चकाई

श्री राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी परिसर में हुआ वैदिक हवन-पूजन व झंडोत्तोलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता चकाई/जमुई। अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा के तत्वावधान में कुलदेवता संत शिरोमणि बाबा गणिनाथ गोविंद जी का 5वां वार्षिक पूजनोत्सव शनिवार को भव्यता और सामाजिक एकजुटता के साथ संपन्न हुआ। चकाई बाजार स्थित नावा आहार के समीप श्री राधा-कृष्ण ठाकुरबाड़ी परिसर में आयोजित इस अनुष्ठान को लेकर समाज में दिनभर भारी उत्साह देखा गया।समारोह का शुभारंभ सुबह पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कुलदेवता के विधिवत पूजन और हवन से हुआ। पीले वस्त्र धारण किए यजमानों सहित सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर

क्षेत्र की सुख, शांति व समृद्धि की प्रार्थना की।महाआरती के उपरांत समाज का विधिवत झंडोत्तोलन किया गया।इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन सरपंच प्रतिनिधि संजय गुप्ता ने फीता काटकर किया। मंच पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं। दोपहर बाद आयोजित भक्ति जागरण उत्सव का मुख्य आकर्षण रहा। प्रसिद्ध भजन गायक जितेंद्र बबुआ, गायिका याशिका साव और नित्या सिंह ने अपनी मधुर आवाज में बाबा के भजनों की ऐसी अमृत वर्षा की कि श्रद्धालु देर शाम तक भक्ति रस में झूमते रहे।धार्मिक उत्सव में सरोंन, बालागोजी, माधोपुर,टेलवा,सिमरिया और रोहणी समेत दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में लोग सपरिवार शामिल हुए। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी समरसता और नई ऊर्जा का

संक्षिप्त समाचार

गरगा डैम का जलस्तर घटकर 765.4 फीट, खतरे के निशान से 1.6 फीट नीचे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गरगा डैम का जलस्तर शनिवार सुबह 9 बजे घटकर 765.4 फीट पर पहुंच गया। डैम का खतरे का निशान 767 फीट निर्धारित है। इस तरह वर्तमान जलस्तर खतरे के निशान से 1.6 फीट नीचे है। जल निकासी को नियंत्रित रखने के लिए डैम का गेट नंबर-3 करीब पांच इंच खुला रखा गया है। चास एसडीओ प्रांजल ढांडा ने बताया कि डैम के जलस्तर और जल प्रवाह पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। जलस्तर में बदलाव और डैम में पानी की आवक की स्थिति को देखते हुए आवश्यकता के अनुसार गेट के संचालन को नियंत्रित किया जाएगा।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सीएसआर विभाग की ओर से सामुदायिक सरोकार के तहत 26 सितंबर को बैदमारा स्थित सरकारी विद्यालय में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर लगाया गया। शिविर में 112 ग्रामीणों एवं बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में मेडिसिन, नेत्र रोग, ईएनटी, सर्जरी, स्त्री रोग और शिशु रोग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने जांच के बाद आवश्यक परामर्श दिया और उनकी सलाह के अनुसार लाभार्थियों के बीच निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों से बचाव, पोषण, स्वच्छता और दैनिक स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया। पीरामल स्वास्थ्य की मोबाइल मेडिकल यूनिट ने भी शिविर में सहयोग किया। कार्यक्रम के आयोजन में बीएसएल के सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, सहायक प्रबंधक एवं अन्य टीम सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। टीम ने पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और दवा वितरण की व्यवस्था का समन्वय किया।

लंबित मांगों को लेकर बीएसएल कर्मियों का प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेल और बीएसएल स्तर पर लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) का आंदोलन जारी है। दूसरे चरण के चौथे दिन शनिवार को सीआरएम-3 विभाग के कर्मचारियों ने दोपहर के भोजन अवकाश के दौरान सीजीएम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर नारेबाजी की और प्रबंधन की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया। संघ के अनुसार, सेल कॉरपोरेट स्तर पर करीब 45 मुद्दे और बीएसएल स्तर पर 60 से अधिक मामले लंबित हैं। इन मांगों के समाधान के लिए कर्मचारी सुबह की ड्यूटी के बाद भोजन अवकाश के समय कार्यालय के सामने एकत्र होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार के प्रदर्शन में 100 से अधिक कर्मचारियों के शामिल होने का दावा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए उपमहासचिव माणिक मुंडा ने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत से सेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने वेज रिवीजन-2017 के एमओयू, बोनस फॉमूर्ला और एनजेसीएस से जुड़े मामलों में अनियमितता का आरोप लगाते हुए प्रबंधन की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों का रिकॉर्ड उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन उन्हें उनकी मेहनत का उचित लाभ नहीं मिल रहा है। प्रदर्शन को महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप कुमार, उपाध्यक्ष कृष्ण रजवार, कोषाध्यक्ष राहुल साव समेत यूनियन के अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता अभियान

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण और स्वास्थ्य को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें स्थानीय समुदाय, विशेषकर महिलाएं और बच्चे सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। अभियान के दौरान लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वस्थ जीवनशैली, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और कुपोषण की रोकथाम के उपायों की जानकारी दी जा रही है। आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी फलों, हरी पत्तेदार सब्जियों और मोटे अनाज यानी श्री अन्न को दैनिक आहार में शामिल करने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं। जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं और अभिभावकों को बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य की समुचित देखभाल के प्रति संवेदनशील बनाया जा रहा है। साथ ही कुपोषण की पहचान और उससे बचाव के लिए आवश्यक जानकारी भी साझा की जा रही है। जिला प्रशासन का उद्देश्य पोषण को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देना है, ताकि सामूहिक प्रयास से स्वस्थ, सशक्त और सुपोषित समाज का निर्माण किया जा सके।

गजलीटांड़ खान हादसे की 32वीं बरसी पर शहीद श्रमिकों को श्रद्धांजलि

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गजलीटांड़ खान दुर्घटना की 32वीं बरसी पर शनिवार को शहीद श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी गई। 26 सितंबर 1994 को कतरी नदी का पानी अचानक खदान में घुस गया था, जिससे खदान जलमग्न हो गई थी और हादसे में 64 श्रमिकों की जान चली गई थी। गजलीटांड़ मैदान स्थित शहीद स्तंभ पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जनप्रतिनिधियों, मजदूर नेताओं और शहीद श्रमिकों के परिजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो और पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा समेत कई लोगों ने शहीद श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी। विभिन्न मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी शहीद स्तंभ पर पुष्प अर्पित किए। शहीद श्रमिकों के परिजनों ने पूजा-अर्चना कर दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान शहीद स्तंभ परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक और विधायक ने शहीद श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। परिजनों ने दुर्घटना के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और तत्कालीन प्रबंधन की ओर से आवास और अन्य मुआवजा देने के किए गए वादों का हवाला देते हुए लंबित सुविधाओं को पूरा करने की मांग रखी।

दुकान से 48 किलो मिलावटी पनीर बरामद दुकान छोड़ फरार हुआ संचालक, डेयरी सील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है. स्वास्थ्य सचिव के निर्देश पर जिले में पनीर समेत दूसरे खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है. इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर के कई खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक छापेमारी की. यह कार्रवाई सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा के निर्देशन में की गई. खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में टीम ने कई दुकानों की जांच की. इस दौरान पनीर, घी और खोवा के नमूने लिए गए. इन नमूनों को रासायनिक जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, रांची भेजा गया है.

गौतम डेयरी से 48 किलो संदिग्ध पनीर जब्त

स्टील गेट स्थित गौतम डेयरी में भी टीम ने जांच की. जांच के दौरान दुकान का संचालक मौके से फरार हो गया. टीम को प्रतिष्ठान का एफएसएसएआई लाइसेंस भी एक्सपायर्ड मिला. जांच के दौरान दुकान से 48 किलोग्राम संदिग्ध पनीर बरामद हुआ. इसके अलावा 2 किलोग्राम घी और खोवा भी मिला. भारी मात्रा में संदिग्ध खाद्य सामग्री मिलने और संचालक के मौके से फरार होने के बाद टीम ने प्रतिष्ठान को तत्काल सील कर दिया.

राकेश डेयरी से भी संदिग्ध पनीर जब्त

पुलिस लाइन स्थित राकेश डेयरी में भी जांच की गई. यहां से 10 किलोग्राम संदिग्ध पनीर जब्त किया गया. इसके अलावा सरायढेला स्थित रूफ 709, निर्मल स्वीट्स और रमेश डेयरी में भी टीम पहुंची. इन दुकानों से पनीर, घी और खोवा-मिठाई के नमूने लिए गए. बरटांड़ स्थित गंगा डेयरी से भी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए. मौके पर जांच में संदिग्ध या मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले खाद्य पदार्थों को जब्त किया गया.

पूरे जिले में जारी रहेगा अभियान

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि लोगों को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है. इसी उद्देश्य से जिले में अभियान लगातार जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों पर कार्रवाई की जाएगी. बिना वैध लाइसेंस के खाद्य कारोबार करने वालों के खिलाफ भी नियमानुसार कानूनी कार्रवाई होगी. अधिकारियों ने खाद्य कारोबारियों से नियमों का पालन करने की अपील की है. वहीं, आम लोगों से भी संदिग्ध खाद्य सामग्री की बिक्री की जानकारी संबंधित विभाग को देने की अपील की गई है.

सड़क हादसे में युवक की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मामरकुदर के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कोरिया गांव निवासी युवक के रूप में बताई जा रही है। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने मुआवजा एवं सरकारी योजनाओं का लाभ देने की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास कर रहा है। जानकारी के अनुसार, युवक बाइक से अपनी बीमार मां को देखने अस्पताल जा रहा था। बताया जा रहा है कि उसकी मां की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। इसी दौरान मामरकुदर के पास युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। कुछ ही देर में मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिजनों में मातम और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। इसके बाद लोगों ने सड़क पर आवागमन रोककर जाम कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से बातचीत कर जाम हटाने का प्रयास किया। पुलिस ने हादसे की परिस्थितियों और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मौके पर लोगों की भीड़ जुटी हुई है और सड़क जाम के कारण यातायात प्रभावित है।

गणिनाथ गोविंद जयंती पर बोले सांसद ढुलू महतो, 'समाज का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा'

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय मधदेशीय वैश्य सभा, धनबाद जिला कमेटी के तत्वावधान में शनिवार को बेकारबांध स्थित ब्लेसिंग बैंक्वेट हॉल में बाबा गणिनाथ गोविंद जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद सांसद ढुलू महतो थे। वे वर्तमान में धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद हैं। समाज को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि समाज का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो बच्चा पढ़ना चाहता है, उसकी शिक्षा के खर्च का आधा हिस्सा वह स्वयं वहन करेंगे। उन्होंने समाज के लोगों से राजनीति में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। सांसद ने धनबाद के विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि गया पुल की समस्या, मटकुरिया से विनोद नगर चौक तक फ्लाईओवर और गोविंदपुर-निरसा एलिवेटेड कॉरिडोर जैसे कार्यों पर पहल हुई है। उन्होंने धनबाद में एयरपोर्ट की आवश्यकता और इसके लिए अपनी ओर से किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। धनबाद एयरपोर्ट को लेकर सांसद पहले भी संसद में सवाल उठा चुके हैं और 2026 में इसके निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन किया है। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें जो जिम्मेदारी और आशीर्वाद दिया है, उसे पूरी निष्पक्षता के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विशाल कुमार ने की। मौके पर राष्ट्रीय मंत्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य सलाहकार राजेश कुमार गुप्ता, रविराज गुप्ता, महासचिव दिनेश मधदेशीय, कोषाध्यक्ष राहुल गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, मंत्री शशि प्रकाश, मंटू साव, नगर महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता, मुकेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय संगठन मंत्री नीतू शंकर, महिला जिला अध्यक्षा बिंदिया प्रिया तथा विभिन्न नगर कमेटियों के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

तंबाकू और निकोटीन के दुष्प्रभावों पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन बोकारो डॉ. अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में राजकीय गवर्नमेंट सेकेंडरी स्कूल, पिपराडीह, नावाडीह में विद्यार्थियों के बीच तंबाकू एवं निकोटीन के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तंबाकू से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान की जानकारी दी गई और इससे दूर रहने की अपील की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेम नारायण एवं सीएचओ पूनम कायम ने बताया कि निकोटीन अत्यधिक नशे की लत लगाने वाला पदार्थ है। यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने के साथ हृदय गति एवं रक्तचाप बढ़ा सकता है। कम उम्र में निकोटीन का सेवन बच्चों और किशोरों के विकसित हो रहे मस्तिष्क पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। जिला परामर्शी, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम मोहम्मद असलम ने कहा कि तंबाकू का सेवन किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

फुटबॉल मैच के दौरान खिलाड़ी की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर अस्पताल में हंगामा

बेरमो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र की नई बस्ती मैदान में बजरंग क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय डे-नाइट फुटबॉल मैच के दौरान एक खिलाड़ी की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोमिया के खंभरा बस्ती निवासी 37 वर्षीय कजरा मुर्मू के रूप में हुई है। घटना के बाद खेल जगत और क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, फुटबॉल मैच के दौरान कजरा मुर्मू की एक अन्य खिलाड़ी से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वह अचानक बेहोश होकर मैदान में गिर पड़े। आयोजनकताओं ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए डीवीसी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। खिलाड़ी की मौत की सूचना मिलने के बाद शनिवार सुबह उनके परिजनों के साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और खेल प्रेमी डीवीसी अस्पताल पहुंचे। परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर लोगों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। लोगों ने मृतक के परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। बताया गया कि कजरा मुर्मू के परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, साथी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भी शोक व्याप्त है। घटना की सूचना मिलने के बाद बोकारो थर्मल थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस हादसे के कारणों की जानकारी जुटा रही है। घटना के बाद फुटबॉल आयोजन को लेकर भी सुरक्षा और चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

बीएसएल के यातायात एवं कच्चा माल विभाग में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के यातायात एवं कच्चा माल विभाग की ओर से 26 सितंबर को रेल भवन में विभागीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिशासी निदेशक (संकार्य) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं), मुख्य महाप्रबंधक (यातायात एवं कच्चा माल), वरिष्ठ अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत तकनीकी प्रस्तुति से हुई, जिसमें सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों और सुरक्षा संबंधी पहलों की जानकारी दी गई। मुख्य महाप्रबंधक (यातायात एवं कच्चा माल) ने कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए निर्धारित सुरक्षा मानकों और प्रोटोकॉल के पालन की अपील की। मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और कार्यस्थल पर आवश्यक सावधानियों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने असुरक्षित कार्यों और कार्य प्रणालियों की रोकथाम, संभावित जोखिमों की समय पर पहचान तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुपालन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य को सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किया जाना चाहिए। समारोह में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का समापन सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण के लिए निरंतर सजगता और सामूहिक प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

मासिक लोक अदालत में 18 मामलों का निष्पादन

2.30 करोड़ से अधिक की समझौता राशि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वावधान में शनिवार को बोकारो सिविल कोर्ट और अनुमंडल न्यायालय तेनुघाट में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो अनिल कुमार मिश्रा-2 के निदेर्शानुसार किया गया। मासिक लोक अदालत के लिए कुल छह बेंचों का गठन किया गया था। इनमें तीन बेंच व्यवहार न्यायालय बोकारो और तीन बेंच अनुमंडल न्यायालय तेनुघाट में गठित किए गए। लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर मामलों के निष्पादन पर जोर दिया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मासिक लोक अदालत में कुल 18 वादों का निष्पादन किया गया। इन मामलों में समझौते के तहत कुल 2 करोड़ 30 लाख 56 हजार रुपये की राशि तय हुई। लोक अदालत के दौरान पक्षकारों को आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से मामलों के त्वरित समाधान का अवसर मिला।

बारिश के बीच जर्जर आवास की सीढ़ी की रेलिंग ढही, चार परिवार फंसे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बोकारो में जर्जर आवासों की स्थिति चिंता बढ़ाने लगी है। सेक्टर 6बी स्थित आवास संख्या 1127 से 1135 ब्लॉक की सीढ़ी की रेलिंग अचानक भरभराकर ढह गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सीढ़ी का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के कारण ऊपर के आवासों में रहने वाले चार परिवारों के बाहर निकलने का रास्ता प्रभावित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ऊपर रहने वाले परिवारों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। वहीं, क्षतिग्रस्त सीढ़ी की मरम्मत का काम भी शुरू कराया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण जर्जर आवासों में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि पिछले दो महीनों में जर्जर आवासों के क्षतिग्रस्त होने की यह चौथी घटना है। इससे इन आवासों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी डीएसपी राजीव रंजन भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि पुलिस और नगर प्रशासन की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है। लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। लगातार बारिश के बीच जर्जर आवासों में हो रही घटनाओं ने उनकी सुरक्षा और मरम्मत व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने ऐसे आवासों की समय पर जांच और आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

चुनाव आयोग के खिलाफ भाकपा माले का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रणधीर वर्मा चौक पर शनिवार को भाकपा माले ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका। प्रदर्शन में आयशा छात्र संगठन के छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। माले नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की जांच कराने की मांग की। नेताओं ने एक समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि देश में मतों की कथित लूट का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की महत्वपूर्ण नींव है और इसकी पारदर्शिता तथा मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा जरूरी है। वक्ताओं ने कहा कि इसी मुद्दे को लेकर पार्टी की ओर से दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी प्रदर्शन किया गया था। पार्टी नेताओं के अनुसार, उस दौरान कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया था, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया।

आलू बेचकर सीखा सिलाई का हुनर, अब महिलाओं को दे रहीं रोजगार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास प्रखंड के बंशीडीह निवासी गायत्री देवी आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपने हुनर और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भर बनीं और अब दूसरी महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम कर रही हैं। वह खुशबू महिला रोजगार संस्था का संचालन करती हैं। गायत्री देवी का कहना है कि बेटियों को शादी में थाली-लोटा देने से अधिक जरूरी है कि उन्हें कोई हुनर सिखाया जाए। हुनर ही ऐसा साधन है, जिसके जरिए बेटी आगे चलकर खुद अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है और आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर नहीं रहती। उन्होंने बताया कि बचपन से ही सिलाई सीखने की इच्छा थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि प्रशिक्षण का खर्च उठा सके। इसके बाद उन्होंने अपने खेत में उपजे आलू बेचकर सिलाई सीखने के लिए पैसे जुटाए। सिलाई का यही हुनर आगे चलकर उनकी पहचान बन गया। गायत्री देवी ने दो सिलाई मशीनों से अपना काम शुरू किया और धीरे-धीरे करीब 10 महिलाओं को रोजगार से जोड़ा। अब बेहतर झारखंड संस्था की ओर से उन्हें तीन और सिलाई मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। उनका कहना है कि नई मशीनों के मिलने से करीब 15 महिलाओं को रोजगार देने का अवसर मिलेगा। मशीनों के उद्घाटन के लिए बेहतर झारखंड की टीम गायत्री देवी के आवास पहुंची। संस्था के संस्थापक विवेक सिंह महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयास में जुटे हैं। इस दौरान लाल बाबू सिंह, नितिन कुमार, विक्की लोहार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। गायत्री देवी की कहानी आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और हुनर के सहारे न केवल खुद आत्मनिर्भर बना जा सकता है, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

कोयलांचल बचाओ समिति ने उठाई अवैध खनन पर रोक की मांग

कतरास/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय क्लब कतरास में कोयलांचल बचाओ समिति की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। समिति के सदस्यों ने क्षेत्र में लगातार हो रहे भू-धंसान और अवैध खनन को लेकर चिंता जताते हुए कई मांगें सामने रखीं। उन्होंने कहा कि कतरास कोयलांचल को बचाने के लिए अवैध खनन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाना जरूरी है। समिति ने भू-धंसान प्रभावित क्षेत्रों में बालू भराई, बंद और अंडरग्राउंड खदानों में बालू भराई तथा प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराने की मांग की। सदस्यों ने कहा कि कोयला खनन के लिए अंडरग्राउंड माइनिंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि क्षेत्र में भू-धंसान के खतरे को कम किया जा सके। प्रेस वार्ता में समिति ने ई-मेजर प्रोजेक्ट पर रोक लगाने की भी मांग की। साथ ही बीसीसीएल और प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई।

किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य और नेतृत्व विकास पर जागरूकता कार्यक्रम

कसमार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रखंड स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में शनिवार को 'सहयोगिनी' संस्था की ओर से किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य, वेलबीइंग और नेतृत्व विकास को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने, सकारात्मक सोच अपनाने और सामाजिक चुनौतियों का सामना करने के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता एवं कसमार स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विपिन प्रसाद ने कहा कि बेहतर मानसिक स्वास्थ्य से व्यक्ति जीवन की समस्याओं का सकारात्मक तरीके से समाधान कर सकता है। उन्होंने किशोरियों और युवाओं से आत्महत्या जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर ही व्यक्ति जीवन में बेहतर सफलता हासिल कर सकता है। सहयोगिनी संस्था की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि प्रखंड के 30 गांवों में किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य, वेलबीइंग और नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए लगातार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बाल विवाह और महिला हिंसा की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया। विद्यालय के शिक्षक डॉ. विजय कुमार शर्मा ने छात्राओं को सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई जारी रखने और पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कुमारी किरण ने किया। मौके पर शिक्षक लक्ष्मण चौधरी, ललिता कुमारी, वीरेंद्र कुमार, रीता कुमारी, कुसुम कुमारी, बिपिन मुखर्जी, गौतम सागर, विकास कुमार, प्रकाश कुमार महतो, अंजली कुमारी सहित अन्य शिक्षक एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com